

भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 5, 1981 (भाद्रपद 14, 1903)

No 36] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 5, 1981 (BHADRA 14, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 जुलाई 1981

सं० ए० 32014/4/80-प्रशा०-II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इस कार्यालय में स्थाई संपदा पर्यवेक्षक श्री आर० पी० मिह को 20-7-81 से तीन मास की अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में तदर्थ आधार पर संपदा प्रबन्धक एवं बैठक अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 13 जुलाई 1981

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III(1)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० स्टे० से० के ग्रेड क के स्थाई अधिकारी श्री एम० सी० खुराना को राष्ट्रपति द्वारा 5 जुलाई, 1981 से आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, के० स० से० की नियमावली, 1962 के नियम 10 के परन्तुक के अधीन संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के अनुभाग अधिकारी के ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

-226GI/81

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा० III; (2)—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में के० स० से० के अनुभाग अधिकारी श्री एन० नमाशिवायम को राष्ट्रपति द्वारा 6 जुलाई, 1981 से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी के पद पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

2. कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के का० शा० सं० 12/1/74 सी० एस० (1) दिनांक 11 दिसम्बर, 1975 की शर्तों के अनुसार श्री एन० नमाशिवायम रु० 75/- प्र० मा० की दर से विशेष वेतन प्राप्त करेंगे।

य० रा० गांधी
अवर सचिव (प्रशा०)

गृह मंत्रालय

कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं० आई० एफ०/जे०-62/68-प्रशा०-1—गुजरात राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में

(10459)

पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त, गुजरात राज्य पुलिस के अधिकारी श्री जे० एस० मेहता को दिनांक 21-7-81 के अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अहमदाबाद शाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त किया जाता है।

की० ला० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं० एफ-2/29/81-स्था० (के० रि० पु० बल)—
राष्ट्रपति जी निम्नलिखित आफिसरों को सहायक कमांडेंट के पद पर स्थायी नियुक्त करते हैं:—

1. श्री रवि कुमार
2. श्री जी० एस० तिवाना
3. श्री एस० बी० मोहम्मद
4. श्री बी० एस० नेगी
5. श्री पी० एस० सम्बियाल
6. श्री जय प्रकाश
7. श्री ए० के० आनन्द
8. श्री आई० एस० गिल
9. श्री के० एस० आर० नाथर
10. श्री एम० एस० सन्धू
11. श्री प्रीतम सिंह
12. श्री बी० एम० कारीकथ
13. श्री महिन्द्र विक्रम सिंह
14. श्री विश्वादेश टोकास
15. श्री पूरन सिंह
16. श्री जे० एस० डासन
17. श्री सुरिन्द्र सिंह रावत
18. श्री काशी नाथ सिंह
19. श्री हरिबंस सिंह राय
20. श्री हुकम सिंह नेगी
21. श्री उमराव सिंह
22. श्री बलराम सिंह नेगी
23. श्री सुमेर सिंह यादव
24. श्री बी० एस० नारंग
25. श्री देवेन्द्र कुमार
26. श्री पुष्कर सिंह
27. श्री गुरचरण सिंह
28. श्री प्रकाश बी० बेलगामकर
29. श्री दीप नारायण सिंह बिष्ट
30. श्री डी० बी० जे० एन० राजू
31. श्री जे० एस० राना
32. श्री पी० प्रसाद
33. श्री के० एस० राना
34. श्री जे० चौधरी
35. श्री जे० एस० बिष्ट

36. श्री के० एल० वाही
37. श्री जे० एल० कपूर
38. श्री बी० एन० राय
39. श्री सी० एन० महाजन
40. श्री ए० एम० चहल
41. श्री दिवाकर मिश्रा
42. श्री गणेश कुमार
43. श्री मंगल सिंह गिल
44. श्री एच० सी० मूद
45. श्री एम० एस० सेठी
46. श्री एफ० सवारणा
47. श्री यू० बी० एस० टैयोटिया
48. श्री ओर० एन० शारदा
49. श्री जे० एन० चेटियापजा
50. श्री रिवपाल सिंह
51. श्री रमेश चन्द्र
52. श्री एन० एस० इटाम
53. श्री बी० के० बोहरा
54. श्री एस० वर्मा
55. श्री सुरेन्द्र नाथ

दिनांक 14 अगस्त 1981

सं० ओ० दो० 1595/81-स्था०—राष्ट्रपति जी, डा० महेन्द्र कुमार द्विवेदी को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ब्यूटी ग्रेड-II आफिसर (डी०एस०पी०/कम्पनी कमांडर) के पद पर दिनांक 21 जुलाई 1981 के पूर्वाह्न से डाक्टरी परीक्षण में ठीक पाये जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

ए० के० सूरि
सहायक निदेशक (स्थापना)

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 8 अगस्त 1981

सं० 852/ए०—मैं, श्री वाय० आर० के० मूर्ति वेतन तथा लेखा अधिकारी भारत प्रतिभूति मुद्रणालय नासिक रोड को लेखा अधिकारी के पद पर भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में दिनांक 20-7-1981 के पूर्वाह्न से प्रति नियुक्ति के हमेशा के शर्तों पर एक साल के लिये नियुक्त करता हूँ।

पी० एस० शिवराम
महा प्रबन्धक

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 9 अगस्त 1981

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/81—अधोहस्ताक्षरकर्ता, श्री एस०

के० शुक्ला, स्थायी कनिष्ठ पर्यवेक्षक (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) को तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण) के पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 (समूह 'ख' राजपत्रित) के वेतनमान में बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में दिनांक 4-8-81 से छः माह के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो सहर्ष नियुक्त करते हैं।

इस तदर्थ नियोजन से उनको इस पद पर बने रहने अथवा नियमित नियुक्ति के लिए कोई भोगाधिकार प्राप्त नहीं होगा, यह तदर्थ नियुक्ति किसी भी समय बिना कोई कारण बताए समाप्त की जा सकती है।

मु० वै० चार
महाप्रबन्धक,

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश
हैदराबाद, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं० प्रशा०-I/8-132/81-82/197—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री बी०नागेश्वरराव को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-7-81 के अपराह्न में जब तक आगे आदेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं० प्रशा०-I/8-132/81-82/197—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री ए० वेंकटेश्वरराव को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 30-7-81 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

सं० प्रशा०-I/8-132/81-82/197—महालेखाकार, आंध्र प्रदेश हैदराबाद, कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० रामबाबू को महालेखाकार, आंध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 31-7-81 के पूर्वाह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है। और आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट/सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन रिट अर्जी के आदेशों के अधीन दिया गया है।

रा० हरिहरन
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार द्वितीय, प० बंगाल
स्थानीय लेखा परीक्षा विभाग

कलकत्ता-700001, दिनांक 10 जुलाई, 1981

सं० स्था० ले०/प्रशा/44—मूल नियम 31(1) के नीचे 'ठीक नीचे कानून' के अधीन प्रोफार्मा प्रोन्नति के पूर्ववर्ती शर्तों के पूरी हो जाने से इस कार्यालय के स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री विभूति भूषण दास-I, जो कि इस समय भारतीय खाद्य निगम में सहायक प्रबन्धक (लेखा) वर्धमान, के पद पर प्रतिनियुक्त हैं, को तदर्थ तथा अनन्तिम रूप से स्थानापन्न सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा के पद पर रु० 840-40-1200 के वेतनक्रम पर 28-2-81 के अपराह्न, जिस दिन से उनके ठीक कनिष्ठ श्री मनोज कान्त भट्टाचार्या ने अपना कार्यभार सम्हाला है, उस दिन से अगले आदेश तक, प्रोफार्मा प्रोन्नति मंजूर किया जाता है।

2. यह साफ तौर पर समझ लेना चाहिए कि यह प्रोन्नति कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक मुकदमे के फैसले तक पूर्ण-तया अनन्तिम स्तर पर है और भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किए गए 1979 सी० आर०, केस सं० 14818 (डब्ल्यू०) के अन्तिम फैसले के अधीन है।

3. इस कार्यालय के अधिसूचना सं० स्था० ले०/प्रशा०/80 दिनांक 9-8-80 को उसका जितना सम्पर्क श्री बी० बी० दास-I का स्थानापन्न सहायक परीक्षक, स्थानीय लेखा, प० बंगाल, के नाते स्थानापन्न प्रोन्नति पर उनके सहायक लेखा परीक्षक रूप से कार्यभार सम्हालने के तारीख से है, रह माना जाय।

बी० एन० दत्त चौधरी
परीक्षक, स्थानीय लेखा,

कार्यालय, निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली-110001, दिनांक 24 जुलाई 1981

सं० 2251/ए-प्रशासन/130/79-81—निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं अधीनस्थ लेखा सेवा के स्थायी सदस्य सर्वश्री जे० पी० चड्ढा और एम० पी० परूषू को क्रमशः दिनांक 30-5-1981 और 12-6-1981 से स्थानापन्न लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में अगले आदेशों पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

इन्दर पाल सिंह
संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा
रक्षा सेवाएं नई दिल्ली।

रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा

आइंनैन्स फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 7 अगस्त 1981

सं० 15/81/ए/ई—वार्धक्य निवृत्ति आयुक्त, प्राप्ति, श्री सत्येन्द्र नाथ सरकार, मौलिक एवं स्थायी सहायक/स्थानापन्न

सहायक स्टाफ अफसर दिनांक 31-7-81 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए।

डी० पी० चक्रवर्ती
ए० डी० जी० ओ० एफ०/प्रशासन
कृते महानिदेशक

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

सं० 4/81/ए/एम—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को आर्डेनैन्स फैक्टरीयां स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति स्थान	तारीख
1.	डा० एस० के० विमवास	आर्डेनैन्स, फैक्टरी, कटनी	26-3-81 (पूर्वाह्न)
2.	डा० (कुमारी) के० सुबैया	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	29-12-80 (पूर्वाह्न)
3.	डा० एन० बी० दास गुप्ता	आर्डेनैन्स फैक्टरी, भुमावल	29-12-80 (पूर्वाह्न)
4.	डा० एम० के० दाम	आर्डेनैन्स फैक्टरी, अम्बाझारी	8-12-80 (पूर्वाह्न)
5.	डा० आर० के० शाह	आर्डेनैन्स फैक्टरी, चांदा	23-5-81 (पूर्वाह्न)

सं० 5/81/ए/एम—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, निम्नलिखित स्थायी सहायक सर्जन ग्रेड-1 (पुनः पदनामित सहायक चिकित्सा अधिकारी) उनके सामने दर्शायी गई तारीख से सेवा-निवृत्त हुए :—

क्रम सं०	नाम एवं पद	फैक्टरी	दिनांक
1.	डा० आर० के० पाल	आर्डेनैन्स फैक्टरी, कटनी	28-2-81
	वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी		(अपराह्न)

सं० 6/81/ए/एम—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित सहायक चिकित्सा अधिकारियों को प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से आगामी आदेश न होने तक आर्डेनैन्स फैक्टरीयां में नियुक्त करते हैं—

क्रम सं०	नाम एवं पद	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1.	डा० पी० मुन्नीबेकाट	क्लोदिंग फैक्टरी, अबादी	26-11-80 (पूर्वाह्न)
	रामझया, सहायक चिकित्सा अधिकारी		

1	2	3	4
2.	डा० के० रमेश बाबू	आर्डेनैन्स फैक्टरी, वरनगांव	10-1-81 (पूर्वाह्न)
	सहायक चिकित्सा अधिकारी		
3.	डा० कृपानिधि नायक	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	25-1-81 (पूर्वाह्न)
	सहायक चिकित्सा अधिकारी		
4.	डा० डी० आर० बाघमारे	वेहिकल फैक्टरी, जबलपुर	8-2-81 (पूर्वाह्न)
	सहायक चिकित्सा अधिकारी		
5.	डा० धीरेन्द्र कुमार	आर्डेनैन्स फैक्टरी, सेन्धा	10-2-81 (पूर्वाह्न)
	सहायक चिकित्सा अधिकारी	वरनगांव	
6.	डा० सरोज काम्त	मेटल एण्ड स्टील फैक्टरी साहू	10-2-81 (पूर्वाह्न)
	सहायक चिकित्सा अधिकारी	ईशापुर	
7.	डा० जगदानन्द मिश्रा	गन कैरिज फैक्टरी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	15-2-81 (पूर्वाह्न)
		जबलपुर	
8.	डा० मदन लाल कन्दारा	आर्डेनैन्स फैक्टरी, सहायक चिकित्सा अधिकारी	20-5-81 (पूर्वाह्न)
		देहरादून	

आर० जी० डेवलानीकर
अपर महानिदेशक

कलकत्ता-16, दिनांक 6 अगस्त 1981

सं० 29/जी/81—वार्धक्य निवृत्ति आयु (58 वर्ष) प्राप्त कर, श्री आर० बेनकाटेसन स्थानापन्न सहायक प्रबन्धक मौलिक एवं स्थायी फोरमैन दिनांक 30-6-81 (अपराह्न) से सेवा-निवृत्त हुए।

दिनांक 10 अगस्त 1981

सं० 30/जी/81—राष्ट्रपति महोदय निम्नलिखित अफसरों को सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीखों से, आगामी आदेश न होने तक नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	नियुक्ति की तारीख
1.	श्री बी० के० थाकराल	4-2-1981
2.	श्री के० प्रताप	24-2-1981
3.	श्री राकेश कुमार	12-3-1981
4.	श्री एस० सुन्दरम	1-4-1981
5.	श्री ओम प्रकाश कुशवाहा	15-5-1981

बी० के० मेहता
सहायक महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

मुख्य नियंत्रक आयात एवं निर्यात का कार्यालय

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1981

(स्थापना)

सं० 1/2/81-प्रशा० (राज०)/4722:—राष्ट्रपति, श्री जे० पी० सिंघल, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1, प्रवरण सूची 1980 और नियंत्रक आयात निर्यात को इस कार्यालय में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग 1 और उप-मुख्य नियंत्रक आयात निर्यात के रूप में बिल्कुल तदर्थ एवं अस्थाई आधार पर 22 अप्रैल, 1981 से 30 जून, 1981 तक की अवधि के लिये नियुक्त करते हैं।

ए० एन० कोल,
उप-मुख्य नियंत्रक,
कृते मुख्य नियंत्रक,

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 31 जुलाई, 1981

सं० सी० ई० आर० 1/81:—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० 1/68 दिनांक 2-5-1968 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में—

(1) पैराग्राफ 1 में, मद (सात) तथा (एक) से (चार) परन्तुकों के बाद, निम्नलिखित मद (आठ) के रूप में जोड़ दिया जाये, अर्थात्:—

“(आठ) मदे (एक) से (सात) तथा बाद में आनेवाली परन्तुक (एक) से (चार) में समाविष्ट किसी बात के होते हुए भी, नियंत्रित धोती, नियंत्रित साड़ी तथा नियंत्रित लांगक्लाथ जो कताई संयंत्र प्राप्त राष्ट्रीय वस्त्र निगम (अबसे एन० टी० सी० कहा जानिवाला) के अधीन उत्पादक द्वारा निर्मित है तथा 1-7-1981 को या उसके बाद पैक हुआ है:—

(अ) एक्स-फैक्ट्री अधिकतम मूल्य राष्ट्रीय वस्त्र निगम की प्रति चौरस मीटर लागत जो सरकार द्वारा मंजूर सूत्र के आधार पर परिगणना की हुई होंगी इसके लिये वास्तविक क्षमता का उपयोग, वास्तविक व्याज और बगैर किसी मुनाफे के, उन मिलों के लिये जो नियंत्रित कपड़ा बनाने में भाग ले रही है, ध्यान में रखा जाना है। उक्त में, से नियंत्रित

धोती और नियंत्रित साड़ी के लिये 2 रु० प्रति चौरस मीटर और नियंत्रित लांगक्लाथ के लिये 1.50 रु० प्रति चौरस मीटर घटा दिया जायेगा

(ब) सैकड़स का अधिकतम एक्स फैक्ट्री मूल्य वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० 3/69 दिनांक 19 सितम्बर 1969 के पैरा छै (4) (य) में परिभाषित किए अनुसार अधिकतम एक्स-फैक्ट्री मूल्य जो उपरोक्त उप-मद (अ) के अनुसार निश्चित किया गया है, से 10% कम होगा।

(स) अधिकतम फुटकर मूल्य उपरोक्त उप-मदे (अ) या (ब) के अनुसार निश्चित किए गए फैक्ट्री स्तर के मूल्य से 15% ज्यादा होगा।

सं० सी० ई० आर० 3/81 सूतीवस्त्र (नियंत्रण) आदेश, 1948 के खण्ड 22 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० 3/69, दिनांक 19 सितम्बर, 1969 में निम्नलिखित अतिरिक्त संशोधन करता हूँ, अर्थात्:—

(1) उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ दो में—

(अ) सूचना (1) में, उप पैराग्राफ (2) के नीचे “प्रपत्र” “सी” या “सा, (पा)” इन शब्दों के आगे “या प्रपत्र ए” ये शब्द स्थापित किये जाएंगे।

(ब) उप पैराग्राफ (3), (4) तथा (5) हटा दिए जायेंगे।

(2) उक्त अधिसूचना में पैराग्राफ दो ब के नीचे सूचना दो के बाद, सूचना तीन के रूप में निम्नलिखित जोड़ दिया जायेगा अर्थात्:—

“सूचना तीन:—नियंत्रित धोती, नियंत्रित साड़ी तथा नियंत्रित लांगक्लाथ जो, राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन कताई संयंत्रक उत्पादक द्वारा निर्मित है तथा 1-7-1981 को या उसके बाद पैक हुए हैं:—

(अ) उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ दो अ तथा दो ब में समाविष्ट किसी बात के होते हुए भी, अधिकतम उपभोक्ता मूल्य का तात्पर्य वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर० 1/68, दिनांक 2 मई, 1968 के पैराग्राफ एक के उप पैराग्राफ (आठ) (स) के अंतर्गत विहित फुटकर मूल्य और उसमें निकासों के समय देय उत्पादन शुल्क जोड़कर होगा। उपरोक्त पैराग्राफ दो के अनुसार मार्किंग के अलावा कपड़े पर अधिकतम उपभोक्ता मूल्य का स्टोप नीचे निर्दिष्ट किये गये अनुसार लगेगा:—

(i) नियंत्रित लांगक्लाथ तथा नियंत्रित साड़ी जो छरी तथा लगातार लम्बाई में पैक हुई हों का फेस प्लेट पर और किनारे से ज्यादा से ज्यादा 2.54 सें० मी० की ऊंचाई पर प्रत्येक मीटर पर।

“उत्पादन शुल्क सहित अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति मीटर” ये शब्द और शब्दों और अंकों में अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति मीटर और “चुंगी अतिरिक्त” ये शब्द।

(ii) नियंत्रित धोती तथा नियंत्रित साड़ी, जो इकाई के रूप में पैक हुई हों, को फेस प्लेट पर “उत्पादन शुल्क सहित अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग” ये शब्द और शब्दों और अंकों में अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग और “चुंगी अतिरिक्त” ये शब्द।

(iii) नियंत्रित धोती तथा नियंत्रित साड़ी, जो जोड़े के रूप में पैक हुई हों, को फेस प्लेट पर और किनारे से ज्यादा से ज्यादा 2.54 सें० मी० का ऊंचाई पर “उत्पादन शुल्क सहित अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग” ये शब्द और शब्दों और अंकों में “अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति नग” और “चुंगी अतिरिक्त” ये शब्द।

सं० सी० ई० आर०/4/81:—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के उपखण्ड 23 के उपखण्ड (2) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्वारा वस्त्र आयुक्त को अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/4/65, दिनांक 24-4-1965 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में,

1. पैराग्राफ 1 के मद (3) के बाद निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जायेगा अर्थात्:—

“यदि ‘नियंत्रित धोती’, ‘नियंत्रित साड़ी’ तथा ‘नियंत्रित लांगक्लाथ’ के मामले में, जो वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/1/68, दिनांक 2-5-1968 के पैरा एक की मद (आठ) का विषय है तथा जिस पर वस्त्र आयुक्त का अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/3/69, दिनांक 19-9-1969 के पैराग्राफ दो ब के नीचे की सूचना तीन में विहित अधिकतम उपभोक्ता मूल्य का स्टाम्प लगाया जाता है, प्रपत्र (सी (पी) के बाद संलग्न प्रपत्र ‘ए’ में उपरोक्त मदें (1), (2) तथा (3) में निर्दिष्ट पद्धति के अनुसार यथार्थ जानकारी दी जाये।

2. प्रपत्र सी (पी) के बाद निम्नलिखित प्रपत्र जोड़ा जायेगा, अर्थात्:—

प्रपत्र “ए”

मिल के हर प्रकार के उत्पादन से संबंधित वस्त्र आयुक्त को दिये जाने वाले व्यौरों का प्रपत्र:—

तिमाही के लिये मूल्य निर्धारण:—

मिल का नाम:—

स्थान:—

1. (क) कपड़े पर मुहरित मिल की क्रम संख्या:—

[ख] संपूर्ण कोड़ संख्या:—

2. कपड़े का पूरा विवरण (अंतिम फिनिश अवस्था में):—

3. (क) विशिष्ट चिह्न अगर कुछ हो:—

(ख) ट्रेडमार्क या ट्रेड सं० अगर कुछ हों:—

4. आयाम लूम से उतरा हुआ कैलेंडर हुआ तथा/या फिनिश हुआ/

(क) सें० मी० में चौड़ाई

(ख) मीटर में लंबाई

(ग) किलोग्राम में वजन

5. प्रति इंच रीड (2.54 सें० मी०)

6. प्रति इंच पिक्स (2.54 सें० मी०)

7. श्रिसत काऊंट (अंग्रेजी काऊंट)

8. सें० मी० रीड-स्पेस

9. मीटर में टेप की लम्बाई

10. धागों की संख्या (1) (क) (ख) (ग)

(1) वार्प कोरा निरजित रंगीन

(2) बर्डर

(3) सेल्वेज

11. (क) रंगीत सूत के सन्दर्भ में, सल्फर/वट/नपथाल—

सल्फर, वट, नपथाल

आदि तथा रंग गहरापन

हल्का, मध्य, गहरा, अति, गहरा,

तथा नपथाल रंगों के

उपयोग का प्रतिशत

बताइये।

रंगों की गहराई

(ख) सूत का शुद्ध भार

वर्णन	काऊंट		परिगणना	
	फ्रेंच काऊंट में	समतुल्य अंग्रेजी काऊंट में	सूत का भार (शुद्ध वेस्ट बंगौर जोड़)	अभ्युक्तियां

1	2	3	4	5
---	---	---	---	---

(क) वार्प

(ख) वेप्ट

(ग) बर्डर/सेल्वेज सूत

(घ) खास सूत, अगर कोई उपयोग में हो

12. (क) सें० मी० तथा इन्चों में बर्डर की चौड़ाई—
(ख) इसको दर्शादिये बर्डर कोण/झांजी/जकड़—
13. अगर कपड़ा टुकड़ों के रूप में रंगा (पीसड
आई) हो तो रंग का प्रकार—
(क) क्या सल्फर/वट/नैप्याशल/रियेक्टिव
इत्यादि है (रेपिड फास्ट और रैपिडोजिन मम्मिलिन)
(ख) रंगों की गहराई (हल्का/मध्य/गहरा/
अति गहरा—
(ग) नैप्याल रंगों की दशा में कपड़े के भार के अनुपात
में रंगों का उपयोग प्रतिशत में—
- 14 छपे हुए कपड़े की दशा में—
(i) उपयोग में लाये गये रंगों की संख्या—
(ii) कपड़े के क्षेत्रफल में जितनी छपाई की गई उसका
प्रतिशत—
15. प्रोसेसिंग का प्रकार—
(1) मर्सरा यमिंग
अगर मर्सराइज्ड हो तो कास्टिक
सोडा का परिमाण तथा बिलिचिंग
मर्सरायजिंग के पूर्व तथा बाद में
किया है—
(16) कपड़े के पैकिंग के प्रारम्भ की तारीख—
(17) यदि प्रकार उत्पादन नियंत्रण आदेश की पुष्टि
नहीं करता है या वह हस्तकरणा उद्योग
के लिये आरक्षित है—
(अ) वस्त्र आयुक्त द्वारा दी गई उत्पादन
अनुमति की संख्या तथा तारीख—
(ब) यदि अनुमति नहीं दी गई हो तो उत्पा-
दन की वजह तथा उत्पादित या उत्पा-
दन होने वाली मात्रा—
- (18) वस्त्र आयुक्त की संशोधित अधिसूचना सं० सी० ई०
आर/1/68 दिनांक 2-5-1968 तथा संशोधित अधि-
सूचना सं० सी० ई० आर०/3/69 दिनांक 19-9-69
के पैरा एक (आठ) में परिभाषित मूल्य परि-
गणना।
क्र० सं०
कोड सं०
वर्णन
(क) अधिकतम का रखाना स्तर पर मूल्य प्रति मीटर
प्रति टुकड़ा—
(ख) फुटकर मूल्य प्रति मीटर, प्रति टुकड़ा—
(ग) आबकारी शुल्क प्रति मीटर, प्रति टुकड़ा—
(घ) अधिकतम उपभोक्ता मूल्य प्रति मीटर, प्रति
टुकड़ा—

19. उत्पादन शुल्क परिगणना लीनियर मीटर चौरस मीटर
(अ) सूत शुल्क
(ब) हस्तकरणा कर
(स) कुल

(20) सूत शुल्क परिगणना:—

- (अ) तकुये के स्तर पर दिया हुआ शुल्क
उत्पादन शुल्क के लिये प्रति लीनियर मीटर वस्त्र पर
यार्न का भार

- (1) बार्प यार्न
(2) वेप्ट यार्न
(3) बर्डर यार्न

- (ब) कपड़े की अवस्था में दिया हुआ शुल्क:—

उत्पादन शुल्क के लिये लूम स्तर पर प्रति लीनियर
मीटर वस्त्र सूत का भार

- (1) बार्प यार्न
(2) वेप्ट यार्न
(3) बर्डर यार्न

उत्पादन शुल्क निर्धारित करते समय ली हुई वेस्ट का
प्रतिशत

- (स) प्रति लीनियर मीटर पर यार्न शुल्क पर ब्याज

मैं, यह प्रमाणित करता हूँ कि उपरोक्त व्योरे सच तथा
तथ्यों पर आधारित है तथा इस प्रपत्र में संदर्भित वस्त्र
प्रपत्र में उल्लिखित विविध रीति, विधियों से गुजर चुका है तथा
कपड़े पर मुहरित मूल्य प्रपत्र में की गई घोषणा का अनुरूपता
में है।

के हस्ताक्षर

स्थान
दिनांक

“मिल प्रबन्धक सचिव”

सुरेश कुमार,

अतिरिक्त वस्त्र आयुक्त

पटसन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं० पत्रांकजूट (ए)/147/56:—पटसन आयुक्त एतद
द्वारा श्री के० पी० दास, सहायक निदेशक (निर्यात) ग्रुप
“बी” को, श्री ई० एन० मिन्हा के अवकाश चले जाने के
फलस्वरूप इस कार्यालय में दिनांक 1-8-81 (पूर्वाह्न) से
तब स्थानापन्न हैमियत में सहायक निदेशक (आर्थिक) ग्रुप
“ए” (राजपत्रित) के तौर पर रु० 700-40-900-द० रो०
40-1000-50-1300 के वेतनमान में पुनः आदेश तक,
नियुक्त करते हैं।

डी० के० गोस्वामी,
प्रशासनिक अधिकारी

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं० ए०-17011/194/81-प्र०—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान मद्रास निरीक्षण मण्डल में भंडार परीक्षक (इंजी०) श्री सैयद महमूद पाणा को दिनांक 8 जुलाई, 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक, बम्बई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजी०) के रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

पो० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 10 अगस्त, 1981

सं० ए० 19012/147/81 स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर श्री सय्यद रियाज उल्ला एम० स्थानापन्न वरिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) की स्थानापन्न रूप में सहायक अनुसन्धान अधिकारी (अ० प्र०) के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में दिनांक 8-6-81 पूर्वाह्न से पदोन्नति की गई है।

एस० वी० अल्ला,
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं० 5(13)68-एम एकः—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री बी० एन० गोयल, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, रोहतक को आकाशवाणी रोहतक में 13 जुलाई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

सं० 5(51)/68-एस-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री किरपा शंकर राम, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, दरभंगा को आकाशवाणी कोहिमा में 8 जून, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

ह० च० ज्यवाल,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1981

सं० ए० 19025/12/81-प्र० तृ०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री धनराज परणराम यूके को इस निदेशालय के अधीन बंगलौर में 10-7-81 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

दिनांक 10 अगस्त 1981

सं० ए०-19025/11/81-प्र० तृ०—संघ लोक सेवा आयोग की संस्तुतियों के अनुसार श्री शिव कुमार मोतीरामजी कोलहातकर को इस निदेशालय के अधीन गुन्तूर में 13-7-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप में नियुक्त किया गया है।

सं० ए०-19025/16/81-प्र० तृ०—श्री देव कुमार, वरिष्ठ निरीक्षक को इस निदेशालय के अधीन जम्मू में दिनांक 16-7-1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश जारी होने तक तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के रूप में नियुक्त किया गया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन,
कृते कृषि विपणन सलाहकार।

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र

कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 23 जून 1981

सं० एस०-1068/स्थापना 11/2696—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना को स्थानान्तरित होने पर इस अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री श्रीरंग जर्नादन शेमाय ने 6 अप्रैल, 1981 अपराह्न को इस अनुसन्धान केन्द्र के सहायक लेखा अधिकारी का पद भार छोड़ दिया।

दिनांक 10 जुलाई, 1981

सं० 5/1/81 स्थापना 11/2952—नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिये स्थानापन्न लेखा अधिकारी II/सहायक लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि	
			से	तक
1.	श्री एस० जे० शेणाय सहायक II लेखा अधिकारी	लेखा अधिकारी	2-3-81	31-3-81 अपराह्न

1	2	3	4	5
2.	श्री जी० बी० मांडके सहायक लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	15-12-80 20-1-81 2-3-81	17-1-81 अपराह्न 21-2-81 अपराह्न 31-3-81 अपराह्न
3.	श्री टी० के० रामामूर्ति सहायक लेखाकार	सहायक लेखा अधिकारी	3-3-81	30-4-81 अपराह्न

सं० 5/1/81 स्थापना II/2953—नियुक्त भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित अधिकारियों को, तदर्थ रूप से उनके नाम के सामने अंकित समयावधि के लिये स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

क्रमांक	नाम तथा पदनाम	स्थानापन्न रूप में नियुक्ति	समयावधि	
			से	तक
1.	श्री एस० आर० पिगे सल० ग्रे० लिपिक	सहा० का० अधि०	9-3-81	24-4-81 अपराह्न
2.	श्री पी० बी० करन्दीकर सहायक	सहा० का० अधि०	16-3-81	24-4-81 अपराह्न
3.	श्री ए० के० काळे सहायक	सहा० का० अधि०	20-4-81	22-5-81 अपराह्न
4.	श्री जे० बी० नाइक सहायक	सहा० का० अधि०	27-4-81	30-5-81 अपराह्न
5.	श्री बी० एम० नाइक सल० ग्रेड लिपिक	सहा० का० अधि०	27-4-81	16-6-81 अपराह्न
6.	श्री बी० पी० कुलकर्णी	सहा० का० अधि०	4-5-81	6-6-81 अपराह्न
7.	श्री जे० ए० लसने सहायक	सहा० का० अधि०	4-5-81	12-6-81 अपराह्न
8.	श्री आई० सी० ऐन्टोनी, सहायक	सहा० का० अधि०	4-5-81	12-6-81 अपराह्न

एस० कृष्णमूर्ति
उप स्थापना अधिकारी

इस अनुसंधान केन्द्र के बैरिलियम पाइलट संयंत्र में वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० के रूप में अस्थाई नियुक्ति को निश्चित समयावधि के लिये 30 जून, 1981 अपराह्न से 30 सितम्बर 1981 अपराह्न तक बढ़ाते हैं।

बी० आर० पाटगांवकर
उप स्थापना अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं० पी० ए० 76(2)/80 आर III—क्षेत्रीय लेखा यूनिट डी० पी० एस० कोटा में स्थानान्तरित होने पर श्री प्रह्लाद सबागिरि राव, लेखा अधिकारी II ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में लेखा अधिकारी I का पदभार 15 जुलाई, 1981 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

ए० शान्ता कुमारा मेनोन
उप स्थापना अधिकारी

अणुशक्ति, दिनांक 13 अगस्त 1981

सं० रापविप /भर्ती/3(2)/81 स्थ०/194:—राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता इस परियोजना में वर्तमान में कार्यरत निम्नलिखित आराज-पत्रित तकनीकी स्टाफ को प्रत्येक के नाम के सामने लिखे गये ग्रेड में व उनके सामने दर्शाई गई तारीखों से अगले आदेश होने तक के लिये इसी परियोजना में, अस्थाई रूप से नियुक्ति करते हैं :—

क्रम सं०	नाम तथा पदनाम	पद जिस पर नियुक्त हुए हैं	कार्यभार संभालने की तारीख
1.	श्री जगत नारायण वर्मा, फोरमन	वैज्ञानिक अधि- कारी/इंजीनियर ग्रेड एस० बी०	1-2-1981
2.	श्री प्रीया बृता चटर्जी, वैज्ञानिक सहायक "सी"	"	1-2-1981
3.	श्री सुरेन्द्र कुमार रस्तोगी वैज्ञानिक सहायक सी०	"	1-2-1981
4.	श्री कमल कान्त मेहता	"	1-2-1981
5.	श्री थोमस जोसफ, फोर- मैन	"	1-2-1981

बम्बई-400085, दिनांक 29 जून 1981

सं० पी० ए/68(6)/77-आर I/962:—निवेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र श्री राधेश्याम उपाध्याय की 2-226GI/81

एम० डी० गाडगील,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)
कुले मुख्य परियोजना इंजीनियर

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी० ए० पी० पी०, दिनांक 11 अगस्त 1981

आदेश

सं० टी० ए० पी० एस०/इल्यू० सी०/38/71—
जबकि तारापुर परमाणु बिजलीघर में ट्रेड्समैन 'ए' के रूप में कार्यरत श्री एन० बी० राउत दिनांक 10-3-1981 से अनधिकृत तौर पर कार्य से अनुपस्थित रहे;

और जबकि श्री राउत को आपन सं० टी० ए० पी० एस०/2/इल्यू० सी०/38/71/7188, दिनांक 23 जुलाई, 1981 जो कि श्री राउत के अन्तिम ज्ञात पते सावरदाई पाडा, डाक घर तारापुर, तालुका-पालघर, जिला ठाणे, महाराष्ट्र पर पंजीकृत डाक द्वारा भेजा गया था, को जारी कर के तुरन्त कार्य पर आने के लिये कहा गया था;

और जबकि उपरोक्त आपन डाक अधिकारियों की इस टिप्पणी के साथ लौटा दिया गया कि पाने वाला उपलब्ध नहीं है;

और जबकि श्री राउत कार्य पर लौटने में असफल रहे और तारापुर परमाणु बिजलीघर को अपने पते के विषय में सूचित किये बिना अनधिकृत तौर पर अनुपस्थित रहे;

और जबकि श्री राउत अनधिकृत तौर पर कार्य से अनुपस्थित रहने और स्वेच्छा से सेवा छोड़ने के दीर्घी है;

और जब कि उन के, तारापुर परमाणु बिजलीघर को अपने पते के विषय में सूचित किये बिना, सेवा छोड़ने के कारण अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि केन्द्रीय नागरिक सेवायें (वर्गीकरण, आचरण और अपील) नियम, 1965 के नियम 14 के प्रावधानों के अनुसार श्री राउत के विरुद्ध जांच किया जाना संभव नहीं है;

और इसलिए अब केन्द्रीय नागरिक सेवाएं (वर्गीकरण, आचरण और अपील) नियम, 1965 के नियम 19 (ii) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी उपरोक्त श्री राउत को ताल्कालिक प्रभाव से सेवा से निष्कासित रता है

पी० उष्णीकृष्णन,
मुख्यप्रशासनिक अधिकारी

अन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, दिनांक 1 अगस्त 1981

सं० 4/2/81-सी० ई० डी० (एच०):—अन्तरिक्ष विभाग, बंगलौर के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के चीफ इंजीनियर, अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर अस्थाई

रूप में प्रत्येक के नाम के आगे दी गई तारीख से, आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं:

क्र० सं०	नाम	इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर नियुक्ति की तारीख
1.	श्री बी० एस० जगदीश चन्द्रा	1-4-1981 पूर्वाह्न
2.	कुमारी बी० जी० नन्दा	8-4-1981 "
3.	कुमारी जी० बी० श्रीलता	9-7-1981 "
4.	श्री मुकेश राठीर	11-6-1981 "

एन० पी० आर० पाणिक
प्रशासन अधिकारी-II,
कृते चीफ इंजीनियर,

इन्सेट-I अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय

बंगलौर-560001, दिनांक 4 अगस्त 1981

सं० 32.11 परियोजना निदेशक, इन्सेट-1.—अन्तरिक्ष खण्ड परियोजना कार्यालय, अन्तरिक्ष विभाग श्री डी० आर० सुब्बुकृष्णा की प्रधान नियंत्रण सुविधा (एम० सी० एफ०) हसन में वैज्ञानिक इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक जून 25, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

आर० एस० सुब्रह्मण्यन,
प्रशासन अधिकारी-II
कृते परियोजना निदेशक,
इन्सेट-I
एस० एस० पी० ओ०

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर-5600058, दिनांक 16 जुलाई 1981

सं० 020/3(061)/81:—नियंत्रक, इसरो उपग्रह केन्द्र, निम्नलिखित कार्मिकों को उनके नामों के आगे उल्लिखित पदों पर दिनांक 1-1-80 (पूर्वाह्न) से रु० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम
सर्वश्री		
1.	पी० एन० राजप्पा	सहायक प्रशासन अधिकारी
2.	बी० विश्वनाथ पिल्लै	सहायक प्रशासन अधिकारी
3.	टी० रंगनाथ राव	सहायक लेखा अधिकारी

एस० सुब्रह्मण्यन,
प्रशासन अधिकारी-II

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 अगस्त 1981 ..

सं० ए० 44013/1/80-ई० डब्ल्यू०:—शिपिंग कार-पोरेशन आफ इण्डिया लिमिटेड, बम्बई से परावर्तन हो जाने पर श्री एच० एस० रावत ने दिनांक 23 जुलाई, 1981 (पूर्वाह्न) से नागर विमानन विभाग में सहायक अग्निशमन अधिकारी के पद का अपना कार्यभार संभाल लिया है।

श्री एच० एस० रावत को इसी तारीख से नियंत्रक विमानक्षेत्र, हैदराबाद एयरपोर्ट, हैदराबाद के कार्यालय में तैनात किया गया है।

ई० एल० ट्रेसलर,
सहायक निदेशक प्रशासन।

नई दिल्ली, दिनांक 12 अगस्त 1981

सं० ए० 12015/1/79-ई० एस०:—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों पर राष्ट्रपति ने श्री गोविन्द बल्लभ शर्मा को दिनांक 24-7-1981 (पूर्वाह्न) से अन्य आदेश होने तक, स्थानापन्न तौर पर नागर विमानन विभाग में विमान निरीक्षण के पद पर नियुक्त किया है।

जे० सी० गर्ग,
सहायक निदेशक प्रशासन

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्थान,

धनबाद, दिनांक 7 अगस्त 1981

सं० एडम/एस० सी०/2(1)74—डा० एल० एन० साधु तान को दिनांक 21 जनवरी, 1981 से रु० 650-30-740-15-810-ब० रो०-35-880-40-1000-ब० रो०-40-1200 के

वेतनमान में दन्त चिकित्सक (गैर केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा वर्ग "ब" राजपत्रित) के पद पर स्थाई किया गया।

दामोदर पण्डा,
कोयला खान कल्याण आयुक्त

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 आन्ध्र ला टाईमस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1981

सं० 533(560).—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर आन्ध्र ला टाईमस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 श्री लक्ष्मी गनेश शुगर फैक्ट्री (खण्डसारी) प्रा० लि० के विषय में।

हैदराबाद, दिनांक 11 अगस्त, 1981

सं० 846 (560).—कम्पनी अधिनियम की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर श्री लक्ष्मी गनेश शुगर फैक्ट्री (खण्डसारी) प्रा० लि० का नाम इस के प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

वि० यस राजू,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/145—यतः मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. एक आयदाव है तथा जो चोक परागदास अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों; को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1937 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत् में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

(1) श्री जे. एस. पन् कोपटन पी. एस. पन्, कोपटन जे. एस. पन् पुत्र गुरबचन सिंह पन् वासी नगहरा पनवा जिला अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री कुलवीर राज पुत्र चरण दास मँ., लक्ष्मी ग्लास हाउस चोक परागदास अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के बध्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक आयदाव नं. 1265/5-10 जो चोक परागदास में है जैसा कि सेल डीड नं. 2924/1 तिथि 24-12-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज 3 चन्द्रपुरी अमृतसर

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/146—यतः मुझे, आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिनी (अन्तरिनीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री कुलदीप सिंह पुत्र अंतर सिंह वासी माडल टाउन जालंधर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी विश्वा पलवान हारी चंद साहनी मं. न्यू जालंधर गुडस ट्रांसपोर्ट कं. पठानकोट।

(अन्तरिनी)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में ओर किरायेदार हूँ।

न्यू. इंडिया अस्ट्रोरस कं. लि. पठानकोट।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोट

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो मेने डलहोजी रोड पठानकोट में है जैसा कि सेने डीड नं. 2507 तिथि 1-12-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 10-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/147—युक्त मुझे, आनन्द सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

- (1) श्री जसवीर सिंह पुत्र जगत सिंह वासी डलहोजी रोड पठानकोट।

(अन्तरक)

- (2) श्री राम साहनी पुत्र पलवान हरी चंद साहनी मैन्यू जलधर गुडस ट्रांसपोर्ट के. पठानकोट।

(अन्तरिती)

- । जैसा कि उपर सं. 2 में ओर किरायेदार हो।

न्यू इंडिया अस्किरर्स कां. लि. पठानकोट।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

- । और कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो पठानकोट में है जैसा कि सेल डीड नं. 2509 तिथि 1-12-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 3 चण्दपुरी अमृतसर

तारीख : 10-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/148--यतः मुझे, आनंद सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद है तथा जो पठानकोठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोठ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख विसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मूविदा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूविदा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

(1) श्रीमती सूरजीत कौर विधवा सवराज सिंह 691
माडल टाउन जलंधर।

(अन्तरक)

(2) श्री अर्जन कुमार साहनी पुत्र पलवान हरी चंद साहनी
वासी पठानकोठ।

मैं, न्यू जलंधर गुड्स ट्रांसपोर्ट कं. पठानकोठ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

न्यू इंडिया असिउरेंस कं. लि. पठानकोठ।

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जायदाद जो पठानकोठ में है जैसा कि सेल डॉक नं. 2508 तिथि 1-12-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोठ के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्रत्यक्ष आर्द्रा, टा. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/149—यतः मुझे, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो तहसील गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच गम्भीर अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को अर्जित:—

(1) श्री जगदबे दत्त पुत्र श्री राम गांव व डा. अवानखा तहसील गुरदासपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह पिंड धारीवाल भोजा डा. सेखवां तहसील गुरदासपुर।

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 51 कनाल 14 मरले जो अवानखा तहसील गुरदासपुर में है जैसा कि सेल डीज नं. 6080/15-12-80 आफ गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

आनंद सिंह
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-3, चन्द्रपुरी, अमृतसर

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/100---यतः मुझे, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं कृषि भूमि है तथा जो तहसील गुरदासपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरणा लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाढ़त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-
3-22 6GI/81

- (1) श्री जोगिन्दर सिंह पुत्र तेजा सिंह वासी भारीवाल तहसील गुरदासपुर।
- (2) श्री महिन्दर सिंह बलविंदर सिंह पुत्र तेजा सिंह भारीवाल भोजा डा. सेखवा जिला गुरदासपुर।
- (3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)
- (4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 31 कनाल 5 मरले जो गांव भारीवाल में है जैसा कि सेल जीड नं. 5802/4-12-80 आफ गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

आनंद सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, 3 चन्द्रपुरी अमृतसर

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/151—यतः मुझे, आनंद सिंह, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. एक जायदाद है जो पठानकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख दिसंबर, 1980 को पत्रावृत्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री शिव शरण दास पुरी वासी गुरदासपुर डोह पठानकोट नई बस स्टैंड।

(अन्तरक)

(2) श्री सुभाष चंद्रपुरी वासी गुरदासपुर रोड पठानकोट नई बस स्टैंड।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर सं. 2 में और कोई किरायदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में संपत्ति है)

(4) और कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट जो 20 मरले है जो नई बस स्टैंड पठानकोट में है जैसा कि सेल डीड नं. 2776/30-12-80 आफ रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के कार्यालय में दर्ज है।

आनंद सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, 3 चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख 14-8-81
सोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट,
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.सं.आ.आ/एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/
7240ए—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी संख्या बी-3/16 है एवं जो मोडल टाउन, दिल्ली
में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम (1908 का 16वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वर्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके वर्तमान प्रतिफल से, ऐसे
वर्तमान प्रतिफल के परवर्तमान प्रतिफल से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए।

धन: यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अजीत सिंह और जगजीत सिंह सुपुत्र जगलाल
ग्राम सीराज पुर दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री के. एम. शर्मा सुपुत्र श्री एन. ए. शर्मा एफ-8/8 न
मोडल टाउन, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां कराया हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. नं. बी-3/16, मोडल टाउन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक 12-8-1981
सीन 12

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ./एक्वीजीशन 2/एस.आर-2/12-80/
4012 चूंकि मैं विमल वशिष्ठ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या जे-6/62 है एवं जो राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक 1980
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती माया देवी पत्नी श्री फकीर चन्द्र,
जे-6/62, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री गुरचरन सिंह
ए/43, विशाल इनक्लेव, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. जे-6/62, क्षेत्र 160 वर्ग गज, राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली ग्राम तटार पुर दिल्ली स्टेट, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1981
मोहर :-

प्रकृप्. माह. टी. एन. एस.-----

श्री टैक चन्द सुपुत्र श्री हुजारी,
ग्राम रवेला खानपुर, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना2. श्री मंजीत सिंह चावला सुपुत्र श्री आशा सिंह चावला
जे-12/28, राजोरी गाड़न, दिल्ली
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैंट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन 2/एस-आर-2/
12-80/4028---चूंकि मैं विमल बसिष्ठ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम रवेला खानपुर,
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
यां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 21 विधे और 5 विधे, मूटाशिल नं. 13,
खासरा नं. 16 (4-16), 17 (4-17), 18 (4-15) और
19 (4-16) मूटाशिल नं. 12, खसरा नं. 20 (2-02) ग्राम
रवेला खानपुर

विमल बसिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख: 7-8-1981
मोहर :

प्रश्न भाई. टी. एच. एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, "एक" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस.आर-2/12-
80/4029—चूंकि मैं, विमल विशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो रेवला खान पुर, में
स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विकरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्या-
लय में दिनांक 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 6957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री टीक चन्द सुपुत्र श्री हजारी,
ग्राम रेवला खान पुर

(अन्तरक)

2. श्री मंजीत सिंह चावला सुपुत्र श्री आशा सिंह चावला
जे- 12/28, राजोरी गाउँ, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अपील :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 19 बिघे और 18 बिघे, मूतशिल नं. 13, खसरा
नं. 12/1 (0-14), 11 (4-16), मूतशिल नं. 14, खसरा
नं. 15 (4-16), 14 (14-16) और 13 (4-16), ग्राम
रेवला खान पुर,

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 7-8-1981

मोहर :

प्रमुख कार्य-टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 7 अगस्त 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4024—चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम हलम्बी खर्ब, दिल्ली स्टेट विल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जातिस्वी की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा:—

1. श्री वरुण सिंह
हलम्बी खर्ब, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती सावित्री देवी
पूथ कालन, दिल्ली स्टेट विल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशंका—

((क)) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

((ख)) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निहित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों अत्र, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में ब्यापारभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 15 विघे और 1 बिस्वे ग्राम-हलम्बी खर्ब दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 7-8-1981
मोहर :

प्रमाण आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि स आ आ /एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7243--चूंकि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 19-ए, है एच जो असारो रोड, बरिया गंज दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) मैं एस चन्द, और क. लि राम नगर, नई दिल्ली, डायरेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता
(अन्तरक)

(2) आई -बी -एच एजुकेशनल बिल्डिस्ट्रीब्यूटर्स पार्टनर श्री के टी मिरचन्दानी संप्रति श्री टेकचन्द मिरचन्दानी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कइता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सामने का तल मंजील भाग प्रो नं 19-ए, म्युनिसीपल नं 4633 नाप यानि 1592 वर्ग गज, असारो रोड, बरिया गंज, नई दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 5 जून 1981

निर्देश सं. आई.ए. सी./एक्यू. 2/एस-आर-1/12/80/
7242-ए/अतः मुझे, विमल वशिष्ठआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या 19-ए, है तथा जो अंसारी रोड, दरिया गंज
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से
वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख दिसम्बर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. मँ. एस. चान्द और क. लि. राम नगर, नई दिल्ली
द्वारा डाइरेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता
(अन्तरक)2. मँ. आई.बी.एच. एजुकेशन बुक डीस्ट्रीब्यूटर पार्ट-
नर श्री के. टी. मीरचन्दानी सुपुत्र श्री टंक चन्द
मीरचन्दानी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राउन्ड फ्लोर 19-ए, कमीटी नं. 4633 स्थापित 2861 वर्ग
फिट, अंसारी रोड, दरिया गंज, दिल्ली।विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्लीअतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मँ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

4-226 GI/81

तारीख 5-6-1981

माहुर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-120002, दिनांक 12 अगस्त 1981

1. श्री परम जीत और नरीन्दर पाल सिंह सुपुत्र श्री अवतार
सिंह, ए-104, गजरनवाला टाउन, दिल्ली और
अवध, (अन्तरक)

2. श्री हरबल सिंह सुपुत्र बंसाला सिंह
2-डा. मुकजी नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाही करा रहा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एम. आर.-1/
12-80/7249---ब्लॉक में, विमल विशिष्ट
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 64/3, ब्लॉक-ए, है एवं जो जी. टी. कर-
नाल रोड, इन्डस्ट्रीज एरिया में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी
के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाध, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

प्लेट नं. 64/3, ब्लॉक-ग, जी. टी. रोड, इन्डस्ट्रीज एरिया
दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981.

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-
80/7203---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस द्वारा
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 29, ब्लॉक 'सी' है एच जा आदर्श नगर में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16
वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दख्तान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दख्तान प्रतिफल से, ऐसे दख्तान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीड/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किन्दा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री लखपत राय और अदर्स, संपुत्र श्री राजा राम,
के-5/36, मोडल टाउन, दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री कूलवीर सिंह संपुत्र किशन सिंह और अदर्स ई-2,
महाराजा रणजीत सिंह रोड, आदर्श नगर, दिल्ली
दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
आवश्यक करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पता लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 29, ब्लॉक 'सी' कौटोज रोड, आदर्श नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981
मोहर :-

प्रकृप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्व्प्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्सीजीशन 2/एस.-आर-1/12-80/7224---अतः मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकान नं. 17 है एवं जो रोड नं. 18, पंजाबी बाग में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कृत्रिम नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तित्व की प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री द्वारा दासखर सुपुत्र श्री लक्ष्मण दास खर मकान नं. 17, रोड नं. 18, पंजाबी बाग, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री आई. एल. खन्ना सुपुत्र एल. एन. खन्ना कोठी नं. 17, रोड नं. 18, पंजाबी बाग-दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भण्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. एस. एच. नं. 17, रोड नं. 18, पंजाबी बाग, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों को सूचित करता हूँ—

तारीख : 12-8-1981
मोहर

प्राकृत्य आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1/12-
80/7247---चूंक मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे 1961 का 43
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सूचना प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या 24, ब्लॉक 'डी' है एवं जो मानसरोवर
गाडगेन, ग्राम-बसईदारापुर दिल्ली स्टेट में स्थित है, जिसका
अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है की
पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन
पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरनसिंह, सुपुत्र श्री राम चन्द
433 नैक स्ट्रीट करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री सुदर्शन रेवला, पत्नी यशपाल रेवला
2655-रामपुरा, दिल्ली 35

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

सदृष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों की गतियों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 24 ब्लॉक 'डी' मानसरोवर गाडगेन ग्राम-बसईदारा
पुर दिल्ली स्टेट दिल्ली-2।

विमल वशिष्ठ
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981
मोहूरः

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/4013---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या बी-5, है एवं जो शंकर गाडगेन, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) वां के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री अर्जन देव मर्वाह सुपुत्र नन्द लाल मर्वाह पाका बाग, आपोजीट हिंदू समाचार प्रिंटिंग प्रेस जलन्धर सीटी (अन्तरक)

2. श्रीमती कूलजीत कौर पत्नी हरभवन सिंह सी./510, विकास पुरी, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सूचना के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. बी-5, किला नं. 3/2 और 4 शंकर गाडगेन, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रकृ. आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7197---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 33-बी और 34-ए, है एवं जो नवर्न सीटी एक्स. स्कीम नं.-1, जवाहर नगर, सब्जी मंडी, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था डिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्री बंज नाथ गुप्ता सुपुत्र श्री सुल्ह लाल गुप्ता 8-यू. ए. जवाहर नगर, दिल्ली और अदर्स (अन्तरक)
2. श्रीमती शिला देवी पत्नी खुशी राम 33-बी और 34-ए, जवाहर नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डी. एस. प्लॉट नं. 33-बी, और 34-ए, ब्लॉक नं. यू. ए.-13 म्युनिसीपल नं. 6017 नवर्न सीटी एक्स स्कीम नं.-1, जवाहर नगर, सब्जी मंडी, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ/एनवीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4030---चूँकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि है एवं जो ग्राम रवेला खानपुर, में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या सबसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री टोके चन्द सुपुत्र श्री हजारी,
ग्राम रवेला खानपुर-दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री मनजीत सिंह चावला सुपुत्र श्री आशा सिंह चावला
जे. 12/28, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रख्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 23 बिघे और 2 बिस्वे मुतशिल नं. 13, खसरा नं. 20 (4-16), और 28 (0-01), मुतशिल नं. 14, खसरा नं. 16 (4-16), 17 (4-16), 18 (4-16) और 19 (3-17) ग्राम रवेला खानपुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-2, नई दिल्लीतारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4071---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 36, ब्लॉक 'बी' है एवं जो कृष्णा पार्क ग्राम-बूधेला, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण ये हुए किसी आय की वास्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्नियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था किन्तु 'मैं' में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री जगदीश चन्दर सुपुत्र अर्जन वाम
बी-9, कृष्णा पार्क, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह मदन सुपुत्र ईशर सिंह
सी-2/348, जूनक पुरी, नई दिल्ली

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 36, ब्लॉक 'बी' कृष्णा पार्क, ग्राम-बूधेला, दिल्ली

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-120002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-
80/7260---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 33 है एवं जो जी. टी. रोड,
पीपल थाला थें स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक अन्ति-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लाला जैनारायण सुपुत्र बीशम्बर दयाल
नं. 1947 कूचा चलन, खारी बावली, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री श्याम मितल सुपुत्र जैनारायण
1852-53, खारी बावली, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबोद्धताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 33, राजस्थानी उद्योग नगर, जी. टी. रोड
1852-53 खारी बावली, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन् रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981
सोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-
80/7253---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी संख्या म्यूनिसिपल नं. 4859, एव जो गली हरबंस
सिंह, 24, दरीया गंज, दिल्ली में स्थित है, (जिसका अधिक
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन पंजीकरण
अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती कमला देवी ठाकराल पत्नी साहब चन्द
4-बी/31, पश्चिम बिहार, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती मामला देवी पत्नी प्रकाश चन्द, 4859 गली
हरबंस सिंह, 24-दरीया गंज, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं। -

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल नं. 4859, गली हरबंस सिंह, 24-दरीया गंज,
दिल्ली

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1/12-
80/7227---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या 45/6बी, है एवं जो सीविल लाइन, में स्थित है,
(जिसका अधिक विस्तृत विवरण मलगन अनुसूची में दिया गया है)
को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 वा) के अधीन
पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री सीया राम अग्रवाल, सुपुत्र मथुरा प्रसाद, 4067
नया बाजार, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री महेश चन्द गुप्ता, सुपुत्र कृशन लाल, 1/81बी,
असफ अली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 45/6बी, माल सीविल लाइन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981
मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्व्प्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-
80/4068---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

जिसकी संख्या एस-13, है एवं जो ग्राम मादोपुर अबारी, शिवाजी
पार्क, रोहतक रोड में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16 वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब का उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री राम करन नृपुत्र बेनी राम, और दूसरे, सी-49,
शिवाजी पार्क, रोहतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द, सुपुत्र लुहर और दूसरे, सी-67,
शिवाजी पार्क, रोहतक रोड, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. एस-13, मादोपुर अबारी, शिवाजी पार्क, रोहतक
रोड, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख . 12-8-1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एकवीजीशन 2/एस.आर.-2/12-80/4034—चूंकि मैं, विमल विशिष्ट, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है जिसकी सं. प्लॉट नं. 139, 140, है एवं जो ब्लॉक सी, नई मुल्तान नगर, रोहतक रोड में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसंबर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गृहीत किया गया है:-

(क) अन्तरण से है किसी आय को बाधत, उक्त अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और 1/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारत में आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त रित्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम व धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री दलीप सिंह असी सुपुत्र ज्ञान सिंह काटर् नं. 1 आर-बी-193, आर-बी-आई कालोनी सेक्टर-6, रामकृष्णापुरम, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरीन्द्र कुमार दूआ सुपुत्र अमर नाथ दूआ बीडू घुसरू मकान नं. 16, रोड नं. 28, पंजाबी बाग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तरिती

प्लॉट नं. 139 और 140, ब्लॉक नं. 'सी' न्यू मुल्तान नगर, रोहतक रोड, दिल्ली-56।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981
मोहर:

प्रकृष्ट आई. टी. एन्. एल.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.जा./एक्वीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7222—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
जिसकी संख्या बी-3/1 है एवं जो राणा प्रताप बाग, दिल्ली में
स्थित है (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 वां)
के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक
दिसम्बर, 1980 को इतने प्रकट प्रतिफल (अपार्टमेंट कन्सीडरेशन)
पर हस्तान्तरित कर दी गई है जो पूर्वोक्त संपत्ति
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री सीभास गुप्ता, सुपुत्र श्री सुरीन्द्र नाथ गुप्ता बी-
3/1, राणा प्रताप बाग, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री नन्द लाल अरोड़ा सुपुत्र श्री मोती राम, ए-143,
अशोक विहार, फेस-2, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उत्तरी 1/2 भाग प्रा. नं. बी-3/1, राणा प्रताप बाग,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

नोट: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैंट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि.स.आ.आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1/12-80/7250—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है जिसकी संख्या प्लॉट नं. 12 है एवं जो कमला नगर, जी.टी. रोड में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्न लिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री रीश कृष्णर मुपुत्र जगन नाथ, 23-जी, महारानी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मांती लाल कुन्ती देवी कर्ता---मांती लाल गोयल 79-प्रेम नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 12-ए, म्यूनिसीपल नं. 6323, वाड नं. 12, कमला नगर, जी.टी. रोड दिल्ली-7।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख : 12-8-1981
माहुर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्टरप्रस्थस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, 110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 स आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस-आर-2/12-80/4050—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

जिसकी संख्या प्लॉट नं. 49, रोड नं. 43 है एवं जो पंजाबी बाग, भदीपूर में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दि 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर धर्मात् :—

6—226GI/81

(1) श्री हरबन्त कौर पत्नी इन्दर सिंह ए-2/99, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री दिलबाग सिंह और दूसरे टी-355, अहाता किकारा, बाराहिन्वा राव, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के मास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 49, रोड नं. 43, पंजाबी बाग, एरिया ग्राम-मादीपूर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 12-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थस्टैंट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस.आर.-2/
12-80/4017—यतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 56 है, एवं जो कृष्णा पार्क,
ग्राम पोसंगीपूर और बुधेला, में स्थित है, (जिसका अधिक
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण
अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर
1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में मूर्खता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूर्खता
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री संत लाल सूपुत्र जसवन्त राम और दूसरे बी-बी/
29-सी, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री मत्स्यपाल नारंग और श्रीमती नारंग, आई-24,
किर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 56, ब्लाक 'बी', कृष्णा पार्क, ग्राम पोसंगी पुर
और बुधेला, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ-2
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1/
12-80/7230---यतः, मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 45/6 बी., 1/15 है, एवं जो सिविल
लार्हन्स में स्थित है, (जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है) को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी दिल्ली के
कार्य में स्थित दिनांक दिसंबर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--.

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सीया राम अग्रवाल सुपुत्र मथुरा प्रसाद, 4067,
नया बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

(2) श्री सुरीन्द्र कुमार गुप्ता सुपुत्र श्री किशन लाल,
1/18 बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 45/6-बी, 1/5 भाग माल सीविल लार्हन्स,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस-आर-1
12-80/7229—चूकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 45/6 बी. है, एवं जो सिविल
लाइन, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न
अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16वा) के अधीन, पंजीकरण अधिकरण के दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सीया राम अग्रवाल सुपुत्र मथुरा प्रसाद 4067,
नया बजार दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री उमेश चन्द गुप्ता सुपुत्र श्री किशन चन्द चान्दी-
वाला 1/18-बी, असफ अली रोड, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 45/6-बी, माल सीविल लाइन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर-2/
12-80/4065—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या जे-10/89, है एवं जो राजोरी गार्डन,
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16वाँ) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित
कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सजिदा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

(1) श्री हरीश चन्दर, सुपुत्र शिव प्रसाद, 71/21,
प्रेम नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री हरपाल सिंह लम्बा, सुपुत्र करतार सिंह लम्बा,
आर/759, नई राजीन्द्र नगर, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है

अनुसूची

एस. एस. मकान नं. जे-10/89, राजोरी गार्डन नई
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
(निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त)
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहर :

प्राकृप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संवर्ध 3 नि, स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस. आर-2/
12-80/4070—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, विपदा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट-7, एच जो रिशी नगर, शकुर बस्ती,
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वां)
के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक
लिखित में शास्त्रिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य घास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भागवन्ती पत्नी श्री किशान चन्द, ई-149,
रिशी नगर, शकुर बस्ती, दिल्ली
(अन्तरक)

(2) श्री कान्ती सागर जैन सुपुत्र सालीग राम जैन, 23,
नर्थ एयन्यू पञ्चाबी बाग, दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोभलाभारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

धनसूची

प्रो. नं. डब्ल्यू. जेड.-ई/194, प्लॉट नं. 7, ब्लॉक 'ई'
खसरा नं. 384 रिशी नगर, शकुर बस्ती, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,
अर्जन रोज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्जीजीशन 2/एस. आर. 1/
12-80/7276 ए—चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी संख्या डी-1/28, है एवं जो राजौरी गार्डन, में
स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में
दिनांक दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उमने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

(1) श्रीमती संत कौर पत्नी श्री ज्ञान सिंह, डी-5, सुरवा
नगर, लुधीयाना

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार पशरिचा सुपुत्र बनारसी लाल
पशरिचा, जे-59, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवरोहस्ताक्षरी के प्रति
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम,
के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ
होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एस. एस. मकान नं. डी-1/28, राजौरी गार्डन, नई
दिल्ली ग्राम बसई दारापुर, दिल्ली राज्य दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्तर्गण
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

तारीख 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2,

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश नं 3 नि स आ आ./एक्वीजीशन 2/एस आर -1/12-80/4032---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सख्या 39, ब्लॉक नं. ई की धारा 269 (बी) है एवं जो मोहल्ला गुरुनानक पुरा फतेह नगर, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण सलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक विमम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री भगवान सिंह सुपुत्र श्री जोध सिंह, ई-39, फतेह नगर, गुरुनानक पुरा, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री सत लाल प्रुथी, सुपुत्र काला राम प्रुथी, 30/16, अणक नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं 39, ब्लॉक 'ई' मोहल्ला गुरुनानक पुरा, दिल्ली फतेह नगर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981

मोहुरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. 3 नि. स. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-1/
12-80/7215--चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 35/10, की धारा 269 (बी) है एवं जो
पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक
विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन, पंजीकरण
अधिकारी को नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-र के अनुसार
मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

7--226GI/81

(1) श्री गुलाब राय क्लेचा सुपुत्र धूमन मल क्लेचा,
1-बी/92, रमेश नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर कला पत्नी एम. बी. मीनीचे, केंज
रोड, करोल बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

कई यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रो. 35/10, पूर्वी पटेल नगर, नई दिल्ली (आधा भाग
अविभाजित सम्पत्ति)।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री स्वरूप बंशीवाल, संपुत्र रूप राम और दूसरे
5/44, पंजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती निर्मल गुप्ता पत्नी के. एल. गुप्ता,
24/23, पंजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

निर्देश नं. 3 नि.स.आ.आ./एक्जीक्यूशन 2/एस. आर-2/
12-80/4068(ग)---तकिक में, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 24/22 की धारा 269 (बी) है एवं जो
पंजाबी बाग, में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत निवरण
संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी को दिल्ली
स्थित कार्यालय में दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
धन्द्र प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिनमें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 24/23, पंजाबी बाग, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, 'एच' ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर. 12-80/7265—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी संख्या 29/7, है एवं जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा :-

(1) श्री गंगाधर नांगीया सुपुत्र आतम प्रकाश नांगीया, एच-4/3, मॉडल टाउन, दिल्ली अव-जी-57, मस्जिद मठ, दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री चन्दर भान गर्ग और शिशु पाल गर्ग सुपुत्र मानी राम 15/26, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 29/7, पंजाबी बाग, ग्राम-बसई दारौपुर दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, "एच" ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संवर्ध 3 नि.म.आ.आ./एक्वीजीशन 2/एस.आर.-1
12-80/7228---चूँकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या 45/6बी है एवं जो माल सीविल लाइन, में
स्थित है, जिसकी अधिक विस्तृत धिवरण संलग्न अनुसूची में
दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16वां) के अधीन, पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय
में दिनांक दिसम्बर 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री सीमा राम अग्रवाल सुपुत्र मथुरा प्रसाद, 4067
नया बाजार, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री जगदीश प्रसाद गुप्ता सुपुत्र श्री किशन लाल गुप्ता
1/18बी, असफ अली रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 45/6-बी, माल सीविल लाइन, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-1/
12-80/7226---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके मसौदा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन पंजीकरण प्राधिकारी हूँ, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 45/6-बी है एवं जो सीविल लाइन, दिल्ली
में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची
में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय
में दिनांक दिसम्बर 1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सीयाराम अग्रवाल सुपुत्र मथुरा प्रसाद, 4067
नया बाजार दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश चन्द सुपुत्र किशन लाल, 1/18बी,
असफ अली रोड, दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जाग करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में,
समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रो. 45, प्लॉट नं. 45/6बी, माद. सीविल लाइन,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981
मोहर

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-1/12-80/7211---चूक मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मूल्यांकन नं. 2728 है, एवं जो गली आर्या समाज, सीता राम बाजार, दिल्ली में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण मलग्न अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16वा) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980 को, पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगत व्यक्तियों ---

(1) श्री स्वाम किशोरी और बलराम किशोरी सुपुत्र किदार नाथ 2728, गली आर्या समाज बाजार, सीताराम, दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) मे. सीतागम, सीमा बिल्डर्स प्रा. लि. 1/18-बी, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 2728, गली आर्या समाज, बाजार, सीता राम दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, नई दिल्ली

तारीख 12-8-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, "एच" ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट
नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संवर्ध 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-2/
12-80/4007—चूंकि मैं विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी संख्या प्लॉट नं. 8 रोड नं. 85 है, एवं जो
पंजाबी बाग, मादीपुर में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत
विवरण मंलन अनुसूची में दिया गया है को पंजीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधि-
कारी के दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक विसम्बर 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

(1) श्रीमती स्वरन सेठी पत्नी मृंशिराम सेठी अनिल
कुमार सेठी सुपुत्र श्री मृंशिराम सेठी 48/42,
पंजाबी बाग, दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री बलराज कपूर सुपुत्र बंज नाथ कपूर और अदर्स
1/7, टीम्बर मार्केट, डब्ल्यू. एच. एस. किर्ती
नगर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

/स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. 8, रोड नं. 85, पंजाबी बाग, ग्राम-मादीपुर,
दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-2, 'एच' ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ एस्टेट नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 12 अगस्त 1981

संदर्भ 3 नि. स. आ. आ./एक्वीजीशन 2/एस. आर.-2/12-80/4039---चूंकि मैं, विमल वशिष्ठ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी संख्या जी-बी, 5 है, एवं जो हरनीगर, ब्लॉक 'जी' में स्थित है, जिसका अधिक विस्तृत विवरण संलग्न अनुसूची में दिया गया है कर पंजीकरण 1908 (1908 का 16वां) के अधीन पंजीकरण अधिकारी के नई दिल्ली स्थित कार्यालय में दिनांक दिसम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) श्री सरदारी लाल मर्वाह सुपुत्र राम चन्द मर्वाह, डब्ल्यू. जेड.-222, मायापुरी, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री मनोहर लाल चौधुरी सुपुत्र दौलत राम, जी-बी-5, हरनीगर, नई दिल्ली ब्लॉक 'जी' (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं. जी-बी-5, हरनीगर, ब्लॉक 'जी' क्षेत्र 266 वर्ग गज।

सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, नई दिल्ली

तारीख: 12-8-1981
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. करनाल/139/80-81—अतः मुझे, गो. सि. गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. मकान नं. 531-एल, है तथा जो माडल टाउन, करनाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

8-226GI/81

1. श्रीमती अमृत लाल ठाकर पुत्र श्री भाना लाल नि. माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरक)

2. (1) टंग राम दीवान पुत्र श्री कर्ता राम दीवान
(1) श्री अरुण दीवान पुत्र श्री वेदप्रकाश दीवान नि. 531-एल, माडल टाउन, करनाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 531-एल, माडल टाउन, करनाल में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या 4326, दिनांक 26-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 12-8-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. अम्बाला/118/80-81—अतः मुझे, गो. सि.
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 319-ई, महेशनगर है तथा जो
अम्बाला छावनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित :-

1. श्रीमती निर्मला पत्नी श्री जीम प्रकाश पुत्र श्री काशी
नाथ, म. नं. 5558, निकलसन रोड, अम्बाला
छावनी।

(अन्तरक)

2. श्री रामशेर सिंह पुत्र श्री दलपत सिंह नि. गाँडा.
बन्याल, त. + जि. अम्बाला, म. नं. 319-ई., महेश नगर,
अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 319-ई. महेशनगर, अम्बाला छावनी
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4247 दिनांक 15-12-80 पर
दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 12-8-1981
मोहर

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. पानीपत/72/80-81—अतः मुझे, गो. सि.
गोपाल,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक हैऔर जिसकी सं. दुकान अन्सार बाजार है तथा जो पानीपत
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 80को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1. (1) श्रीमती अवतार कौर पत्नी श्री प्यारा सिंह
(2) गुर चरण सिंह
(3) नरेंद्र सिंह पुत्र श्री प्यारा सिंह
(4) हरभजन कौर
(5) कूलदीप कौर
(6) श्रीमती कूकूम कौर उर्फ कूसुक लता पुत्री
प्यारा सिंह, नि. म. नं. 157 वाड नं. 3,1
पानीपत।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती कृष्णा बन्ती पत्नी श्री कृष्ण लाल
(2) श्री सोहन लाल राजकुमार, हरीरालाल पन्ना
लाल धर्मपाल पुत्रान श्री कृष्णलाल, नि. मं.
नं. 120, जवाहर नगर, त. कम्प,1
पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति दुकान अन्सार बाजार, पानीपत में स्थित है जिसका
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्री-
संख्या 4145 दिनांक 16-12-80 पर दिया है।गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतकतारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. गुडगावा/72/80-81—अतः मुझे, गो. सि. गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. पुरानी अनाज मंडी के निकट मकान है तथा जो सोहना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी की कार्यालय, गुडगावा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम बाबू पुत्र श्री मदन लाल, नि. पुरानी अनाज मंडी, सोहना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुन्तला देवी पुत्री श्री बनारसी दास, नि. बस स्टैंड व अनाजमंडी के निकट, सोहना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावोप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति मकान पुरानी अनाज मंडी सोहना में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगावा में रजिस्ट्री संख्या 4147 दिनांक 4-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 12-8-1981
सोहना

प्रमुख आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

1. (1) रानी देवी पत्नी श्री अमृत लाल गुप्ता
(2) राजीव गुप्ता पुत्र डा. अमृत लाल गुप्ता
(3) अशोक कुमार गुप्ता पुत्र श्री औम प्रकाश गुप्ता, सभी निवासी चौड़ा बाजार, करनाल।।
(अन्तरक)
2. (1) श्री सुभाष चन्दर बजाज पुत्र श्री निहाल चन्द बजाज, 554-ई. डब्ल्यू. एस. हाउसिंग बोर्ड कालोनी, करनाल (50% हिस्सा)
(2) श्री नन्दलाल गुलथानी पुत्र श्री चन्द्र भान गुलथानी नि. 133-ए., जी.डी.ए. फ्लैट्स, एल. आई.सी., राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (50% हिस्सा)
(अन्तरिती)

निर्देश सं. करनाल/140/80-81—अतः मुझे, गो. सि. गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. पाल्द्री फार्म के साथ भूमि है तथा जो गांव सैदपुर में स्थित है (और इससे उपानब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, करनाल में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980 के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि एवम् हमारा गांव सैदपुर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय करनाल में रजिस्ट्री संख्या दिनांक 23-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

अतः प्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों को वर्णित—

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. अम्बाला/119/80-81--अतः मुझे, गो. सि. गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. मकान नं. 4167-4167-ए, गुरुगा चरण
रोड है तथा जो अम्बाला छावनी में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा--

1. श्री मूल चन्द पुत्र वसीयाराम पुत्र श्री खेम चन्द,
नि. धुर्गा चरण रोड, अम्बाला छावनी।
(अन्तरक)

2. श्री राम प्रकाश पुत्र श्री वजीर चन्द, मकान नं.
4959, मोहल्ला पलदारान, अम्बाला छावनी।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 4167-4167-ए, धुर्गा चरण रोड,
अम्बाला छावनी में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री-
कर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4265 दिनांक
17-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 12-8-1981
मोहर :-

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

1. श्रीमती शकुन्तला रानी भल्ला पत्नी धर्मवीर,
नि. 2/508, कश्मीरी मोहल्ला, डा. अकनानूर
जिला जम्मू (ज. क.)।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शारदा बेबी पत्नी श्री जी. सी. अग्रवाल,
7सी/1119, फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं. बल्लभगढ़/209/80-81—अतः मुझे, गो.
सि. गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है के स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं. मकान नं. 1035, सेक्टर-7 है तथा जो
फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरी अधिकारी के कार्यालय,
बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो
को जिम्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 1035, सेक्टर 7, क्षे. 250 व. ग.
फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकरी
के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्री संख्या 9611 दिनांक
24-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 12-8-1981
मोहर

प्रारूप आर्डर टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निर्देश सं. हांसी/5/80-81—अतः मुझे, गो. सि. गोपाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं. भूमि 21 कनाल है तथा जो हांसी में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हांसी में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
दिसम्बर, 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सम्पूर्ण सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, श्री लक्ष्मण
सिंह, नि. हांसी।

(अन्तरक)

2. मै. ज्योति इन्डस्ट्रीज, देहली रोड, हांसी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति भूमि 21 कनाल हांसी में स्थित है जिसका अधिक
विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हांसी में, रजिस्ट्री संख्या
2285, दिनांक 18-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 19-8-1981
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन०एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निर्देश सं. हिसार/56/80-81—अतः मुझे, गो. सि.
गोपाल,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सम्पत्ति नं. 222/8 है तथा जो हिसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख विसम्बर, 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी घाय की वास्तव; उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या अन्य वास्तवों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-
9-226GI/81

1. श्री जीम प्रकाश पुत्र श्री गोपी चन्द, रोहतक,
श्रीमती इन्दिरा बती मवा देवी पुत्रियां श्री जयन्ती
प्रसाद, रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री सत्यप्रकाश पुत्र श्री महावीर प्रसाद, माफत नम
प्रकाश, चन्दर प्रकाश, हिसार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के घर्जन के
लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा असोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं. 222/8 (आधा हिस्सा) हिसार में स्थित है
जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय हिसार में
रजिस्ट्री संख्या 3630 दिनांक 2-12-80 पर दिया गया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 19-8-1981
सोहरा:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निर्देश सं. हिसार/57/80-81—अतः मुझे, गो. सि.
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सम्पत्ति संख्या 222/8 है तथा जो हिसार
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हिसार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्दह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

1. श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री गोपी चन्द, रोहतक,
श्रीमती इन्दरा बती, मेवा बत्ती पुत्री श्री जैन्ती प्रसाद,
रोहतक।

(अन्तरक)

2. श्री सत्य प्रकाश पुत्र श्री महावीर प्रसाद भाफत वेद
प्रकाश चन्द्र प्रकाश, हिसार।

(अन्तरिती)

ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोद्विस्तार के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

संपत्ति संख्या 222/8 का आधा भाग जो कि हिसार में
स्थित है तथा जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के
कार्यालय हिसार में रजिस्ट्री क्रमांक 3688 दिनांक 5-12-80
पर दिया गया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 19-8-1981
रोहतक

प्रमाण माई.टी.एन.एस.:-

गाम्कूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

आपका जवाब

कर्मसिन्धु, सहायक आयकर आयुक्त (निर्देशिका)

वर्जन रंज, राहस्यक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निर्देश सं. अम्बाला/114/80-81—अतः मुझे, गो. सी. गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. दूकान नं. 197, 198, 199 एवं 200 है तथा जो वार्ड नं. 1, स्पूत रोड, अम्बाला शहर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अथवा प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अथवा प्रतिफल से, ऐसे अथवा प्रतिफल का पन्हु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

[(क)] अन्तरण से हुई किसी भाषा की वाक्य सव्य अभिव्यक्ति को अर्थात् वाक्य के अन्तरण के वाक्य में किसी क्रम या लक्ष्य करने में अर्थात् अर्थात् अर्थात्

[[ब]] ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गृहीत द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में इस्तिमा है जिसका

(1) श्री बनेराज पुरी पुत्र श्री कन्दनलाल, नि. भम्बाला

[(अन्तरक)]

(2) श्रीमती अन्जु मिस्तल पत्नी श्री सुरेश मोहन नि.
दुकाने नं. 197, 198, 199 एवं 200 स्पृ
रोड, अम्बाला शहर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराया हों।

उक्त प्रमाति के बर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

॥७॥ इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।]

अनुसूची

सम्पत्ति वृत्तान्त नं. 197, 198, 199 एवं 200 वाड नं. 1, स्मृत रोड, अम्बाला शहर में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4193 विनांक 10-2-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर अधिकृत (निरीक्षण)
बर्जन रोज, रोहतास

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में स. अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—

तारीख : 19-8-1981
मोहर :

प्रकृष आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निवेदन सं. बल्लभगढ़/214/80-81--अतः मुक्त, गो. सि.
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सूत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. बिग सर्विस औद्योगिक प्लॉट नं. 5, है तथा
जो नेहरू पार्क, फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, फरीदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्यय से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्रीमती रविन्द्र कर पत्नी श्री गुरचरण सिंह, नि.
डब्ल्यू-126, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती रामा पत्नी श्री भगत राम, नि.
585/15-ए, फरीदाबाद, (2) श्रीमती कान्ति देवी
पत्नी श्री विजय कुमार नि. के-24, नवीन शहरा,
बहेली 32, (3) श्रीमती सुसीला देवी पत्नी श्री
लाला राम नि. नूह।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बिग सर्विस औद्योगिक प्लॉट नं. 5, क्षेत्र 150 वर्ग
गज, नेहरू पार्क, फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवर-
ण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीकरण संख्या
9751 दिनांक 29-12-80 पर दिया गया है।

गो. सि. गोपाल
समक्ष अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, रोहतक

तारीख : 19-8-1981
मोहर:

प्रकृष आर्. टी. एम्. एस. -----

(1) श्री परमोत्तम प्रसा वसिन्हा पूव श्री सत्यनारायण सिंह
नि. समस्तीपुर (बिहार)।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

(2) मँ. इन्डस्ट्रायनो प्रा. लि., अलवर रोड, गुडगांव।
गुडगांव।

(अन्तरिती)

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. गुडगांव/79/80-81--अतः मुझे, गो. सि.
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. भूमि (क्षे. 3993 ब. ग.) है तथा जो गुडगांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुडगांव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख विसम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि क्षे. 3993 ब. ग. अलवर रोड, गुडगांव में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय गुडगांव में रजिस्ट्रीसंख्या 4204 दिनांक 12-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 12-8-1981
मोहरः

प्रारूप धाई. टी. एन. एन.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 अगस्त 1981

निर्देश सं. अम्बाला/128/80-81—अतः, मुझे, गो. सि. गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके अन्तर्गत 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. बंगला नं. 93, क्षे. 2.68 एकड़ है तथा जो दूरन्द रोड, अम्बाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विलियम बॉबिड पुत्र श्री जेम्स बॉबिड, नि. 93, दूरन्द रोड, अम्बाला छावनी।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती पुष्पा रोहरेर पत्नी श्री अरनोल्ड रोहरेर नि. 93, दूरन्द रोड, अम्बाला छावनी, (2) श्री अरनोल्ड रोहरेर पुत्र इसीदर रोहरेर, नि. 53, दूरन्द रोड, अम्बाला छावनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति बंगला नं. 93, दूरन्द रोड, अम्बाला छावनी (क्षे. 2.68 एकड़) में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय अम्बाला में रजिस्ट्री संख्या 4342 दिनांक 19-12-80 पर दिया है।

गो. सि. गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉज, रोहतक

तारीख : 19-8-1981
मोहर :

प्रकृष्ट आर्ह. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रॉय, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निदेश सं. ए. सी. नं. 131/81-82—यतः, मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि, सर्वे नं. 201/3, साहेबनगर, कलान में स्थित है (और इससे उपबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद पूर्व में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1980 को द्योक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिती की गई है और मुझे विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री उप्पला सुधीर पिता बेंकट राज, रहनेवाले साहेबनगर कलान, हयातनगर तालुक, रंगा रेड्डुडी जिला, (2) मंसर्स श्री. प्रताप रेड्डुडी, पार्टनर श्री श्री. प्रताप रेड्डुडी पिता अगा रेड्डुडी, घर नं. 3-3-1002, कस्तूरीगुडा, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मंसर्स कोथापेट को. आपरेंटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड टी. बी. नं. 830, हैदराबाद पूर्व। अध्यक्ष श्री एम. गणेश प्रसाद पिता एम. तीरुग्या संकेसर भार्गव, हैदराबाद-500036।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं. 201/3, साहेबनगर, कलान का भाग। विस्तीर्ण 4 एकड़, 35 गुंठे। रजिस्ट्रीकृत प्लॉट नं. 1017/80 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद पूर्व।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रॉय, हैदराबाद

तारीख : 5-8-1981
महुरः

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, हवराबाद

हवराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश सं. आर.ये.सी. नं. 132/81-82—यतः मुझे
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि सर्वे नं. 201/3, साहेबनगर,
कालन, हवराबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसीधी में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायत्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्णित—

(1) श्री बी. आशीक पिता बी. चंद्रय्या साहेबनगर, कालन
गांव हयातनगर तालुक, रंगारेंडजी जीली। (2) मेसर्स
श्री. प्रतापरेंडजी बाइ सानोजिंग पार्टनर श्री. प्रताप
रेंडजी, 3-3-1002, कुजबीगूडा, हवराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री मेसर्स कंधापेट को. ओपरेटिव्ह हाउजींग सहाइटी
लिमिटेड टी.बी.नं. 830, हवराबाद पूर्व। बाइ
अध्यक्ष श्री एम. गणेश प्रसाद पिता एम. लिंगय्या,
संकत बाजार, हवराबाद-500036।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
जहाँ जहाँ होना हो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, सर्वे नं. 201/3, साहेबनगर, कालन का भाग।
विस्तीर्ण 3 एकर, रजिस्ट्रीकृत विलख नं. 11494/80 है।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हवराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जुन रंज, हवराबाद

तारीख : 5-8-1981
मोहर :

प्रकट आई. डी. एम. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश सं. आर. यं. सी. नं. 133/81-82—यन: मंभे,
एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमी सर्वे नं. 201/3, साहेबनगर,
कालन, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसीची में
और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 80

को प्रेषित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रवि-
फन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्णातु:—
10-226G/81

(1) श्रीमती वी. सस्तम्मा पति श्री. चंद्रय्या, साहेबनगर,
कालन गांव, हयातनगर तालूक, रंगारोड्डी जीला ।
(2) मंसर्स श्री. प्रतापरुड्डी मैनेजिंग पार्टनर श्री
श्री. प्रतापरुड्डी पिता अगा रूड्डी घर नं. 3-3-
10022, कूतबीमुडा, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) मंसर्स कोथपेट का. ओपरेटिव हाउजींग सोसाइटी
लिमिटेड, टी.वी. नं. 830, हैदराबाद पूर्व ।
अध्यक्ष श्री गणेश परसाद पिता एम. लिंगय्या, 16-2-
805, सांकेसर, हैदराबाद-500036 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजा के सम्बन्ध में कोई भी धाओप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रख्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रख्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमी सर्वे नं. 201/3, साहेबनगर, हैदराबाद ।
विस्तीर्ण 3 एकर । रजिस्ट्रीकरण विसेन नं. 11493/80 है ।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 5-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हवराबाद

हवराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

एस. गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है
और जिसकी सं. कृषि भूमि सर्वे नं. 767 है, नादरगोल, हयात
नगर, हवराबाद में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में
और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हवराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
नौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः--

1. श्री कोलानू पापी रेड्डी (2) श्री कोलानू गोपाल रेड्डी
(3) श्री कालानू वेकट रेड्डी (4) श्री कोलानू साथी
रेड्डी सभी लक्ष्मी रेड्डी के पुत्र हैं। (5) के. शंकर
रेड्डी पिता पदेन लक्ष्मी रेड्डी (6) श्री सामला
शीवा रेड्डी (7) श्री सामला चंद्राररेड्डी दोनों भी
भल्ला रेड्डी के पुत्र हैं। (8) श्री कोलानू यादी
रेड्डी पिता लक्ष्मी रेड्डी नावडेगोल, हवराबाद
पूर्व तालुक, जिला रंगारेड्डी सभी के लिये
जी.पी.ए. श्री बी. मलेश पिता बीराप्पा, गडीनारम,
हवराबाद-50036।

(अन्तरक)

(2) दि लोकयाथा को. ओपरेटिव हाउजींग सोसाइटी
लिमिटेड (टी.ए.बी.नं. 81) हीमायतनगर, हवरा-
बाद। बाइ अध्यक्ष टी. बाल रेड्डी पिता पापी
रेड्डी, स्टेट बैंक आफ हवराबाद कोलनी, सड्डा-
बाद, हवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि. सर्वे नं. 767, नादरगोल ग्रामपंचायत हायात-
नगर तालुक, रंगारेड्डी जिला। विस्तीर्ण 7 एकड़ 33 गुंठे।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 11458/80 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी हवराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सहाय अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रंज, हवराबाद

तारीख : 5-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश सं. आर.ये.सी.नं. 135/81-82—यतः मुझे, एस. गोविन्द राजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है और जिसकी सं. कृषि भूमि सर्वे नं. 766 है, जो नादरेगोल गांव जीला रंगा रेड्डी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 19 विसंबर, 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कायम नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री दोमाकोडा यल्लय्या पिता दुर्गय्या (2) श्री दोमाकोडा पिता रामलू पिता एल्लय्या (3) दोमाकोडा जगय्या पिता यल्लय्या (4) श्री दोमाकोडा चिन्ना यल्लय्या पिता दुर्गय्या (5) श्री दोमाकोडा कनकय्या पिता लेंट राजय्या (6) श्री दोमाकोडा पेटय्या (7) श्री दोमाकोडा अंजय्या (8) श्री दोमाकोडा चीन्नारामलू पिता लेंट सीतय्या सभी नादरेगोल में हयातनगर तालुक, रंगारेड्डी जीला में रहते हैं। बाइ जी.पी.ए. श्री बी. मल्लेश पिता बीरय्या, गडी-नारम, हैदराबाद-500036।

(अन्तरक)

(2) दि लोकयाथमा को. ओपरेटिव्ह हार्जिसंग सोसाइटी लिमिटेड (टी.ए.बी. 81) हीमायत नगर, हैदराबाद। अध्यक्ष टी. बाल रेड्डी पिता पापी रेड्डी, स्टेट बैंक आफ हैदराबाद कॉलनी सहदाबाद, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि विस्तीर्ण 7 एकड़, 33 गुठे। सर्वे नं 766, नादरेगोल गांव, नादरेगोल ग्रामपंचायत, हयातनगर तालुक, रंगारेड्डी जीला। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 11437/80 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख : 5-8-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश सं. आर.ये.सी.नं. 136/81-82—यतः मुझे,
एस. गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि सर्वे नं. 766 है, जो नावरेगोल
गांव रंगा रेड्डी जीला हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी को कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19 दिसंबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कोलानू पापी रेड्डी पिता लक्ष्मा रेड्डी (2) श्री
कोलानू गोपाल रेड्डी पिता लक्ष्मा रेड्डी (3) कोलानू
वंकटा रेड्डी पिता लक्ष्मा रेड्डी (4) श्री कोलानू
माथी रेड्डी पिता लक्ष्मा रेड्डी (5) श्री के. शंकर
रेड्डी पिता पेदा लक्ष्मा रेड्डी (6) श्री सामला सीवा
रेड्डी पिता मल्ला रेड्डी (7) श्री सामला चंद्रा रेड्डी
पिता मल्ला रेड्डी (8) श्री कोलानू यादवी रेड्डी पिता
लक्ष्मा रेड्डी सभी नावरेगोल, हैदराबाद पूर्व तालुक
रंगा रेड्डी जीला में रहते हैं। सभी के लिए
जी.पी.ए. श्री बी. मल्लेश पिता बीराप्पा गड्डी-
अनारम, हैदराबाद-500036 है।

(अन्तरक)

(2) श्री दि लोकयाथा को. ऑपरेटिव्ह हाउजींग सोसाइटी
लिमिटेड (टी.ए.बी. 81) हीमायत नगर, हैदरा-
बाद। अध्यक्ष टी. बाल रेड्डी पिता पापी रेड्डी,
स्टेट बैंक आफ हैदराबाद कोलनी सद्दाबाद, हैदरा-
बाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि विस्तीर्ण 8.05 गुंठे सर्वे नं. 767, नावरेगोल
गांव नादरेगोल ग्रामपंचायत हयातनगर तालुक, जीला रंगारेड्डी।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 11436/80 है। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एस. गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त) निरीक्षण
अर्जन रंज, हैदराबाद

तारीख 5-8-1981
मोहर .

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

बंबई-1, बंबई

बंबई, दिनांक 11 अगस्त 1981

निवेदन सं. ए.आर.-1/4524-16/81-82—अतः मुझे सूचनाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी.एस. नं. 796 भूलेश्वर डिब्बीजन में है तथा जो ओल्ड हनुमान लेन (कालबा देवी रोड) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-12-1980 विलेख सं. 2465/78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, इस दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कबि नष्टों किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चरणदास मोघजी, 2. गोरधनदास वल्लभ दास चतुर्भुज, 3. लट्टा गोरधन दास दयाल कृष्णराज जयराज, 5. गोरधनदास मोरारजी कापडिया।

(अन्तरक)

2. धनश्याम दास पुरुषात्तम दास पुरोहित.

(अन्तरिती)

3. टैनेट्स (सूची के अनुसार)।

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

1. मेसर्स बलीवाला और हूमी (प्रा) लि.
2. रामखीलवन दसूराम
3. महादेव गोपाल
4. पुरुषात्तम जीवभाई मंगान्हीआ
5. लाभशंकर गौरीशंकर और भीताराम मुन्निलाल
6. शहा अमरजी देमजी
7. शहा गोविंदजी शामजी
8. शहा मदन धनजी
9. दि भारत फ्लोअर मिल प्रां. दामोदर मोतीलाल
10. लाल बहादुर निरंजन गुप्ता
11. भारतप्रसाद रामकिशन दुर्लभराम
12. भांजी जानी
13. दुर्लभराम भानजी जानी
14. गंगाराम भगवानदास
15. शहा पोपटलाल मदन
16. मनोहर इश्वरलाल छाउरल
17. भैयाजी
18. नालतप्रसाद मताभाइस तीवारी और देवीप्रसाद राम-बका दूब
19. सं 25 अमरचंद ताराचंद
- 26 में 34 आदर्श लाज
- 35 से 40 दत्तात्रय विश्वनाथ सुलास
- 42 से 48 आदर्श लाज
50. मोहनलाल ल्हीराम
- 51 से 57 गुलराज बाबूलाल और पाटनर्स
58. लक्ष्मीचंद किमतराय
- 59 से 66 आदर्श लाज
- 67 से 90 आदर्श लाज

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाखेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदनाकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. 2465/78 बंबई उपरीस्त्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 22-10-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सूधाकर वर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, बंबई

तारीख 11-8-1981

मोहर

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. आ. आ.आइ/4510-2-81-82--अतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लॉट नं. 110(पूर्व) न्यू.एस. नं. 607
(पोर्शन आफ.) 610, 611 और 612 सी.एस. नं. 410/6
मायन डिक्लीजन में है तथा जो सायन माटंगा इस्टेट में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
8-12-1980 विलेख सं. बंबई 3517/62

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री सोनूबाई के. कब्बूर ।

(अन्तरिती)

2. श्री मेसर्स एस.के. कब्बूर प्रा. लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

3. श्री मेसर्स एस.के. कब्बूर, प्रा. लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मेसर्स एस.के. कब्बूर प्रा. लिमिटेड ।

(वह व्यक्ति, जिसके
बार में अधोहस्ताक्षर
जानता है कि वह संपत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बॉम्ब 3517/62 बंबई उपरजि-
स्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 8-12-1980 को रजिस्टर्ड किया
गया है ।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बंबई

दिनांक : 12-8-1981

मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) कार्यालय

अर्जन रज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. ओ.आर. 111/ओ.पी. 374/81-82—अतः मुझे, सुधाकर वर्मा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. एस. नं. 64, 16, 17, 74, 81, 82 और 90 हि. नं. 13, 19, 22, 24 (अंश) एस. नं. 103 बी (अंश) 29 हि. नं. 7 एस. नं. 15, 19 एस. नं. 103 बी (अंश) 86 हि. नं. एस. नं. 103 बी (अंश) 154 96 हि. नं. (अंश) एस. 112 (अंश है तथा हरियाणाली ब्लीजे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10-12-1980 विलेख सं. आर. 5199/72

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री प्रतापसिंह भूरजी वल्लभदास 2. श्री दिलीप सिंह भूरजी वल्लभदास ।

(अन्तरक)

म 2. श्रीमती जस्ता विक्रमसिंह ।

(अन्तरिती)

3. दि. न्यू धोलरा शिपिंग एण्ड ट्रेडिंग क. लिमिटेड।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे,

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं आर 5199/72 बंबई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 10-12-1980 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, बंबई

तारीख : 12-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एल०---

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, बंबई

बंबई, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. जे. आर. 11/3098-12/डिस. 80--
 अतः मुझे, संतोष दत्ता,
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
 (जिसे इनके पश्चात् 'व्यक्त अधिनियम' कहा गया है),
 की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
 का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रुपये से अधिक है
 और जिसकी सं. एस. नं. 16, 15 एच. नं. 2 एस. नं.
 145 एच. नं. 1 और एस. नं. 152 सबडिव्हायड्डे प्लॉट
 नं. 6 है तथा जो मागधाने व्हिलेज में स्थित है (और इससे
 उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
 अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-12-1980
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
 कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
 दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
 अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
 के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
 निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
 से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
 जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
 नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
 अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
 जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
 निम्नलिखित व्यक्तियों, बर्षात :-

1. (1) जयंती लाल एन. पारीख (2) चंपक लाल
 एन. पारीख (3) सरला जे. पारीख दिव्येश जे.
 पारीख एवं चेतन जे. पारीख।

(अन्तरक)

2. श्री स्वतेशिपमाला को. आ. हा. सो. लिमिटेड।

(अन्तरिती)

3. मेबर्स आफ द सोसायटी।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
 समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
 नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
 अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेज सं. एस. 2502/79 बंबई उप-
 रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 20-12-80 को रजिस्टर्ड
 किया गया है।

संतोष दत्ता
 सश्रम प्राधिकारी
 (निरीक्षी) सहायक आयकर आयुक्त
 अर्जन रोज-2, बंबई

तारीख . 12-8-1981
 मोहोर

प्रकाशक: टी. एन. एस.-----

भाषा: हिन्दी, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. अ. आर.-आई/4526.18/81-82---अतः मुझे, सूभाकर वसी,

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. सी. एस. नं. 987 दादर नाथेगांव ठिकड़ीजन है तथा जो सिवरी कास रोड में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-12-1980 विलेख सं. बम्बई 1775/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धोरण

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के, अनुसूची में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—
11—226GI/81

1. (1) श्री माधव गौरीबं मल्लय्या ।
(2) मनोरमा माधव मल्लय्या ।

(अन्तरक)

2. (1) श्री मूलचंद गनमल शाह (2) फतेहचन्द मूलचंद शाह ।

- (3) अशोक कुमार दलचंद शाह ।

(अन्तरिती)

3. टिनेन्ट्स ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. मालती के ठक्कर

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं. बम्बई 1775/78 बंबई उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 22-12-80 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सूभाकर वसी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-1, बम्बई

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 25 जुलाई 1981

निर्देश सं. नोटिस सं. 350/81-82—यतः मुझे,
डा. वी. एन. ललित कुमार राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 125/1-15 सब डिवीजन है तथा
जो वारका गांव, स्यालसीटे तालुका, (गोवा) में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारगांव (गोवा) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 26-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में वर्णित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी व्यय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अंतर्गत दत्त अन्तरण के दायित्व का
कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

1. (1) दामोदर नायिक
(2) श्रीमती लीलावती दामोदर नायिक कोंबा,
मारगोवा (गोवा) में दोनों रहते हैं।
(अन्तरक)

2. मेसर्स. वेस्ट कोअस्ट होटल्स लिमिटेड, रंजनेट
करते हैं इसके डायरेक्टर श्री वसंतराव एस.
डोंपो, डोंपो हाउस, कैपाल, पनजी (गोवा)।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं. 358/80-81 ता. 26-12-1980)

प्लॉट ऑफ ल्यांड विथ बन एरिया आफ 65,000.00
स्क्वायर मीटर्स, डिटाचड फ्राम दि प्रापर्टी नो नु याज "कोकोनट
ग्रेव", फस्ट, सेकंड, एण्ड थर्ड ल्यांक्वेस डि. प्रयास, तथा
जोवारका ग्राम पंचायत, स्यालसीटे तालुका और गोवा जिला
में सर्वे सं. 125/1 से 15 तक स्थित है।

डा. वी. एन. ललित कुमार राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, बंगलूर

तारीख : 25-7-1981
सोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार
मे. मे. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जातु है:—

प्रकृष आर्. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. 9255—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. बी. कालतूर है जो वासिकंठपुरम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बालिकंठपुरम (आकूमेंट सं. 2580/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. (1) अबधुल मधित
- (2) अबधुल अबबार

(अन्तरक)

2. कुलजार बेगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि निर्माण, मोक्षनरी-बी. कालतूर बालिकंठपुरम
आकूमेंट सं. 2580/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, मद्रास

तारीख : 7-8-1981
मोहर :

प्रकृष आइ.टी.एन.एच.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

1. श्री एम. शंकरन

(अन्तरक)

2. श्री मानिसम्माल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः--

निर्देश सं. 9204—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट 117, नार्थ ईस्ट एक्सटेंशन तिल्ले-नगर है जो, टिप्पी 18 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वीरैयार (डाकूमेंट सं. 666/80) में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसंबर 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि प्लॉट 117, नार्थ ईस्ट एक्सटेंशन, टिप्पी 18 (डाकूमेंट सं. 666/80)।

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख : 7-8-1981
गोहर

राधा बालकृष्ण
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, मद्रास

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

1 श्री टी. जयराम।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री के. धनलक्ष्मी

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) .

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11228—यतः मुझे, राधा बालकृष्णं,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. 17 है या बाध्यकरलू रां है या कोयमबटूर
में स्थित है (और इसमें उपावद्ध सं. और पूर्ण रूप से वर्णित है),
राजस्वीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाकूमेट
सं. 6390/80) में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसंबर 80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार,
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
गृह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अन्तः

भूमि 17, बाध्यकरलू रोड, कोयमबटूर (डाकूमेट सं.
6390/80)

राधा बालकृष्णं

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख . 7-8-1981

मोहर .

प्ररूप जाह. टी. एन. एस.-----

1. आर. जे. मूषी।

(अन्तरिक)

2. के. राजलक्ष्मी।

(अन्तरिणी)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. 9220—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 21 है जो गांधीनगर, कुम्भाकोन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुम्भाकोनम (डाकूमेंट सं. 2419/80) में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, दिसंबर 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णितः—

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, 21, गांधीनगर कुम्भाकोनम (डाकूमेंट सं. 2419/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख . 7-8-1981
मोहरः

प्रथम आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11226—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 1168, कोयमबटूर परबेट इन्डस्ट्रियल एस्टेट है, जो कृरिची में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (शकूमेट सं. 6476/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविः रूप में स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निर्माणाधीन व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कनरा ट्रीडिंग कम्पनी

(अन्तरक)

2. विमको रबबर फेक्टरी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित रख किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - प्लॉट सं. 68 कोयमबटूर परबेट इन्डस्ट्रियल एस्टेट, कृरिची, कोयमबटूर (शकूमेट सं. 6476/80)

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख : 7-8-1981
सोहर :

प्रकरण आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11227—यतः मुझे, राधा बालकृष्ण,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 19/93 है, जो बिग बाजार स्ट्रीट कोयमबटूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुराची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयमबटूर (डाकूमेंट सं. 6457/80) भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिसंबर
1980
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री बाबाकृष्ण और अदर्स।

(अन्तरक)

2. नटराजन और अदर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण, 19/93, दिग बाजार स्ट्रीट, कोयम-
बटूर (डाकूमेंट सं. 6457/80)।

राधा बालकृष्ण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-11, मद्रास

नतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-8-1981
मोहर :

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

1. एन. डी. कुतजप्प।

(अन्तरक)

2. एन. रवीन्द्रन।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निम्न सं. 16076—यतः मूझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं. टी. एस. 67/2 है, जो अजीज नगर, मेन
रोड कोबक्कम, पुलियूर में स्थित है (और इसमें उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, कोबक्कम (डाकमैट सं. 5575/80)
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिसंबर 80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
परवृत्त प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि, टी. एस. सं. 67/2, अजीज नगर, मेन रोड,
कोबक्कम, पुलियूर (डाकमैट सं. 5575/80)।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकार
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक)
अर्जन रोज-11, मद्रास

तारीख : 7-8-1981
मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

1. एल. आई. सी. एम्पनामीज कोन्सोर्टिव
बिल्डिंग सोसायटी।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. पूर्वलिंगम चेट्टीयार।

(अन्तरिणी)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11224--यतः मुझे, राधा बालकृष्णं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 52 है, जो एल. आई. सी. कालोनी कुरिनी, कोयमबटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबटूर (डाकूमेंट सं. 6342/80) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 16 दिसंबर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्वीकार नहीं किया गया है--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधोप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण - 52, एल.आई.सी. कालोनी कुरिनी,
कोयमबटूर (डाकूमेंट सं. 6342/80)

राधा बालकृष्णं
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख : 7-8-1981
मोहर :

प्ररूप माह: टी. एन. एच.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश सं. 10/विसम्बर/80—यतः मुझे, आर. रवि-
 चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 66, है, तथा जो स्पेर टनेक रोड, मद्रास-31
 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय, पेरियमेट
 (डोकूमेंट सं. 1475/80 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
 नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पञ्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
 अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविर
 में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री पी. बी. पद्मनाभन ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सराजिनि शुक्ला ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
 भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
 अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
 गया है ।

अनुसूची

भूमि-66, स्पेर टनेक रोड, मद्रास-31 ।
 (डोकूमेंट सं. 1475/80)

आर. रविचन्द्रन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 10-8-1981
 मोहर 3

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त 1981

निर्देश सं. 37/दिसम्बर/80—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं. 17/112, 17/112-ए, 17/112-बी,
17/109, 110, 111, 113 है, तथा जो कोडाईकानाल में
स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोर्टकानल (आकूमेंट
सं. 439/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि उपावृद्ध सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तबिक
रूप से उचित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाणिज्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रकट—

(1) श्री ए. जी. रंगामनि।

(अन्तरक)

(2) श्री वी. एस. संनकर मूदलियार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरों के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण—17/112, 17/112-ए, 17/112-
बी, 17/109, 110, 111, 113, कोडाईकानाल।
(आकूमेंट सं. 439/80)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, मद्रास

तारीख : 14-8-1981
मोहर

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री पलानियप्पा चेट्टीयार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) डाक्टर मधुदेववरन।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 अगस्त 1981

निर्देश सं. 20/दिसम्बर/80—यतः मुझे, आर. रवि-
चन्द्रन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे सं. 48/1 और 65 है, तथा जो
कोंडापनाईकोनपट्टी, सेलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सेलम (डाकूमेंट सं. 7104/80) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाबिल में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे सं. 48/1 और 65, कोंडापनाईकोनपट्टी,
सेलम।

(डाकूमेंट सं. 7104/80)

आर. रविचन्द्रन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, मद्रास

तारीख : 14-8-1981
मोहर : 3

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

(1) श्री इलनगो और तुलसियम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री जे. सुब्रमनियम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

अर्जन रज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11389—यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी स. राजा स्ट्रीट, तेलुगुपालयम है, तथा जो
कोयमबटूर में स्थित है (और इससे अपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयमबटूर (डाकूमेंट सं. 435/81) में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कटवने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि-राजा स्ट्रीट, तेलुगुपालयम, कोयमबटूर।
(डाकूमेंट सं. 435/81)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्री इलनगो और तुलसियम्मान।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री बालसुब्रमनियम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रज-11, मद्रास

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. 11389---यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है
और जिसकी सं. राजा स्ट्रीट, टेलुगुपालयम है, जो
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 436/81) में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
16 फरवरी, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी भाद की बाबद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वाचिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था डिपान में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि-राजा स्ट्रीट, टेलुगुपालयम, कोयम्बटूर।
(डाकूमेंट सं. 436/81)

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, मद्रास

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

((1) श्री इलनगो जीर तूलसियम्माल।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री आर. आरुगुहम।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास, दिनांक 17 अगस्त 1981

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेपः--

निर्देश सं. 11389---यतः मुझे, राधा बालकृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. राजा स्ट्रीट, टेलुगुपालयम है, जो
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं. 437/81) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 फरवरी, 1981
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अनुसूची

भूमि-राजा स्ट्रीट, टेलुगुपालयम, कोयम्बटूर।
(डाकूमेंट सं. 437/81)।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-11, मद्रास

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) में संशोधन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. III 505/अर्जन/81-82—अतः मुझे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी स. थाना सं. 11 तौजी सं. 5173, खाता सं.
25, खसरा संख्या 830 861 (अक्ष) है, तथा जो मौजा खजपुरा
जो वेलीरोड, पटना के नाम से जाना जाता है में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 10
दिसम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रत्यक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप में रुखि नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें आयाय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 1) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्वयण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थातः—

1 3—226 GI/81

(1) श्रीमती सरस्वती देवी जोजे मिस्टर ज्योतिन्द्र नाथ,
आई० आर० एस० अवकाश प्राप्त निरीक्षी
सहायक आयकर आयुक्त, निवासी ग्राम सोनार,
पत्रालय फतुहा, जिला पटना एवं वर्तमान निवास
स्थान 216-ए श्रीकृष्णापुरी थाना श्रीकृष्णापुरी,
जिला पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री राम चरित्र सिंह और श्री दुर्गा प्रसाद सिंह दोनों
पुत्र स्वर्गीय रामदयाल सिंह निवासी रामकुमार
भट्टाचार्य लेन, थाना शिवपुर जिला हावडा (पश्चिमी
बंगाल) वर्तमान निवासी वेली रोड जगदेव पथ
विपरीत, थाना शास्त्रीनगर पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मजिला पक्का मकान जो गैरेज, तीन नौकर के कमरे,
हाथ चापानल, चाहरदिवारी, कोर्टगार्ड एवं सभी चीजों (फिटिंग
एवं फिक्चर्स) सहित जमीन के कुल रकब 9 कट्टा 12 धुर 4
धुरकी पर स्थित है तथा जो मौजा खजपुरा जो वेलीरोड, पटना
(जगदेव पथ के विपरीत) से जाना जाता है, में अवस्थित है एवं
जो पूर्णरूप से वसिका संख्या 8322 दिनांक 10-12-80 में
वर्णित है तथा जिसका निवधन जिला अवर निवधक पदाधिकारी
पटना द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम पदाधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख 17-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त,

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. 111 506/अर्जन/81-82—अतः मुझे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. होल्डिंग सं. 1496/558 सर्किल सं.
249, वार्ड सं. 34, ट्रस्ट प्लॉट सं. 216, ए. थाना सं. 7
है, तथा जो 216 ए. श्रीकृष्णपुरी, जिला पटना में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण-
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से उम्मेद दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जहाँ :—

(1) श्री रतन लाल विशनोई वल्द हरिदत्त विशनोई (2)
श्री विजय विशनोई वल्द श्री रतन लाल विशनोई सभी
का निवास स्थान कदमकुआ जिला पटना वर्तमान
निवासी न्यू पाटलीपुत्रा कालानी, अल्पना मार्केट के
विपरीत, पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री सरस्वती नाथ जीजे श्री जे. नाथ, आई. आर.
एस. (अवकाश प्राप्त), निरीक्षी सहायक आयकर
आयुक्त, निवासी ग्राम सौनारु पञ्चालय एवं थाना
फतुहा, जिला पटना, एवं वर्तमान निवास स्थान
216 ए. श्रीकृष्णपुरी, थाना श्रीकृष्णपुरी, जिला
पटना।

(अन्तरिति)

(3) अन्तरिति द्वारा स्वयं अधिगण
(वह व्यक्ति जिसके अधिगण में संपत्ति है)

(4) पटना जिला रिजिनल डेवलपमेंट अधिकारी
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजीला पक्का मकान जमीन के कुल रकबे 692 वर्गगज
जो 6228 वर्गफीट के बराबर होता है, पर स्थित है तथा जो
माँजा श्रीकृष्णापुरी, जिला अवर एवं सदर निबंधक कार्यालय पटना
के होल्डिंग संख्या 1496/558 सर्किल संख्या 249, वार्ड
संख्या 34 ट्रस्ट प्लॉट संख्या 216 टाइप-ए. थाना संख्या 7 में
अवस्थित है एवं पूर्णरूप से बसिका संख्या 8444 दिनांक
16-12-80 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन जिला अवर
निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा संपन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम पदाधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 17-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निदेश सं. III 507/अर्जन/81-82—अतः मुझे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. तौजी सं. 227 (पुराना) 15-डी. 54 (नया)
है, तथा जो ढकनपुरा लोदीपुर महाल निरन्तरपुर खिरमूनिआ जो
बोरींग कौनाल रोड, पटना से जाना जाता है में स्थित है (और
जिससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
13-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और नृज यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (पन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उचित बाजार मूल्य प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में अस्तित्व में रखे कथित नहीं
किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या ठिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त :—

- (1) श्री अजीनी कुमार बल्लभ मदनलाल विशानोई,
अभियंता, सी-198 सर्वोदय इनक्लेव नई दिल्ली,
श्रीमती रूपा रानी जीर्ज सुनिल कुमार, सी-198
सर्वोदय इनक्लेव नई दिल्ली-1

(अन्तरक)

- (2) मैसर्स यूनिवर्सल हाइड्रोकार्बन कंपनी प्राइवेट लिमि-
टेड रजिस्टर्ड कार्यालय 204 अन्नपूर्णा, 12-ए
लौड सिन्हा रोड कलकत्ता-700071।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप।—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा; या

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अखंडित जमीन का रकबा 1 बिघा 1 कट्ठा का आधा अंश
मकान सहित मौजा ढकनपुरा लोदीपुर महाल निरन्तरपुर खिरमूनिआ
जो बोरींग कौनाल रोड के नाम से जाना जाता है, में स्थित है
तथा पूर्ण रूप से बसिका संख्या 1 - 7027 दिनांक 13-12-80
में वर्णित है तथा जिसका निबंधन रजिस्ट्रार आफ एस्टोरेन्स
कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 17-8-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

पटना, दिनांक 17 अगस्त 1981

निर्देश सं. 111 708/अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खाता संख्या 517 खसरा सं. 55 (अंश) है, तथा जो ढकनपुरा लोदीपुर महाल निरन्दरपुर खिरमुनिया जो बोरींग कनाल रोड पटना के नाम से जाना जाता है में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन तारीख के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने से सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री इन्द्र कुमार बल्लभ मदनलाल विशनोई सी-198 सर्वोदय इन्कलेव नई दिल्ली और अन्य (अन्तरक)

(2) मैसर्स यूनिवर्सल हाईड्रोकार्बन कम्पनी प्रा. लिमिटेड रजिस्टर्ड कार्यालय, 204 अन्नपूर्णा 12-ए लॉर्ड सिन्हा रोड, कलकत्ता-700071। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति में उक्त संपत्ति का कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम से उक्त संपत्ति का अन्तरण।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

असंडीत जमीन का रकबा 1 विधा 1 कटठा का आधा अंश एक मंजिला मकान सहित मौजा ढकनपुरा लोदीपुर महाल निरन्दरपुर खिरमुनिया जो बोरींग कनाल रोड के नाम से जाना जाता है, में स्थित है, तथा पूर्ण रूप से वसिका संख्या 1-7028 दिनांक 13-12-80 में वर्णित है तथा जिसका निबंधन रजिस्ट्रार आफ एय्योरेन्स कलकत्ता द्वारा सम्पन्न हुआ है।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख : 17-8-1981
मोहूर :

प्रकरण 343- टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षेप)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 18 अगस्त 1981

निर्देश सं. III 509/अर्जन/81-82—अतः मुझे,
हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं. ताजी संख्या 17/808 और 5174 प्लॉट संख्या
1634, 1643, 1570, 1572 खाता सं. 2040, 2044,
829, 1015 है, तथा जो दीघा घाट पटना में स्थित है (और
इससे उपलब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन ताजी सं. 18-12-80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रमाणित निम्नलिखित अन्तरण लिखित में
आवश्यक कर तत्पश्चात् नज़र किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) पटना पोलिस प्राइवेट लिमिटेड कम्पनी द्वारा श्री
जगदीश जगमोहन कपाडिया वल्द जगमोहन दास जय-
किशन दास कपाडिया जिनका रजिस्टर्ड कार्यालय
64/66 संनापति बपत मार्ग बम्बई - 400019।

(अन्तरक)

(2) पटना पोलिस प्राइवेट लिमिटेड, दीघा घाट पत्रालय
दीघा जिला पटना जिसका रजिस्टर्ड कार्यालय पुना-
इचक पटना - 800023 है, द्वारा मैनेजिंग
डायरेक्टर जनक प्रसाद सिंह बल्लभ स्व. सौराष्ट्र सिंह
और श्री कृष्ण कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रथम - जमीन के रकबे 0.81 डीसमल जिसका प्लॉट संख्या
1634, ताजी सं. 17/808, खाता संख्या 2040 एवं
रकबे 2 एकड़ 85 डीसमल जिसका प्लॉट संख्या
1643, ताजी संख्या 17/808 खाता संख्या 2044
मकान सहित।

द्वितीय-जमीन के रकबे 1 (एक) एकड़ 13.5 डीसमल और
0.48 डीसमल जिसका प्लॉट संख्या 1570, एवं
1572, ताजी संख्या 5174 खाता संख्या 829 एवं
1015 क्रमशः है और जो मैन रोड (पटना-दानापुर
रोड) दीघा घाट पटना (बिहार) में स्थित है एवं वह
संपत्ति पूर्ण रूप से बसिका संख्या 8494 दिनांक
18-12-80 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला
अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा संपन्न हुआ
है।

हृदय नारायण

सक्षम पदाधिकारी

निरिक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

दिनांक : 18-8-1981

माहुर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री जवनती भाई चिता भाई पटेल।, सावडेवावर।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 अगस्त 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1144/एकवी. 23-11/81---
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. नं. 26 पैकी है तथा जो भालाव, बॉच में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बॉच में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 24-12-1980

को प्रेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उनसे दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किया आय या किसी धन या अभ्यवसायियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(2) श्री रावजी भाई मनु भाई पटेल।, मुक्तानपुर।
के द्वारा मुक्तानन्द डैलस बॉच।

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेय :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से क्रिया व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पाम लिखित में लिखा जा सके।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन जो भालाव सर्वे नं. 26 न्यायाधीश तारीख 24-12-1980 में रजिस्ट्री कि गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 6-8-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1145/एफवी. 23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी नं. 2707, रानी तलाव, वाड नं. 12 है तथा
जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
1-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) प्रत्यक्ष से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती मंहराबाई नाथरोजी हिरजी बर्होदेन, सना-
भाई आरडंमर की पत्नी, 12, नील फिरोज फतेह
गंज, वंगडा।

(2) रातामई कानवाजी रित्तवाल, सनाभाई अरडं-
मर का पत्नी, वरली बांवे।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री अब्दुल करीम अब्दुलरहमान पीला,
2. अब्दुल रहमान अब्दुल करीम,
3. मोहमद ईकबाल अब्दुल करीम,
4. मोहमद बीलाल अब्दुल करीम,
5. मोहमद सुवर अब्दुल करीम,
6. मोहमद सलमान अब्दुल करीम,
7. जुबेदाबीबी — अब्दुल करीम अब्दुलरहमान की
पत्नी, रानी तलाव, कमलकेतन, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताअरी के पास
लिखित में लिये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो रानी तलाव, वाड नं. 12, नोद नं. 2707
सूरत या यथाविधि तारीख 1-12-1980 में रजिस्ट्री की गयी
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज-11, अहमदाबाद

तारीख : 7-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1146/एक्वी/23-11/81-82
—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नोद नं. 1393 पैकी जमीन है। तथा जो मुगली-
सारा, तूकीवाड, सूरत में स्थित है और इसमें उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, 6-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर दान से अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) सेंट पेट्रसानी उकुडजी धरमशाला और बाल फन्ड
ट्रस्टीस :-

1. श्री दावार टंमुरम कावसजी मोदी, दि रट्टीद
नानगपूरा सूरत,
2. डा. शाम सारोश भाका, वानकी बोडी,
सूरत।
3. सेंट अराछगा ओडसर पानदोष, शाहपुर,
सूरत।
4. सेंट हासाना फारमरोज वाडिया, एथवा
लैनस, सूरत।
5. सेंट तंमुरम अरडसर पानडोल, शाहपुर,
सूरत।
6. श्रीमती रोशन कावसजी मोदी, नानगपूरा,
सूरत।
7. सेंट पारवीस केकी हरूधवाला, वानकी बोरेडी
सूरत।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री ईश्वरलाल बहचरदास,
2. श्री चन्द्राकान्त ईश्वरलाल,
3. श्री नरेन्द्रा ईश्वरलाल,
4. श्री प्रवीणकुमार ईश्वरलाल,
5. श्री हरशेकुमार ईश्वरलाल, रुधनाथपुर,
बराछा शेरी, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
गर्गवाहिया करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकत जो मुगली सारा, नोद नं. 1393, वाड नं. 12,
सूरत यथाविधि तारीख 6-12-1980 में रजिस्ट्री की गई
है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1147/एकक-23-11/81-82—
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है और जिसकी वाड नं. 1, ठिका नं. 18, एस नं. 60 है। तथा भी न्यू 81, एस नं. 3932, अंबीकानगर के पास, कार-शप रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नवसारी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 23-12-80/24-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री मणीभाई रामभाई पटेल,
श्री मनसूखभाई मणिभाई पटेल,
रेखानेन विनुभाई पटेल,
श्री विपीनचन्द्रा मंगनलास पटेल,
उमारनगर, सुनसिकयी नावसारी।

(अन्तरक)

(2) श्री कृष्णकुमार नवनीतलाल गांधी, प्रमूह वारान
एपाटमेंट को - सोसीयटी लिमिटेड, एस नं.
499/वाड नं. 4, बँदनगवाड, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्पश्चात् की व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रख्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त प्रख्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकर जो आर. एस. नं. 60, न्यू ठिका नं. 81, एस नं. 3932 या यथाविधि तारीख 23-12-80 और 24-12-80 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 23-ब के उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

14-226 GI/81

तारीख : 10-8-1981
मोहर

प्रकृष भार्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1148/एक्यू-11/81-82---
अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. नोद नं. 2965-ए, दिनगली फलिया है।
तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 17-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती हुनीफा बीबी काजुमिया, श्री रामसूब्दीन
फाजलुद्दीन, श्री हुसनुद्दीन फाजलुद्दीन, श्रीमती
नुरुद्दीन फाजलुद्दीन, श्री मोहयुद्दीन फासलुद्दीन,
श्रीमती मवीनाबीबी फाजलुद्दीन, श्रीमती लटीजा बीबी
फाजलुद्दीन, श्रीमती कुलसाम बीबी फाजलुद्दीन,
बादशाह चकला, धानगली फलिया, सूरत।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहमद सीदीक ईबाहीम खीनीवाला।
2. श्री अबदुलकावर ईबाहीम, जोक बाजार
सीदीवाड़, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मिलकर जो दिनगली फलिया, नोद नं. 3865-ए सूरत
यथाविधि तारीख 17-12-1980 में रजिस्ट्री क गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 10-8-1981
मोहर

प्ररूप आई.टी.एन्.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1149/एक्वी.-23-11/81
82--वत: मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी नॉव नं. 3965-बी. जमीन बीनगली फालिया
बावेका चकला सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 16-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
बन्धु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
द्वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री मीयामोहम्मद अबदेरेहमान।
श्री मीयामोहम्मद अबदेरेहमान।
श्री अबदुलरहीम अबदेरेहमान।
श्री अबदुलगनी अबदेरेहमान।
श्री अबदुलकरीम अबदेरेहमान।
श्रीमती अयीषाबीबी अबदेरेहमान, नाबुवानभाई।
बावेका चकला, बीनगली फालिया, सूरत।
(अन्तरक)

2. श्री अबदुलभाई अबदुलकादर चाकीवाला, चोक-
बाजार। नाच बिलडिंग। बाड नं. 1, नोव नं.
3896, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोव नं. 3965-बी बीनगली फालिया, सूरत
यथाविधि तारीख 16-12-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 10-8-1981
मोहर

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश नं० पी. आर. नं० 1386, अर्जन रेंज-23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 519 है। तथा जो बूधरेज में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठपान सीटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण किञ्चित में वास्तविक रूप से कतिपय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविकता; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नानू गंगा
2. श्री रुक्माङ्ग गंगा बूधरेज
3. वारसवार-अंषा गंगा के वारसवार
 - (1) रंभाबेन अंषा
 - (2) लभूबेन अंषा
 - (3) सगीर सूरजबेन अंषा

गाढीयन माना गया
बूधरेज

(अन्तरक)

2. (1) श्री महीयतलाल फस्तूरपई शाह
- (2) श्री दीनकर नगीनदास शाह
- (3) श्री राजेश नगीनदास शाह
- (4) श्री महेश महीयतलाल शाह
- (5) श्री अशोक महीयतलाल शाह
- (6) श्री हेमन्त अशोक महीयतलाल शाह,

सूरज नगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अपवादस्वरूप के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ऐसी लायक जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 3 एकड़ 31 1/2 गंठा है, जिसका सर्वे नं० 519 है तथा जो पश्चिमी दिशा में बूधरेज में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन तारीख 11-12-80 वाले जिक्री दस्तावेज नं० 3257 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 5-8-81

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 1388/अर्जन रंज/23-1/
81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. लेह नं. 5268 और 5269, 4733 और
4734 प्लॉट नं. 12 से है। तथा जो 14 और प्लॉट नं. 16 से
18., आरोग्यनगर, बीकानेर जिला, राजकोट में स्थित है
(और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बीकानेर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
19-12-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगितय
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
की अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. महेन्द्र ओइल के इन्डस्ट्रीज कम्पनी
भक्तिनगर स्टेशन प्लॉट राजकोट

(अन्तरक)

2. मेसर्स महेन्द्र एक्सपोर्ट इन्डस्ट्रीज
भक्तिनगर स्टेशन प्लॉट राजकोट

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

फैक्टरी मकान जिसका लेह. नं. 5268 और 5267, 4733
और 4734, प्लॉट नं. 12 से 14 और 16 से 18 जिसका कुल
क्षेत्रफल 1039-4-6 चौरस गज, 1039-4-1 चौरस गज
2079 चौरस गज और 328-6-6 चौरस गज है, तथा जो
आरोग्यनगर, बीकानेर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन
रजिस्ट्री ऑफिस बीकानेर वाले रजिस्ट्रार बिक्री दस्तावेज नं.
1198/19-12-80 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख . 10-8-81
मोहर

प्रकरण आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1387-अर्जन रेंज-1/81
82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं. प्लॉट नं. 477-ए. लटी प्लॉट पीपी और 477-
बी. है। तथा जो कोलकी रोड उपलेटा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, उपलेटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 8-12-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तब पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बान्धविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित ह—

1. श्री रामजी सीमणी एन्ड कंपनी
की ओर से भागीदार श्री जमनादास मंजीभाई
उपलेटा जिला राजकोट
(अन्तरक)
2. श्री वीठलदास देवराज एन्ड अधर्स
वीठलदास देवराज एन्ड कंपनी
नटवर रोड, उपलेटा
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्धस्ताधरो के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट नं. 477-ए. एन्ड 477-बी.
पीपी जिसका कुल क्षेत्रफल 1474-1-6 चोरस गज एन्ड 1522-
4-6 चोरस गज है तथा जो कोलकी रोड उपलेटा में स्थित है
तथा जिसका पूर्ण वर्णन रजिस्ट्री आफिस उपलेटा वाले रजिस्ट्रार
बिक्री दस्तावेज नं. 1686/8-12-80 में किया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 10-8-81
मोहर

श्रद्धा भाई, टी. एम्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1981

निवेदन नं. पी. आर. नं. 1150/एकमी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसका नोड नं. 1939 पंकी प्लॉट नं. 5 है तथा जो महादेव नगर, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण ने हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री क्रीष्ण कुमार लल्लू भाई। गांव उमराव। ता-बारदोली।

2. श्री वासनती भाई हिराभाई पटेल। गांव उमराव। ता-बारदोली।

3. श्री चन्द्रलाल जगन्नाथ पटेल। 85, साधना सोसायिटी। बराछा रोड। सुरत।

(अन्तरक)

2. (1) साधुराम हरिप्रसाद पटेल।

(2) कनसीलाल एस।

विजयकुंज प्लॉट को-ओ. हू सॉसिटी लिमिटेड
1, 2/808, हीरामोदी ह्योरी। साधामपुरा। सुरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्येकवर्ष के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मितकत जो नोड नं. 1939-पंकी जमीन महादेवनगर, सुरत में स्थित है। जो यथावधि तारीख 5-12-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रजि-11, अहमदाबाद

तारीख : 11-8-1981

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1981

निदेश नं. पी. आर. नं. 115-1/एकमी/23-11/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन पञ्चम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सरखे नं. 147, और 148 हैं। तथा जो मोजे जैन-कपुर 1, बेरोडा में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बेरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री किरन भाई मणिपाल पटेल, बेरोडा।

(अन्तरक)

2. श्री दलसुख भाई पटेल।, अशोक को-ह-सोसयीटी लिमिटेड। विभाग-4, 17, बनवन शिल्डिंग, सरदार भवन पास, जूबिली भाग, बेरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ शुरू कराईं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सुल्ला जमीन जो जिसका माप 2 एकरस और 16 गुणाछा पर जैनलपुर सरखे नं. 147/1, 148, जैनलपुर विसतार, बेरोडा नगर में स्थित है। जो बिक्रीक्रम नं. 6933 पर, सब रजिस्टार, बेरोडा के कार्यालय में तारीख 30-12-1980 में यथाविधि रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 11-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 अगस्त 1981

नि नं एफ न. पी.आर नं 1389/अर्जन रंज 23-1/
81-82—अत मूके, जी.सी.गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु से अधिक है
और जिसकी स सर्वे नं. 54-2, मेमनगर, टी.पी.एस
नं. 1 है, तथा जो अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बीबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री बलदेवजी छगनजी ठाकुर, श्री जीवाजी छगनजी
ठाकुर, श्री रमेशभाई छगनजी ठाकुर, ठाकुरवास
मेमनगर, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री बाबुभाई हिराभाई भट्ट, जेयरमेन न्यू अजली
को.-ओ.-हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, भाग्यलक्ष्मी
सोसायटी, पीकर फैक्टरी के नजदीक, नवा वाडज,
अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि अब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन मेमनगर में स्थित है जिसका सर्वे नं. 54-2,
टी.पी.एस. नं. 1, तथा दिसम्बर, 1980 महीने में रजिस्ट्री
किया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 11-8-1981
माहुर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश नं. पी. आर. नं. 1153/एकवी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. बंगोडा कासबा सर्वे नं. 476-1-ए-2 है, तथा जो फाइनल प्लॉट नं. 331, गोखले कालोनी, दीनेश मिल्स के पास, बरोडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरोडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री अब्दुल मजीद गुलाम हुसैन मलिक, सयूर एपाट-मेन्टम, फत्तेगन्ज, बरोडा।

(अन्तरक)

(2) (1) पुनेन्द्रकुमार नटवरलाल चौहान। (2) देवप्रसाद नटवरलाल चौहान, दोनों रहवाले 16, गोखले, कालोनी, दीनेश मिल्स के पास, बरोडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो बंगोडा कासबा सर्वे नं. 479-1-ए-2, फाइनल प्लॉट नं. 331 (16---गोखले कालोनी) और जो संपूर्ण वर्णन में विक्रीय नं. 4420 पर बरोडा सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 30-12-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

जी. सी. गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. पि. आर. न. 1152/एकवी/23-11/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. आर. एस. न. 777/2 है, तथा जो एस. टी. डिवाइजनल ऑफिस के पश्चिम भाग, पालनपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालनपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 80 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री पटेल देवाभाई चेलोभाई, एलीयास गामी, गांव गाद, पालनपुर तालुका।

(अन्तरक)

(2) श्री जयन्तीलाल भीखाभाई गांधी, घनेरा गांव, बेनासकान्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान जो पालनपुर कसबा सिम, आर. एस. नं. 777/2 (भाग) और जो सम्पूर्ण वर्णित पर विक्रीवत नं. 2759 पर पालनपुर सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में पहला पाक्षिक दिसम्बर महीने, 1980 रजिस्ट्री की गयी है। (फार्म नं. 37-एन के सर्टिफिकेट पर)।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अगस्त 1981

निर्देश सं. रंफ नं. पी आर नं. 1390 अर्जन रंज 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 146, इन्कमटैक्स फ्लेट के नजदीक है, तथा जो मेमनगर रोड, अहमदाबाद में जमीन स्थित है में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-12-1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

(1) (1) श्री हिरालाल डाह्याभाई मोदी, सेंट जेवियर्स हाइस्कूल रोड, नवरंगपुरा, अहमदाबाद, (2) रमेशचंद्र डाह्याभाई मोदी, मदन गोपाल हवेली, गुसा पाराख पोल, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भवानी फोजमल चौधरी, महादेवनगर बी. नं. 7, नवरंगपुरा, स्टैंडियम के नजदीक, अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मेमनगर में जमीन स्थित है, सर्वे नं. 146 है तथा दिनांक 18-12-1980 के दिन रजिस्टर्ड किया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 13-8-1981

मोहर :-

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. रेफ न. पी आर न. 1391 अर्जन रैंज 23-1/
81-82—अत मूक्रे, जी. सी. गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी स मकान का नाम "राम बसोरा" है, तथा जो
स्टेशन रोड, भीड़ नाका, भुज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अभि-
कारी के कार्यालय, भुज में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 16-12-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्रे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण या हुई किसी आय को मिला, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

(1) (1) श्रीमती तारामतीबेन प्राणलाल शाह, (2) श्री
नरेन्द्रकुमार प्राणलाल शाह, (3) श्री रोहितकुमार
प्राणलाल शाह, (4) श्री वीखीलकुमार प्राणलाल शाह,
(5) कुमारी नीता प्राणलाल शाह, जनता घर
वाणिवावाड, भुज (कच्छ)।

(अन्तरक)

(2) श्री वसन्तकुमार माधवजी कारीया, संयुक्त
कुटुंब के कर्ता, श्री प्रभात उर्फ वसन्तकुमार
माधवजी कारीया, शैल मदन केम्प एरिया, भुज।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान रैन बसोरा नाम से प्रख्यात है जिसका कुल क्षेत्रफल
18,000 चौरस फिट है तथा जो स्टेशन रोड, भुज में स्थित
है जिसका पूर्ण वर्णन 16-12-80 वाले बिक्री दस्तावेज नं.
2193 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जन रैंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश सं. रोफ नं. पी आर नं. 1392 अर्जन रज 23-1/
81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. 407-अ-बी, प्रभुदास तालाब के नजदीक,
है, तथा जो भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
को कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 3-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री धीरजलाल अमृतलाल पंड्या, प्लॉट नं. 405,
नर्मकुज, प्रभुदास तालाब के नजदीक, भावनगर
(अन्तरक)
- (2) श्रीमती मधुकान्ता मंगलदास वसानी, कनबीबास
वांकीडिया शरी, माधव निवास, भावनगर।
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होगी तो 15 दिनों पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 1080 चौरस वार है तथा
जिसका प्लॉट नं. 407-अ-बी है तथा जो प्रभुदास तालाब के
नजदीक, भावनगर में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 3-12-
80 वाले बीकी वस्तावेज नं. 2387 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख . 12-8-1981
सोहर ॥

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश न रफेन पी आर न 1393 अर्जन रज 23-1/
81-82—अत मझे, जी सी गर्ग,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिससे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी म वाड न 7, सर्वे न 222 एण्ड न 2115
है, तथा जो भावनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री मजीभाई रावजीभाई पटेल, श्रीमती सम्बने
मजीभाई पटेल, श्री एम एम पटेल, 6-ए,
आनन्तवाडी, भावनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री नागजीभाई कानजीभाई पटेल, निर्मल नगर,
भावनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका कल क्षेत्रफल 601 92 चौरस वार है
तथा जिसका सर्वे वाड न 7, सर्वे न 222 एण्ड 2115 है
तथा जो भावनगर में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन दिनांक
5-12-80 वाले बिक्री दस्तावेज में जिसका रजिस्ट्री न 121
में दिया गया है।

जी सी गर्ग

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख 12-8-1981

मोहर .

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश नं. रेफ नं. पी आर नं. 1394 अर्जन रंज 23-1/
81-82—अस. मूके, जी. सी. गर्ग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं. पी. 148 का टी. पी. एस. 22 है, तथा
जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 18-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में वर्णित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्रीमती हेमबेन देवेन्द्रभाई की ओर से एम. पी.
कार्पोरेशन, 3, एम. पी. अपार्टमेंट्स, पालडी,
अहमदाबाद।

(अन्तरक)

(2) राजगृह अपार्टमेंट्स ओनर्स असोसियेशन की ओर से
चेअरमैन श्री एम. एच. शाह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों ने
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में कृत-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 650 चौरस
बार है जिसका एफ. पी. नं. 148 का टी. पी. एस. 22 है,
तथा जो पालडी, अहमदाबाद में स्थित है, जिसका पूर्ण वर्णन
दिनांक 18-12-1980 वाले बिक्री दस्तावेज नं. 16028 एण्ड
16029 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश नं. रेफ नं. पी आर नं. 1395 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. सीटी सर्वे नं. 8, 11 (हिस्सा), 16-ई/7 है, तथा जो जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-12-1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

(1) (1) श्री शामलदाम वसराब मामटोरा, (2) श्री रमिकलाल शामनदास मामटोरा, (3) श्री महेश-कुमार शामलाल मामटोरा, सोरियम के नजदीक, जामनगर।

(अन्तरक)

(2) अरिहत अपार्टमेंट्स को. आ. हाउसींग सोसायटी लिमिटेड, के/आ. महावीर मेडीकल स्टोर्स, राजेन्द्र रोड, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 4585' 11" चौरस फिट है, जिसका सीटी सर्वे नं. 8, 11 (हिस्सा) 16 ई/7 एण्ड जिसका पूर्ण वर्णन 30-12-1980 वाले बिक्री दस्तावेज नं. 3148 जो सब रजिस्ट्रार, जामनगर की आफिस में रजिस्ट्री किया है उनमें दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 12 अगस्त 1981

निर्देश नं. रेफ नं. पी आर नं. 1396 अर्जन रज 23-1/81-82--अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सहायक प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. सर्वे नं. 81, 83, 84 पैकीनी टी.पी.एस. 1 है, तथा जो घाटलोडिया, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितीयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1--

(1) नरेंद्र अंबालाल रामी, जीयफोर निवास, नवरंग हाईस्कूल रोड, स्टेडियम के नजदीक, अहमदाबाद। (अन्तरक)

(2) स्वप्नसिद्धा को. आ. हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष 1--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित हैं; वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 64775 चौरस वार है, जिसका सर्वे नं. 81 पैकी 83 पैकी 84 पैकी एंड 88 पैकी का टी.पी.एस. 51 है, तथा जो घाटलोडिया, जिला अहमदाबाद में स्थित है, तथा जिसका पूर्ण वर्णन 29-12-1980 वाले बिक्री दस्तावेज नं. 16139 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1, अहमदाबाद

तारीख : 12-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अगस्त 1981

निदेश नं. रेफ नं. पी आर नं. 1397 अर्जन रंज 23-1/81-82—अतः मुझे, जी. सी. गर्ग, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. 5564 एण्ड 5565 का शीट नं. 481 है, तथा जो शाहपुर मंगल पारखे का खांचा, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) भानुप्रसाद चंदलाल परीख, लालबहादूर की हवेली, मेहता चाल, बैक रोड, बड़ोदा। (अन्तरक)

(2) मैं शेट एंड सन्स की ओर से भागीदार (1) श्रीमती लीलावती कान्तीलाल सेठ, (2) कान्तीलाल पूंजीलाल सेठ, (3) डा. मनोजकुमार कान्तीलाल सेठ, (4), दीपक कान्तीलाल सेठ, 1174, सालवी की चाल, रायखण्ड, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के कार्य-वाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 234 चौरस वार है जिसका सर्वे नं. 5565 एण्ड 5564 है, एम. एस. नं. 3344-4, 3344-5, 3344-6 का शीट नं. 48 है, तथा जो शाहपुर वाड लल्लुभाई चाल, मंगल पारखे का खांचा में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 15-12-1980 वाले बिक्री दस्तावेज नं. 15024 एण्ड 15047 में दिया गया है।

जी. सी. गर्ग
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-1, अहमदाबाद

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 14-8-1981
मोहर

प्ररूप आर्.टी.एन.एस.-----

(1) श्री वेव प्रसाद कर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) जी हला बोल

भारत सरकार

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं. ए. सी.-26/आर-11/कल/81-82—यत्, मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. मकान, 10/14 है तथा जो नगेन्द्र नाथ रोड, थाना - दमदम, कलकत्ता-28 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस. आर. काशीपुर, दमदम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

क्षेत्रफल : 4 कठ्ठा (वो तल्ला मकान) मकान नं. 10/14, नगेन्द्र नाथ रोड, थाना - दमदम, कलकत्ता-28 पर।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-11, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधि 5—

तारीख : 10-8-1981
मोहर 3

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री शफाली दत्त ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-11, 54, रफीअहमद किच्चाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. सी. 24/आर-11/कल./81-82—यतः,
मूके, के. सिंहा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. प्लॉट नं. 147 है तथा जो लोक टाउन, ब्लॉक 'ए', 24-परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर. ए. कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-12-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा की 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्विविध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्तादारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उा अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

क्षेत्र: 4 क. 6 छ. 31 वर्गफुट लोक टाउन, ब्लॉक-'ए' जि. 24-परगना, बाग नं. 147 बंखिए ।

के. सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, कलकत्ता

तारीख : 7-8-1981
मोहर 3

प्रारूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. सी. 41/रज-4/कल/81-82--अतः
मुझे, के. सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं. 52 है तथा जो गांधी रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
22-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री वुर्गा प्रसाद मारोविया, ताराचन्द साबू तथा
अन्य सब के सब बिरड़ा आफिसर्स हेल्थ रेस्ट
के ट्रस्टीज।

(अन्तरक)

(2) मानव उत्थान सेवा समिति।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

52, गांधी रोड, दार्जिलिंग स्थित सिलभारखेल नाम से परि-
चित सम्पत्ति के अंश।

के. सिंहा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-1। कलकत्ता

तारीख : 7-8-1981
मोहर :

प्रकरण आई. टी. एन. एस.—

(1) श्रीमती रीता घोष

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

(2) श्री निशीथ कुमार बटव्याल।

(अन्तरिती)

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन् रज-11, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. सी.-25/रज-11/कल/81-82—यतः, मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 13 है तथा जो हरिनाथ दे रोड, थाना-नारकोलडांगा, कल. 6 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डी. आर. अलिपूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधिर्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचत या अन्य वास्तविकताओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

क्षेत्रफल - 13, हरिनाथ दे रोड, पर 1 क. 8 छ. थाना - नारकोलडांगा, कलकत्ता - 6.

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन् रज-11, कलकत्ता

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) वि. युनाइटेड प्रमिन्सेस सुगर को. लि.।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

(2) अन्तलि बोस।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 5 अगस्त 1981

निर्देश स. ए. सी. 21-रंज-4/कल/81-82--यतः मझे,
के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक

और जिसकी सं. 279 और 279/1147 है तथा जो मोजा,
पि. एम. बेहला, 24 परगना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय आर ए. कल. में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-12-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य;
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उम्मेद करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि खेती जमीन पी. एस. बेहला, जि. 24-परगना, जो
बिधा, दलील नं. 7229 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-11, कलकत्ता

तारीख 5-8-1981
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री दूर्गा प्रसाद मानडोलिया ।

आमन्त्र अधिनियम, 1991 (1981 का 43) की धारा

(अन्तरक)

269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) डिवाइज लार्जट मिशन ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. सी. 42/रज-4/कल./81-82—यतः
मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं. 52 है तथा जो गान्धी रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थनाः—

17-226G1/81

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

सम्बन्धितः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

52, गांधी रोड, पि. एस. जिला दारजिलिंग में 3.597 एकड़ जमीन सब कुछ जैसे 1980 का दलिल सं. I-199598 पी. में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, 54, रफीअहमद कदवाह रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 7-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. सी. 43/रज-4/कल/81-82---
यतः, मुझे, के. सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है
और जिसकी सं. है तथा जो मौजा साहापर में स्थित है (और
इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), राजि-
स्ट्रीकटा अधिकांश के कार्यालय हावड़ा में, राजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
29-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पदमा दास।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स विनय इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कम्पनी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बांक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान समेत 7 कठ्ठा जमीन जिलापरिषद रोड, जिला -
हावड़ा पर स्थित। दस्तावेज संख्या - 1980 का 4593।

के. सिन्हा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-8-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री सुनील कुमार मुखर्जी।

(अन्तरक)

(2) श्री वासुदेव चक्रवर्ती।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश स. ए. सी. 44/रज-4/कल/1981-82---
यतः, मुझे, के सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी स 29/1 है तथा जो तारक सिद्धांत लेन में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हावड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
26-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसका दृश्यमान प्रतिफल से, एस दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम, का धारा 269 ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ---

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3क. 3छ - 11वर्ग फुट जमीन 29/1, तारक सिद्धांत
लेन, थाना - बाली, जिला - हावड़ा पर स्थित है। दस्तावेज
संख्या - 1980 का 4573।

के सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-4, 54, रफीअहमद किववाह रोड, कलकत्ता-16

तारीख 10-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस्.-----

(1) श्री सत्यजीत और सूरजीत मजूमदार।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

(2) श्री अरुण कुमार और चन्दन कुमार पाल।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश सं. ए. सी. 45/रंज-4/कल/1981-82
—यतः, मुझे, के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 76/30 है तथा जो अपीयर गार्डन में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिद्वारी के कार्यालय आमानसोल में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
8-12-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो श्री
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1 क. - 6छ. जमीन मकान समेत 76/30, अपीयर गार्डन,
जी.टी.रोड, आमानसोल पर स्थित है। दस्तावेज संख्या -
1980 का 5863।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-4, 54, रफीअहमद किववाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-8-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 अगस्त 1981

निर्देश स. ए. सी. 46-रंज-4/कल/1981-82/यतः, मुझे के. सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. है तथा जो अपीयर गार्डन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आसानमोन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 5-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकड़ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वर्णित अधीन :—

(1) श्री अजय कुमार और अमर पाल ।

(अन्तरक)

(2) श्री सत्यजीत और सुरजीत मजूमदार ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 6छ जमीन अपीयर गार्डन, आसानमोन पर स्थित है।
दस्तावेज संख्या 1980 का 5813।

के. सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-4, 54, रफीअहमद कियदाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 10-8-1981
मोहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 7 अगस्त 1981

निर्देश नं. ए एस आर/81-82/144—यतः मुझे आनंद
सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

अथ जिसकी में एक जायदाद है तथा जो निम्न मंडी गली
कधारिया-अमृतसर है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख दिनांक, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्व संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम्में दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप में कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उम्भ वृद्धि में परिवर्तन के लिए
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मोहन सिंह पुत्र सरमख सिंह और मनजीत कौर
पत्नी मोहन सिंह निम्नक मंडी अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती आशा रानी पत्नी इन्द्रजीत निम्नक मंडी
अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर म. 2 में और किरायदार हो।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

(4) और कोई
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर अपना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्तुत्ती

एक जायदाद जो निम्नक मंडी गली कधारिया अमृतसर में है
जैसा कि सेल डीड नं. 2848/1 दिनांक 17-12-80 आफ
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

आनन्द सिंह
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज-III, चंद्रपुरी अमृतसर

तारीख : 7-8-1981
मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सम्मिलित चिकित्सा सेवा परीक्षा 1982

नई दिल्ली, दिनांक 5 सितम्बर 1981

सं० एफ० 14/5/81-य-1 (ख) —संघ लोक सेवा आयोग द्वारा नीचे पैरा 2 में दी गई सेवाओं तथा पदों पर भर्ती हेतु 21 फरवरी 1982 को भगवतला, अहमदाबाद, ऐजल, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकता, चंडीगढ़, कोचीन, कटक, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, लखनऊ, मद्रास, नागपुर, पणजी, (गोवा) पटना, पोर्ट ब्लेयर, शिलांग, श्रीनगर और त्रिवेन्द्रम में एक सम्मिलित परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यद्यपि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिये उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जायेंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवक्षता पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नीचे पैरा 19(ii) देखिए)।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से संबंध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा। किन्तु जब कोई उम्मीदवार अपने इस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निश्चित किया था तो इसे मजिब, मध लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा भीखिय बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 21 जनवरी 1982 के बाव प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

2. जिस सेवाओं/पदों पर भर्ती की जाती है वे तथा भरी जाने वाली रिक्तियों की अनुमानित संख्या नीचे दी गई है:—

- (i) रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी—लगभग 25 रिक्तियाँ*
- (ii) आयुध तथा आयुध उपस्कर कारखाना स्वास्थ्य सेवा में कमिष्ठ वेतनमान पद लगभग (**) रिक्तियाँ*।
- (iii) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में कमिष्ठ वेतनमान पद—लगभग 300 रिक्तियाँ। (अ० जा० के उम्मीदवारों के लिए 45 और अ० ज० जा० के उम्मीदवारों के लिए 22 प्रारक्षित रिक्तियाँ सम्मिलित हैं)
- (iv) दिल्ली नगर निगम में सामान्य इयुटेड चिकित्सा अधिकारी ग्रेड II लगभग 100* रिक्तियाँ। इस संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है।

*अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों के अनुसार हो सकता है।

**रिक्तियों की संख्या सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के सम्बन्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन कर सकता है।

उम्मीदवारों को उचित समय पर सेवाओं/पदों के लिये अपना वरीयता क्रम बताना होगा।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन पत्र भेजने की आवश्यकता है। नीचे पैरा 5 में उल्लिखित शर्त भी उसे केवल एक ही बार देना होगा।

1—UPSC/81

उस प्रत्येक सेवा/पद के लिये अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

4. पात्रता की शर्तें

(क) राष्ट्रीयता:

उम्मीदवार को या तो:—

- (i) भारत का नागरिक होना चाहिए, या
- (ii) नेपाल की प्रजा, या
- (iii) भूटान की प्रजा, या
- (iv) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा ने पहली जनवरी 1962 से पहले भारत में आ गया हो या
- (v) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, और कीनिया, उगांडा तथा तंजानिया, भूतपूर्व तंगानिका और जंजीबार संयुक्त गणराज्य पूर्वी अफ्रीका के देशों में या जॉर्जिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ii), (iii), (iv) और (v) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजीबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवारों को भी जिसके लिये पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है परन्तु उसे निम्नलिखित प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

(ख) आयु-सीमा:—पहली जनवरी 1982 को 30 वर्ष से कम किन्तु 1982 में ली जाने वाली परीक्षा के लिये आयु सीमा में 1-1-1982 को 40 वर्ष तक की छूट दी जा सकती है।

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक पाँच वर्ष तक,
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और वह 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रव्रजन कर भारत आया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (iii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति का हो और वह 1 जनवरी 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) में प्रव्रजन कर आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (iv) यदि उम्मीदवार अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही अक्टूबर 1964 के भारत श्रीलंका करार के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ या आने वाला मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा, तंजानिया के संयुक्त गण राज्य भूतपूर्व टंगानिका और जंजीबार से प्रव्रजन किया हो या जॉर्जिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,

- (vii) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का है और भारत मूल का वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तथा कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य तंजानिया (भूतपूर्व तांजानिका तथा जंजीबार) से प्रजनन कर आया है या जाम्बिया, मलावी, जेरे तथा इथोपिया से भारत मूल का प्रत्यावर्तित व्यक्ति है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष,
- (viii) यदि उम्मीदवार 1 जून 1963 को या उसके बाद बर्मा में वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ भारत मूलक व्यक्ति हो, तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक,
- (ix) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति का हो और साथ ही 1 जून 1963 या उसके बाद बर्मा वस्तुतः प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूलक भारत व्यक्ति हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष तक,
- (x) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक तीन वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष के अथवा अशांति प्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए,
- (xi) रक्षा सेवाओं के उन कर्मचारियों के मामले में अधिक से अधिक आठ वर्ष तक जो किसी विदेशी देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांति-प्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए तथा उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए हों और जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के हैं
- (xii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसे पास भारतीय पार-पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष,
- (xiii) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तथा वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति (जिसे पास भारतीय पारपत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राज-दूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण-पत्र है तथा जो वियतनाम से जुलाई 1975 से पहले भारत नहीं आया है तो उसके लिए अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी स्थिति में छूट नहीं दी जाएगी।

आयोग जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गये प्रमाण पत्र या किसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत मैट्रिकुलेटों के रजिस्टर में दर्ज की गई हो और वह उद्घरण विश्व-विद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो या उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या उसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण पत्र में दर्ज हों, वे प्रमाण पत्र परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के बाद प्रस्तुत करने हैं।

आयु के सम्बन्ध में कोई अन्य दस्तावेज जैसे जन्म कृडली प्रमाणपत्र, नगर निगम से और सेवा अभिलेख से प्राप्त जन्म सम्बन्धी, उद्घरण, तथा अन्य ऐसे ही प्रमाण स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

अनुदेशों के इस भाग में आए हुए “मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र” वाक्यांश के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण पत्र सम्मिलित है।

टिप्पणी 1 -- उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग जन्म की वही तारीख को स्वीकार करेगा जोकि आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तारीख

को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण पत्र या समकक्ष परीक्षा के प्रमाण-पत्र में दर्ज है और इसके बाद जन्म में परिवर्तन के किसी अनुसूच पर न तो विचार किया जाएगा और न उसे स्वीकार किया जायेगा।

टिप्पणी 2 -- उम्मीदवार यह भी ध्यान रखें कि उनके द्वारा किसी परीक्षा में प्रवेश के लिये जन्म की तारीख एक बार घोषित कर देने और आयोग द्वारा उसे अपने अभिलेख में दर्ज कर लेने के बाद उसमें बाद में या किसी परीक्षा में परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(ग) शैक्षिक योग्यताएं

उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये उम्मीदवार फाइनेल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों में उत्तीर्ण हो।

टिप्पणी 1 -- वह उम्मीदवार भी आवेदन कर सकता है जिसे फाइनेल एम० बी० बी० एस० परीक्षा दे ली है या जिसकी अभी देनी है। यदि ऐसे उम्मीदवार अन्यथा पात्र हुए तो उन्हें उक्त परीक्षा में प्रवेश दे दिया जायेगा परन्तु उनका प्रवेश अन्तिम रहेगा तथा फाइनेल एम० बी० बी० एस० परीक्षा के लिखित तथा प्रायोगिक भागों को उत्तीर्ण करने का प्रमाण यथा शीघ्र और हर हालत में 15 जुलाई, 1982 तक प्रस्तुत न करने की स्थिति में रद्द कर दिया जायेगा।

टिप्पणी 2 -- उक्त परीक्षा में प्रवेश के लिये वह उम्मीदवार भी शैक्षिक रूप से पात्र है जिने अभी अनिवार्य गेटिंग इन्टरैक्शन पूरी करनी है, किन्तु जयन हो जाने पर उन्हें अनिवार्य गेटिंग इन्टरैक्शन पूरा करने के बाद ही नियुक्त किया जाएगा।

5 शुल्क

परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को आयोग को रु० 28.0 (अठ्ठाईस रुपए) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00 (सात रुपए) के शुल्क का भुगतान करना होगा जोकि सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नयी दिल्ली की स्टेट बैंक आफ इंडिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा जारी किए गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नयी दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर के रूप में ही विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त या विदेश स्थित प्रतिनिधि के कार्यालय में, जैसी भी स्थिति हो, जमा करना होगा ताकि वह “051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” के लेखाशीर्ष में जमा हो जाय और आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए। जिन आवेदन पत्रों में इस अपेक्षा की पूर्ति नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार किया जाएगा।

टिप्पणी I -- उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करते समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के सिरे पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल ऑर्डर के मामले में उम्मीदवार पोस्टल ऑर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिये निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

टिप्पणी II -- यदि कोई ऐसा उम्मीदवार 1982 की परीक्षा में प्रवेश हेतु आवेदन करने का हक्क है जिसे “केन्द्रीय सरकार के अधीन तथा दिल्ली नगर निगम में चिकित्सा पदों पर भर्ती हेतु सम्मिलित परीक्षा (1981)” थी है तो उसे परिणाम या नियुक्ति-प्रस्ताव का इन्तजार किए बिना आयोग के कार्यालय को अपना आवेदन पत्र निर्धारित तारीख तक अवश्य भेज देना चाहिए। यदि उसे 1981 की परीक्षा का परिणाम के आधार पर नियुक्ति हेतु अनुमति कर दिया जाता है तो 1982 की परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी उसके कहने पर रद्द कर दी जाएगी बशर्ते कि उम्मीदवारी रद्द करने और शुल्क वापसी का उसका अनुसूच आयोग के कार्यालय में 21 जनवरी, 1982 तक प्राप्त हो जाता है।

8. आवेदन कैसे करें

प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को नीचे परिशिष्ट III में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नयी दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। उम्मीदवार समाचारपत्रों या 'रोजगार समाचार' में प्रकाशित आवेदन-प्रपत्र मूल रूप में उपयोग कर सकते हैं और उसके कालम बाल पेन से भर सकते हैं। वे सफेद कागज (कुल स्कोप साइज) पर केवल एक तरफ सफाई के साथ डबल स्पेस पर टंकित आवेदन-प्रपत्र को भी प्रयोग में ला सकते हैं। उम्मीदवार प्राइवेट एजेंसियों से उपलब्ध छपे हुए आवेदन-प्रपत्र तथा उपस्थिति पत्रकों को प्रयोग में ला सकते हैं, बशर्ते कि वे इस विज्ञापन के परिशिष्ट III में प्रकाशित नमूने के अनुरूप हों। उम्मीदवार ध्यान रखें कि पिछली परीक्षाओं के लिये प्रयुक्त प्रपत्रों पर भरे गए आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

आवेदन-प्रपत्र के लिफाफे पर साफ-साफ बड़े अक्षरों में "सम्मिलित शिक्षा सेवा परीक्षा, 1982 के लिए आवेदन" लिखा होना चाहिए।

(क) उम्मीदवार को अपने आवेदन प्रपत्र के साथ निम्नलिखित प्रपत्र भेजने चाहिए :

(i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट/भारतीय पोस्टल ऑर्डर या भारतीय मिशन की रसीद, (ii) कुल स्कोप साइज पेपर पर विधिवत भरा हुआ उपस्थिति-पत्रक (नोचें परिशिष्ट III के अनुसार), (iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. × 7 सें. मी.) के फोटो को दो एक जैसी प्रतियाँ—एक आवेदन-प्रपत्र पर तथा दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लगी हों, (iv) एक पोस्ट कार्ड अपने पते के साथ, (v) 11.5 सें. मी. × 27.6 सें. मी. आकार के जिमा टिकट लग हुए दो लिफाफे अपने पते के साथ।

(ख) उम्मीदवार ध्यान रखें कि आवेदन प्रपत्र भरते समय भारतीय अंकों के केवल अन्तर्राष्ट्रीय रूप को प्रयोग करना है। बाह्य माध्यमिक स्कूल लोभने के प्रमाण-पत्र या समकक्ष प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख हिन्दी अंकों में दर्ज है, तो भी उम्मीदवार यह सुनिश्चित कर लें कि जो आवेदन-प्रपत्र बहु-प्रयोग में लाता है उसमें जन्म की तारीख भारतीय अंकों के अन्तर्राष्ट्रीय रूप में लिखी हो। वे इस बारे में विशेष सावधानी बरतें कि आवेदन-प्रपत्र में की गई प्रविष्टियाँ स्पष्ट और सुपाठ्य हों। यदि ये प्रविष्टियाँ पढ़ी नहीं जा सकती हैं या भ्रामक हैं तो उनके निर्वचन में होने वाला भ्रांति या संदिग्धता के लिये उम्मीदवार ही जिम्मेदार होंगे।

(ग) सभी उम्मीदवारों को, चाहे वे पहले से सरकारी नौकरी में हों या सरकारी औद्योगिक उपक्रमों में हों, या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में हों या गैर-सरकारी संस्थाओं में नियुक्त हों, अपने आवेदन-प्रपत्र आयोग को सीधे भेजने चाहिए, अगर किसी उम्मीदवार ने अपना आवेदन-प्रपत्र अपने नियोक्ता के द्वारा भेजा हो और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुँचा हो तो आवेदन प्रपत्र पर विचार नहीं किया जाएगा, बल्कि ही वह नियोक्ता को आखिरी तारीख के पहले प्रस्तुत किया गया हो।

जो व्यक्ति पहले से सरकारी नौकरी में हो, स्थायी या अस्थायी हैसियत से काम कर रहे हों, या किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त कर्मचारी हों, जिसमें आकस्मिक या दैनिक ढर पर नियुक्त व्यक्त शामिल नहीं हैं या जो लोक-उद्यमों में सेवारत हैं, उनको यह परिचयन (अंडरटेकिंग) प्रस्तुत करना होगा कि उन्होंने लिखित रूप से अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को सूचित कर दिया है कि उन्होंने इस परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

नोट: जिन आवेदन-पत्रों के साथ निर्धारित शुल्क संलग्न नहीं होगा या जो भ्रष्ट या गलत भरे हुए हों, उनको एकत्रित कर दिया जाएगा।

और किसी भी अवस्था में अस्वीकृत के संबंध में आवेदन या पत्र-व्यवहार को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

उम्मीदवारों को अपने आवेदन प्रपत्रों के साथ आयु और शैक्षिक योग्यता, तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आदि का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करना होगा। इसलिए वे इस बात को सुनिश्चित कर लें कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए पाठ्यता की सभी शर्तों को पूरी करते हैं या नहीं।

नोट: परीक्षा में उनका प्रवेश भी पूर्णतः अन्तिम होगा। यदि किसी बात की तारीख को सत्यापन करते समय यह पता चलता है कि वे पाठ्यता की सभी शर्तें पूरी नहीं करते हैं तो उनकी उम्मीदवारी रद्द हो जाएगी।

उम्मीदवारों से अपेक्षा है कि वे उक्त लिखित परीक्षा का परिणाम घोषित होने के बाद आयोग को जल्दी प्रस्तुत करने के लिए निम्नलिखित प्रमेय की अधि-प्रमाणित प्रतियाँ तैयार रखें :

1. आयु का प्रमाण-पत्र।
2. शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र।
3. जहाँ लागू हो, वहाँ परिशिष्ट I में निर्धारित प्रपत्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।
4. जहाँ लागू हो, वहाँ आयु/शालक में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र।

परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम की घोषणा के तत्काल बाद आयोग सफल उम्मीदवारों से अतिरिक्त सूचना प्राप्त करने के लिए एक प्रपत्र भेजेगा। उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की अधिप्रमाणित प्रतियाँ इस प्रपत्र के साथ आयोग को भेजी होंगी। मूल प्रमाण-पत्र साक्षात्कार के समय प्रस्तुत करने होंगे।

यदि उनके द्वारा किए गए दावे सही नहीं पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ आयोग द्वारा नीचे के पैरा 7 के अनुसार अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

7. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्मांकित कदाचार का बोधी है या बोधी घोषित हो चुका है :—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करना या
- (iv) जानी प्रलेखों या फेर बदल किये गए लेख प्रस्तुत करना या
- (v) अनुसूच या असत्य वक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना या
- (vi) उक्त परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के सम्बन्ध में किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाना या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाना या
- (viii) उत्तर पुस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो असली भाषा या असंगत भाषा की हों या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार करना या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुँचाई हो या

(xi) उपरके खंडों में उल्लिखित सभी या किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए किसी को उकसाया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग चलाया जा सकता है और साथ ही :—

(क) यह जिस परीक्षा का उम्मीदवार है उसके लिए प्रायोग द्वारा प्रयोग उठराया जा सकता है अथवा वह

(ख) (i) प्रायोग द्वारा उनकी किसी भी परीक्षा या चयन के लिए

(ii) केन्द्र सरकार द्वारा उनके अधीन किसी नियुक्ति के लिए ;

स्थायी रूप से या कुछ अवधि के लिए अयोग्य किया जा सकता है; और

(ग) अगर वह पहले से सरकारी नौकरी में हो तो उचित नियमावली के अनुसार अनुशासनिक कार्रवाई का पात्र होगा ।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक—

(i) उम्मीदवार को इस सम्बन्ध में लिखित अभ्यावेदन, जो वह देना चाहे, प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो और

(ii) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन, यदि कोई हो, पर विचार न कर लिया गया हो ।

8. आवेदन-पत्र लेने की अन्तिम तारीख :

भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को 2 नवम्बर, 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के और जिनके आवेदन उपर्युक्त में से किसी एक क्षेत्र से डाक द्वारा प्राप्त होते हैं, उनके मामले में 16 नवम्बर, 1981 तक या उससे पहले डाक द्वारा अवश्य भिजवा दिया जाए, या स्वयं प्रायोग के काउण्टर पर आकर जमा करा दिया जाए । निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा ।

असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम मणिपुर, नागालैण्ड त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर, राज्य के लद्दाख प्रभाग, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से प्रायोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 2 नवम्बर 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रह रहा था ।

नोट (i) जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं, उन्हें आवेदन-पत्र संगत काल में अपने पतों में अतिरिक्त समय के हकदार हलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का साथ न मिले ।

नोट (ii) उम्मीदवारों को सहाह्वी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र संघ लोक सेवा आयोग के काउण्टर पर स्वयं जमा कराए या रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें । प्रायोग के किसी कर्मचारी को दिए गए आवेदन-पत्र के लिए प्रायोग जिम्मेदार नहीं होगा ।

निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा ।

9. परीक्षा की योजना :—इस परीक्षा में निम्नलिखित का समावेश होगा :—

(क) लिखित परीक्षा—उम्मीदवार को निम्नलिखित चार विषयों से सम्बन्ध वस्तुपरक प्रश्नों वाले एक प्रश्न-पत्र (कोड नं० 01) जिसके अधिकतम 200 प्रश्न होंगे, में परीक्षा देनी होगी और प्रश्न-पत्र तीन घण्टे का होगा । प्रश्न-पत्र में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनसे निम्नलिखित चार विषयों का अधिक सम्बन्ध हो :—

(i) शिशु रोग विज्ञान सहित सामान्य प्रायु विज्ञान 40 प्रतिशत

(ii) क० ना० क० नेस विज्ञान, वर्ण विज्ञान और विकलांग विज्ञान सहित सर्जरी 20 प्रतिशत

(iii) परिवार कल्याण, मातृ तथा बाल कल्याण सहित निरोगिक प्रायुविज्ञान तथा सामुदायिक स्वास्थ्य तथा अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रम 20 प्रतिशत

(iv) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान 20 प्रतिशत

(ख) जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में अर्हता प्राप्त कर लें उनका व्यक्तिगत परीक्षण किया जाएगा । 200 प्रश्न

टिप्पणी :—“उम्मीदवार-सूचनार्थ-विवरणिका” जिसमें नमूने के प्रश्न सहित वस्तुपरक परीक्षण का विवरण उल्लिखित है, उम्मीदवारों को प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेजी जाएगी ।

10. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा से प्रायोग द्वारा अपनी विषया से निर्धारित न्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, उन्हें प्रायोग द्वारा व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा ।

किन्तु शर्त यह है कि यदि प्रायोग का यह मत हो कि अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन जातियों के पर्याप्त उम्मीदवार सामान्य स्तर के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण के हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाए जा सकते हैं तो प्रायोग अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को इनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर में छूट देकर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है ।

व्यक्तिगत परीक्षण के लिए होने वाला साक्षात्कार लिखित परीक्षा के अनु-पूरक के रूप में होगा जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सामान्य जानकारी और क्षमता की परीक्षा करना होता है और साथ-साथ ऐसा कि किसी व्यक्तिगत परीक्षण में होता है उम्मीदवारों की बौद्धिक जिज्ञासा समीक्षार्थक सूक्ष्म-ज्ञ की शक्ति संतुलित विवेचन क्षमता मानसिक जागरूकता सामाजिक सामंजस्य की क्षमता चारित्रिक सत्यनिष्ठा स्वतः प्रेरणा और नेतृत्व की योग्यता का भी मूल्यांकन किया जाता है ।

11. साक्षात्कार के बाद प्रत्येक उम्मीदवार को लिखित परीक्षा और व्यक्तिगत परीक्षण के अंकों में क्रमशः 60 प्रतिशत का महुरा देते हुए कुल मिला कर प्राप्त अंकों के आधार पर उम्मीदवारों की योग्यता के क्रम से प्रायोग द्वारा उनकी एक सूची तैयार की जाएगी और जितने उम्मीदवारों को प्रायोग इस परीक्षा में योग्य पाता है उनमें से उतने ही की उसी क्रम से नियुक्ति के लिए अनुसंधान किया जाता है जितनी अनारक्षित रिक्तियों को इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरने का निश्चय किया जाता है ।

परन्तु अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों से सामान्य स्तर के आधार पर जितनी रिक्तियाँ नहीं भरी जा सकती हैं उतनी के लिए स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को प्रायोग द्वारा अनुसंधान किया जा सकता है बशर्त कि परीक्षा में उनको योग्यता के क्रम से निरपेक्ष रूप से वे इस सेवा में नियुक्ति के योग्य हों ।

12. परीक्षा में बैठे उम्मीदवारों की व्यक्तिगत रूप से उमका परीक्षा परिणाम किस प्रकार और किस रूप में सूचित किया जाये इसका निर्णय आयोग स्वयं अपने विवेक से करेगा और परीक्षा परिणाम के सम्बन्ध में आयोग उसके साथ कोई पत्र-व्यवहार नहीं करेगा।

13. इस नोटिस के उपबन्धों के अधीन सफलता प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की नियुक्ति पर आयोग द्वारा उनकी योग्यता के क्रम से तैरार की गई सूची और उनके द्वारा अपने आवेदन पत्रों में विभिन्न पवों के लिये बताई गई बरीयता के आधार पर विचार किया जायेगा।

14. परीक्षा में सफल होने मात्र से नियुक्ति का कोई अधिकार तब तक प्राप्त नहीं होता जब तक आवश्यक पुष्टता के बाद सरकार इस बात से संतुष्ट न हो कि उम्मीदवार अपने चरित्र और पूर्ववत् के आधार पर उक्त सेवा में नियुक्ति के लिये सर्वथा उपयुक्त है। उम्मीदवार की नियुक्ति के लिये यह भी एक शर्त होगी कि उसके अनिवार्य रोटेटिंग इन्टरशिप सफलतापूर्वक पूरी कर लेने के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी संतुष्ट हो।

15. उम्मीदवार को मन और शरीर से स्वास्थ्य होना चाहिए और उसमें ऐसी कोई भी शारीरिक कमी नहीं होनी चाहिए जो उक्त सेवा के अधिकारी के रूप में कार्य करने का बाधक सिद्ध हो सके। सरकार या नियुक्ता प्राधिकारी जैसी भी स्मिति हो द्वारा निर्धारित इस प्रकार की शारीरिक परीक्षा में जो उम्मीदवार इन अपेक्षाओं को पूर्ण नहीं कर पाता है, उसकी नियुक्ति नहीं होगी। व्यक्तिगत परीक्षण के लिये योग्य घोषित किये गये सभी उम्मीदवारों को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा गठित चिकित्सा बोर्ड के पास शारीरिक परीक्षा के लिये भेजा जायेगा।

16. कोई भी व्यक्ति :—

(क) जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में करार कर लेता है जिसका कोई पति या पतिन जीवित है या

(ख) पति या पतिन के जीवित होते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से वैवाहिक सम्बन्ध बना लेता है या इस सम्बन्ध में कोई करार कर लेता है; इस सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि इस प्रकार का विवाह उस व्यक्ति और विवाह से सम्बन्ध दूसरे व्यक्ति पर लागू वैयक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के और भी आधार मौजूद हैं तो किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकता है।

17. उम्मीदवारों को सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिये अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

18. आयोग अपनी विधवा पर परीक्षा के लिये ग्रहण (क्वालीफाइंग) श्रेण निर्धारित कर सकता है।

9. 19. आयोग के साथ पत्र-व्यवहार :

निम्नलिखित को छोड़कर आयोग अन्य किसी भी मामले में उम्मीदवार के साथ पत्र-व्यवहार नहीं करेगा—

(i) आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र जिसमें वेर से प्राप्त आवेदन पत्र भी सम्मिलित है, की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी किया जाता है। इस तथ्य का कि उम्मीदवार को आवेदन पंजीकरण संख्या जारी कर दिया गया है अपने आप यह मतलब नहीं है कि आवेदनपत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है यदि परीक्षा से सम्बन्धित आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की बाबरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन

पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिये आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

(ii) इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि आवेदन पत्र का परिणाम कब सूचित किया जायेगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने के पड़ने तक उम्मीदवार को अपने आवेदनपत्र के परिणाम के बारे में संश्लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

(iii) किसी भी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा में तब तक प्रवेश नहीं दिया जायेगा जब तक उसके पास प्रवेश प्रमाण पत्र न हो।

केवल इस तथ्य का कि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के लिए प्रवेश प्रमाण-पत्र जारी कर दिया गया है यह भ्रम नहीं होगा कि आयोग द्वारा उसकी उम्मीदवारी अस्तित्व रूप से ठीक मान ली गई है या कि उम्मीदवार द्वारा अपने प्रारम्भिक परीक्षा के आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियां आयोग द्वारा सही और ठीक मान ली गई हैं। उम्मीदवार ध्यान रखें कि आयोग उम्मीदवार के लिखित परीक्षा के परिणाम के आधार पर व्यक्तिगत परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिये में ग्रहण प्राप्त कर लेने के बाद ही उसकी पात्रता की शर्तों का मूल प्रलेखों से सत्यापन का मामला उठाता है। आयोग द्वारा औपचारिक रूप से उम्मीदवारों की पुष्टि कर दिए जाने तक उम्मीदवारी अंतिम रहेगी।

उम्मीदवार उक्त परीक्षा में प्रवेश का पात्र है या नहीं है इस बारे में आयोग का निर्णय अंतिम होगा।

उम्मीदवार ध्यान रखें कि प्रवेश प्रमाण पत्र में कहीं-कहीं नाम तकनीकी कारणों से संक्षिप्त रूप में लिखे जा सकते हैं।

(iv) उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बचने हुए पते पर मिल जाया करें, पते में किसी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है, किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं कर सकता।

महत्वपूर्ण :—आयोग के साथ सभी पत्र-व्यवहार में नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से होना चाहिए :

1. परीक्षा का नाम।

2. आवेदन पंजीकरण सं० अथवा उम्मीदवार के जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है

3. उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा मोटे अक्षरों में)

4. आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता।

विशेष ध्यान : (i) जिन पवों में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभव है कि उन पर ध्यान न दिया जाए।

विशेष ध्यान (ii) : यदि किसी उम्मीदवार से कोई पत्र/संप्रेषण परीक्षा हो चुकने के बाद प्राप्त होता है तथा उसमें उसका पूरा नाम, अनुक्रमिक नहीं है तो इस पर ध्यान न देते हुए कोई कार्रवाई नहीं की जायेगी।

20. आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की पावती के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जायेगा।

21. इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं पर भर्ती की जा रही है उनके संक्षिप्त विवरण परिशिष्ट II में दिये गये हैं।

विनय झा, संयुक्त सचिव

परिशिष्ट I

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :-

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी*-----

-----सुपुत्र/सुपुत्री *श्री-----

-----जो गांव/कस्बा*-----

-----जिला/मंडल*-----

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र-----के /
की* निवासी हैं-----

-----जाति/जन जाति* के/की* है जिसे निम्नलिखित
के अधीन अनुसूचित जाति/जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) प्रादेश 1950*।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) प्रादेश 1950*।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) प्रादेश 1951*।

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र प्रादेश) 1951*।

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन-जातियां सूची प्राशोधन प्रादेश

1986, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश, राज्य अधिनियम, 1970, उत्तरपूर्व क्षेत्र (पुनर्गठन अधिनियम, 1971) और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां प्रादेश (संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां प्रादेश 1956*

संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन-जातियां प्रादेश 1959। अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां प्रादेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित।

संविधान (बादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जन जातियां प्रादेश 1962*।

संविधान (बादरा और नगर हवेली) (अनुसूचित जातियां) प्रादेश 1962*।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां प्रादेश 1964*

संविधान (अनुसूचित जातियां) (उत्तर प्रदेश) प्रादेश 1967*।

संविधान (गोवा दमन और दियू) अनुसूचित जातियां प्रादेश, 1968*

संविधान (गोवा दमन और दियू) अनुसूचित जन-जातियां प्रादेश, 1968*

संविधान (मांगलेश्वर) अनुसूचित जन-जातियां प्रादेश 1970।

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जाति प्रादेश, 1978

संविधान (सिक्किम) अनुसूचित जन जाति प्रादेश, 1978।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी*-----

और/या* उनका परिवार ग्राम और से गांव/कस्बा*

जिला/मंडल*-----

संघ राज्यक्षेत्र*-----
रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर-----

**पदनाम-----

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान-----

तारीख-----

राज्य/संघ राज्य क्षेत्र*

नोट—बहा "ग्रामतीर से रहते/रहती हैं" शब्दों का अर्थ बही होगा जो रिजर्वेशन भाग वि पीपुल्स एक्ट 1950 की धारा 20 में है।

*नागु शब्द न हों उन्हें कृपया काट दें।

**जाति/जनजाति प्रमाण पत्र करने के लिए सक्षम अधिकारी।

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/प्रतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/ कलेक्टर / डिप्टी कमिशनर/ऐबीथनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टार्चपेबरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ तारलूक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।
† प्रथम श्रेणी के स्टार्चपेबरी मैजिस्ट्रेट से कम भी हवे कानहीं।

(ii) चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ऐबीथनल चीफ प्रेसिडेंसी मैजिस्ट्रेट/ प्रेसीडेंसी मैजिस्ट्रेट।

(iii) रेवेन्यू अफसर जिसका मोहवा तहसीलवार से कम न हो।

(iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार ग्राम और से रहता हो।

(v) एडमिनिस्ट्रेटर/एडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डबलपमेंट अफसर (नक्ष- द्वीप)।

परिशिष्ट-II

इस परीक्षा के माध्यम से जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनके संक्षिप्त विवरण नीचे दिए गए हैं :-

I. रेलवे में सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी

(क) पद प्रत्यायी है और रूप 'क' में है। पद का वेतनमान रु० 700-40-900-रु० १०-40-1100-50-1250-रु० १०-50-1600 (परिशोधित वेतनमान) हैं। इसके अलावा समय-समय पर प्रवर्तित प्रादेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रीक्टिस निषेध होते भी होंगे। फिलहाल ये धरे चालू हैं :-

1-5 स्टेज	150-प्र० मा०
6-10 स्टेज	रु० 200-प्र० मा०
11-15 स्टेज	रु० 250-प्र० मा०
16वीं स्टेज से आगे	रु० 300-प्र० मा०

निजी प्रीक्टिस को प्रतिबन्धित या निषिद्ध करते हुए समय-समय पर रेलवे मन्त्रालय या अन्य उच्चतम प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए प्रादेशों का पालन करने के लिए उम्मीदवार बाध्य होगा। ओ उम्मीदवार सरकारी नौकरी में हो उनको उपर्युक्त वेतनमान में नियमानुसार प्रारंभिक वेतन दिया जायेगा। दूसरे शीर्षों को उपर्युक्त वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जायेगा।

(ख) उम्मीदवार को दो साल की परीक्षा पर नियुक्त किया जायेगा और आवश्यक समझा जाये तो सरकार इस अवधि को आगे बढ़ा सकती है। परीक्षा की अवधि को सम्पूर्णतः रद्द न करने पर वह प्रत्यायी हैसियत से उनको आगे चलाया जायेगा।

(ग) परीक्षा की अवधि में और उसके बाद प्रत्यायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने के नोटिस के द्वारा नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता

है। नोटिस के बढने एक महीने का वेतन देने का अधिकार सरकार अपने पास रखेगी।

(घ) उम्मीदवार को रेलवे मंत्रालय द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और सभी विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(ङ) उम्मीदवार रेलवे पेंशन नियमों से नियंत्रित होगा और राज्य रेलवे भविष्य निधि (गैर-प्रशासकीय) के समय-समय पर लागू नियमों के अधीन उस निधि का सदस्य बनेगा।

(च) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित और अपने स्तर के अधिकारियों पर लागू अवकाश नियमों के अनुसार अवकाश का अधिकारी होगा।

(छ) उम्मीदवार समय-समय पर प्रवर्तित नियमों के अनुसार निःशुल्क रेलवे पास और विशेष टिकट आदेशों का अधिकारी होगा।

(ज) उम्मीदवार को उसकी नियुक्ति के बाद दो साल के अन्दर हिन्दी परीक्षा में उत्तीर्ण होना पड़ेगा।

(झ) नियमानुसार, उपयुक्त पद पर नियुक्त प्रत्येक व्यक्ति को अपेक्षित होने पर किसी रक्षा सेवा में या भारत की रक्षा से संबंधित किसी पद पर कम से कम चार वर्ष की अवधि के लिए काम करना पड़ सकता है जिसमें किसी प्रशिक्षण पर व्यतीत अवधि शामिल है।

परन्तु उन व्यक्ति को

(क) नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष की समाप्ति के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ख) सामान्यतः 45 वर्ष की आयु हो जाने के बाद पूर्वोक्त रूप में कार्य नहीं करना होगा।

(ग) संगणनीय सेवा -- जो व्यक्ति इन नियमों के अधीन उन पदों पर नियुक्त होते हैं जिन पर भारतीय रेलवे स्थापना संहिता के नियम 2423-क [क०से०नि० 404 (ख)] में निर्धारित शर्तें लागू होती हैं, वे उस नियम में निर्दिष्ट उपबन्धों के लाभ के पात्र होंगे।

(ट) जो बातें ऊपर विनिर्दिष्ट रूप से कहीं गई हैं उनमें और अन्य मामलों में उम्मीदवार भारतीय रेलवे स्थापना संहिता और समय-समय पर परिशोधित/प्रवर्तित नियमों के अधीन कार्य करेगा।

(ठ) प्रारम्भ में उम्मीदवार को पारदर्शक स्थानों के रेलवे स्वास्थ्य केन्द्रीय औपचारिकताओं में नियुक्त किया जायेगा। सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारियों को किसी भी रेलवे में स्थानान्तरित भी किया जा सकता है।

(ड) उच्चतर ढाँचे में वेतनमान और भत्तों सहित पवोन्नति के अनुसार

(i) ऐसे सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी (वरिष्ठ वेतनमान) के पदों पर पवोन्नति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु० 1100-1800 है। जिसके साथ 1 से 9 तक की अवस्थाओं तक रु० 300/- प्रति मास सीमित प्रैक्टिस निषेध भत्ता तथा 10 अवस्था से आगे रु० 350/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता प्राप्त है।

(ii) ऐसे प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी/वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद पांच वर्ष की सेवा कर ली है, चिकित्सा अधीक्षकों के पदों पर पवोन्नति के पात्र हैं। इन पदों का वेतनमान रु० 1500-2000 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता प्राप्त है।

(iii) जैसा कि समय-समय पर विहित किया जाता है रु० 1500-2000 के ग्रेड में सेवा वर्षों की संख्या आधार पर चिकित्सा अधीक्षक/अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पदों पर पवोन्नति के पात्र हो जाते हैं। इस पद का वेतनमान रु० 2250-2500 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस भत्ता प्राप्त है।

(iv) ऐसे अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी जिन्होंने उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति के बाद दो वर्ष की सेवा कर ली है, मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पवोन्नति के पात्र हैं। इस पद का वेतनमान रु० 2500-2750 है तथा साथ में रु० 500/- प्र० मा० प्रैक्टिस निषेध भत्ता प्राप्त है।

(ब) कर्तव्य और वायित्व--

सहायक प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी :

- (i) वह प्रतिष्ठित और आवश्यक होने पर सीतरी बाड़ों और बाहरी चिकित्सा विभाग का काम देखेगा।
- (ii) वह लागू विनियमों के अनुसार उम्मीदवार और सेवारत कर्मचारियों की शारीरिक परीक्षा करेगा।
- (iii) वह अपने अधिकार क्षेत्र में परिचार नियोजन, लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता का काम देखेगा।
- (iv) वह विज्ञेताओं की जांच करेगा।
- (v) वह अस्पताल के कर्मचारियों में अनुशासन और कर्तव्य पालन के लिये उत्तरदायी होगा।
- (vi) वह अपनी विशेषज्ञता से सम्बद्ध कार्य, यदि कोई हो करेगा और अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विवरणियाँ और मांग पत्र तैयार करेगा।
- (vii) वह सभी उपकरणों का रख-रखाव और देखभाल अपने प्रभार में रखेगा।

नोट (1): जब सहा० प्र० बि० अ० किसी प्रभाग के मुख्यालय में प्रभागीय चिकित्सा अधिकारी के प्रभार के अधीन नियुक्त किया जाता है तो वह प्रभागीय चिकित्सा के सभी कर्तव्यों में उसे सहायता देगा किन्तु विशेष रूप से उसको कुछ कार्य और वायित्व भी सौंपे जा सकते हैं।

नोट (2): सहा० प्र० बि० अ० को समय-समय पर सौंपे गये अन्य कर्तव्य भी निभाने होंगे।

II. रक्षा मंत्रालय के अन्तर्गत आयुध तथा आयुध उपस्कार कारखाना स्वास्थ्य सेवा में सहायक चिकित्सा अधिकारी के पद--

(क) पद रुप 'क' में अस्थायी किन्तु यथावधि स्थायी किया जा सकता है। वेतनमान रु० 700-40-900-ब० रो०-40-1100-50-1300 है तथा साथ में समय-समय पर लागू आदेशों के अनुसार प्रतिबन्धित प्रैक्टिस निषेध भत्ता (प्र० नि० स०)। इस समय वर निम्नलिखित है:--

1-5 स्टेज	रु० 150/- प्रतिमास
6-10 स्टेज	रु० 200/- प्रतिमास
11 स्टेज से आगे	रु० 250/- प्रतिमास

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जाएगा। यह अवधि सशस्त्र प्राधिकारी की विवक्षा पर घटाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा अवधि संतोषजनक ढंग से समाप्त करने पर उन्हें स्थायी रिक्रि पर स्थायी कि० जाने तक अस्थायी हैसियत से रखा जा जाएगा।

(ग) उम्मीदवार को भारत में कहीं भी किसी आयुध कारखाना अस्पताल या औषधालय में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(ङ) परीक्षा की अवधि के और उसके बाद अस्थायी नियुक्ति के दौरान दोनों तरफ से एक महीने का नोटिस देकर नियुक्ति को समाप्त किया जा सकता है। सरकार को नोटिस के बढने एक महीने का वेतन देने का अधिकार होगा।

(च) उच्चतर ग्रेडों के वेतनमान और भत्तों सहित पदोन्नति के अवसर :-

(i) वरिष्ठ वेतनमान--वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम 5 वर्ष की सेवा रखने वाले अधिकारी वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/सहायक निदेशक स्वास्थ्य सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के लिये पात्र होंगे। वेतनमान ₹ 1100-50-1800 है तथा साथ में निम्नलिखित वर्गों पर प्रैक्टिस निषेध होता है--

1-3 स्टेज	₹ 250/- प्रतिमास
4-5 स्टेज	₹ 300/- प्रतिमास
6-7 स्टेज	₹ 350/- प्रतिमास
8-9 स्टेज	₹ 400/- प्रतिमास
10-11 स्टेज	₹ 450/- प्रतिमास

(i) सुपर टाइम ग्रेड-II--प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा

वरिष्ठ वेतनमान में 5 वर्ष की सेवा और स्नातकोत्तर योग्यता रखने वाले अधिकारी प्रधान चिकित्सा अधिकारी/उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड-II में पदोन्नति के लिए विचार किये जा सकते हैं। वेतनमान ₹ 1500-60-1800-100-2000 है तथा ₹ 600/- प्र.मा. की दर से ₹ 0 नि. भ.।

(iii) सुपर टाइम ग्रेड-I निदेशक स्वास्थ्य सेवाएँ

प्रधान चिकित्सा अधिकारी और उप-निदेशक स्वास्थ्य सेवा 6 वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर ₹ 2250-125/2-2500 प्रतिमास तथा साथ में ₹ 600/- प्र.मा. की दर से प्रैक्टिस निषेध भत्ते के वेतनमान वाले निदेशक स्वास्थ्य सेवा के सुपर टाइम ग्रेड-I में नियुक्ति के पात्र होंगे :

(घ) कार्यस्वरूप--(1) सहायक चिकित्सा अधिकारी :

(i) वे प्रतिदिन और आवश्यक होने पर अस्पताल के बाहों के विभागों के अंतरंग रोगियों और औषधालय/विविध विभागों के रोगियों को देखेंगे।

(ii) वे नियमों के अनुसार कर्मचारियों और नौकरी के लिए आने वाले उम्मीदवारों की स्वास्थ्य की परीक्षा करेंगे।

(iii) वे सभी उपस्कर्णों का रख रखाव और देखभाल अपने प्रभाग में रखेंगे।

(vi) वे अपने अधिकार क्षेत्र में परिवार कल्याण, लोक स्वास्थ्य और कर्मचारियों के औद्योगिक स्वास्थ्य का कार्य देखेंगे।

(v) वे अस्पताल और औषधालय के कर्मचारियों के प्रशिक्षण अनुशासन और कर्तव्यपालन के लिए उत्तरदायी होंगे।

(vi) वे नियमानुसार प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा सौंपे गए अन्य कार्य भी करेंगे।

(2) जी.बी.ओ. ग्रेड I--स्वास्थ्य सेवा सहायक निदेशक और वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा.से. सं. नि. स्वा.से. उ. के निदेशन पर चिकित्सा संबंधी सभी विषयों में कर्तव्य निभाने में उनकी सहायता करेगा।

(ख) अनुभाग अधिकारी के रूप में चिकित्सा अनुभाग को दैनिकी कार्य करने में वह स्वा.से. नि. स्वा.से. उ. नि. की सहायता करेगा।

(ग) समय-समय पर स्वा.से. नि. स्वा.से. उ. नि. द्वारा सौंपे गए दूसरे कार्य भी उसको करने होंगे।

(घ) चिकित्सा भंडार और उपस्कर से संबंधित सभी प्रश्नों का समाधान करने में वह स्वा.से. नि. की सहायता करेगा।

(ङ) व.चि.प्र. 75 परलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना के प्रभारी होंगे।

(ब) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुमति करते रहेंगे।

(छ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।

(ज) वे किसी संविधि या सरकारी आदेश के निहित या स्वा.से. नि. द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य भी करेंगे।

(3) सुपर टाइम ग्रेड-II--स्वास्थ्य सेवा उप निदेशक और प्रधान चिकित्सा अधिकारी

(क) मुख्यालय में पदस्थ स्वा.से. उ. नि. स्वा.से. नि. के द्वारा निदिष्ट उनके सभी कार्यों में उनकी सहायता करेगा।

(ख) स्वा.से. नि. की गैर हाजिरी छुट्टी या वीरे की अवधि में वह कारखाना महानिदेशक के आदेशानुसार स्वा.से. नि. के रूप में कार्य करेगा।

(ग) व.चि.प्र. 75 परलंग वाले किसी कारखाना अस्पताल और वहाँ की चिकित्सा स्थापना का प्रभारी चिकित्सक अधिकारी रहेगा।

(घ) प्रभारी चिकित्सा अधिकारी के रूप में वह चिकित्सा संबंधी सभी मामलों में कारखाना महाप्रबन्धक के सलाहकार रहेंगे और आवश्यक अनुमति देते रहेंगे।

(ङ) नियमानुसार वे कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के लिये चिकित्सा का प्रबंध करेंगे।

(ब) किसी संविधि या सरकारी आदेश में निहित या स्वास्थ्य सेवा निदेशक द्वारा सौंपे गये अन्य कार्य भी वे करेंगे।

(4) सुपर टाइम ग्रेड-I--स्वास्थ्य सेवा निदेशक

(क) चिकित्सा और स्वास्थ्य संबंधी सभी मामलों में कारखाना महा निदेशक का चिकित्सा सलाहकार--व्यावसायिक और प्राथमिक समस्त मामलों में कारखाना महानिदेशक संगठन की चिकित्सा स्थापना का नियन्त्रक प्राधिकारी कारखाना महानिदेशक द्वारा प्रवृत्त सभी प्रशासनिक अधिकारों का यह उपयोग करेगा।

(ख) सरकार द्वारा स्वीकृत प्रतिवेदनों/अनुमतिपत्रों का कार्यान्वयन करने के लिये यह योजनाएँ तैयार करेंगे।

(ग) नियन्त्रक प्राधिकारी के रूप में वह आवश्यकतानुसार कारखानों में कर्मचारियों का वितरण करेंगे।

(घ) संघ लोक सेवा आयोग में सामान्यतः कारखाना महानिदेशक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

(ङ) सामान्यतः वर्ष में एक बार वह सभी कारखानों का निरीक्षण करेंगे या करा लेंगे और चिकित्सा स्थापना से संबंधित सभी मामलों में चिकित्सा प्रतिष्ठानों की कार्यविधि के संबंध में कारखाना महानिदेशक को प्रतिवेदन भेजेंगे।

(ब) वह स्वा.से. उ. नि. की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट लिखेंगे और समस्त व.चि.प्र. व.चि.प्र. और स.चि.प्र. की रिपोर्टों की समीक्षा करेंगे।

III. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के अधीन कनिष्ठ वेतनमान के पदों के संक्षिप्त विवरण

(क) उम्मीदवारों को कनिष्ठ ग्रेड 'क' वेतनमान में नियुक्त किया जाएगा और नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष की अवधि तक वे परीक्षा के अधीन रहेंगे। यह अवधि सख्त प्राधिकारी के निर्णय पर बढ़ाई या बढ़ाई

जा सकती है। परीक्षा की अवधि की संतोषजनक समाप्ति के बाद उनको पचासम कनिष्ठ वेतनमान (रु० 700-1300) में स्थायी बनाया जाएगा।

(ख) उम्मीदवारों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा में सम्मिलित किसी भी संगठन के अधीन किसी भी शोधालय या अस्पताल में भारत में कहीं भी नियुक्त किया जा सकता है। अधीन दिल्ली, बंगलौर, बम्बई, मेरठ आदि में चालू के० स० स्वा० से० कोयला खान/माइका खान अथवा कल्याण संगठन, असम राइफल, अरुणाचल प्रदेश, लक्षद्वीप, अंजमान एवं निकोबार द्वीप समूह आदि तार विभाग आदि। प्रयोगशाला और परामर्श सेवा सहित किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस निषिद्ध है।

(ग) निम्नलिखित वेतनमान प्राप्य हैं:—

कनिष्ठ प्रूप 'क' वेतनमान

परिशोधित वेतनमान : रु० 700-40-900-रु० रो०-40-1100-50-1300। प्रे० नि० अ०

1	—	5 स्टेज	रु० 150 प्र०मा०
6	—	10 स्टेज	रु० 200 प्र०मा०
11वीं स्टेज से आगे			रु० 250 प्र०मा०

जो अधिकारी कनिष्ठ वेतनमान में कम से कम पांच वर्ष की सेवा पूरी करते हों, वे अरिष्ठ वेतन में पदोन्नति के पात्र होंगे।

अरिष्ठ वेतनमान प्रूप 'क'

परिशोधित वेतनमान : रु० 1100-50-1600

	प्रे० नि० अ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० 250 प्र०मा०
4 से 6 स्टेज तक	रु० 300 प्र०मा०
6 से 7 स्टेज तक	रु० 350 प्र०मा०
8 से 9 स्टेज तक	रु० 450 प्र०मा०
10 से 11 स्टेज तक	रु० 450 प्र०मा०

अरिष्ठ वेतनमान में 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले अधिकारी रु० 1500-2000 के वेतनमान में सुपर टाइम ग्रेड-I में नियुक्ति के पात्र हो जायेंगे बशर्ते कि उम्मीदवारों के पास स्नातकोत्तर योग्यताओं के साथ आवश्यक योग्यताएं हों।

विशेषज्ञ का ग्रेड-II

परिशोधित वेतनमान : 1100-50-1500-रु० रो०-60-1800

	प्रे० नि० अ०
1 से 3 स्टेज तक	रु० 300 प्र०मा०
4 से 6 स्टेज तक	रु० 350 प्र०मा०
7 से 9 स्टेज तक	रु० 400 प्र०मा०
10 से 12 स्टेज तक	रु० 450 प्र०मा०
13 से 14 स्टेज तक	रु० 500 प्र०मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड-II—आठ वर्ष की सेवा पूरी करने वाले और आवश्यक योग्यताओं से युक्त अधिकारी पदोन्नति पर भरी जाने वाली 50 प्रतिशत रिक्तियों में विशेषज्ञ के ग्रेड-I में पदोन्नति के लिए विचार क्षेत्र में आते हैं।

विशेषज्ञों का ग्रेड-I

परिशोधित वेतनमान : रु० 1800-100-2000/125/2-2250

प्रे० नि० अ०

सुपर टाइम ग्रेड-II

रु० 600 प्र०मा०

परिशोधित वेतनमान : रु० 1500-60-1800-100-2000।

प्रे० नि० अ०

रु० 600 प्र०मा०

विशेषज्ञों के ग्रेड-I या सुपर टाइम ग्रेड-II के पदधारी अधिकारी नियमित रूप से इन में से किसी भी ग्रेड में छह वर्ष की सेवा पूरी करने पर सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II पर पदोन्नति के विचार क्षेत्र में आते हैं।

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II

परिशोधित वेतनमान : रु० 2500-125/2-2750।

प्रे० नि० अ०

रु० 600 प्र०मा०

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-I

परिशोधित वेतनमान

रु० 2500-125/2-2750

प्रे० नि० अ०

रु० 600 प्र०मा०

सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-I में की रिक्तियों को उम्मीदवारों से भरा जायेगा जो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II में दो वर्ष की सेवा पूरी कर चुके हों। अगर यह संभव नहीं हुआ तो सुपर टाइम ग्रेड-I स्तर-II और विशेषज्ञों के ग्रेड-I सुपर टाइम ग्रेड-II में कुल मिलाकर 8 वर्ष की सेवा से युक्त या वह भी संभव नहीं हुआ तो विशेषज्ञों के ग्रेड-I और सुपर टाइम ग्रेड-II में से किसी भी ग्रेड में आठ वर्ष की सेवा से युक्त अधिकारियों से भरा जाएगा।

IV. सामान्य इयूटी बिकिसा अधिकारी ग्रेड-II दिल्ली नगर निगम

(क) वर्ग 'क' का पद अस्थायी है किन्तु यथावधि स्थायी हो सकता है। वेतनमान रु० 700-40-900-रु० रो०-40-1100-50-1300 त साथ में समय-समय पर लागू प्रादेशों के अनुसार प्रतिबंधित प्रैक्टिस निषेध बत्ता (प्रे० नि० अ०) वेतनमान वरें इस प्रकार हैं:

1 से 5 स्टेज	रु० 150/- प्र०मा०
6 से 10 स्टेज	रु० 200/- प्र०मा०
11 स्टेजों से आगे	रु० 250/- प्र०मा०

(ख) उम्मीदवार नियुक्ति की तारीख से 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षा पर रहेगा। यह अवधि सकल अधिकारी के विवेकानुसार बढ़ाई या बढ़ाई जा सकती है। परीक्षा की अवधि को संतोषजनक ढंग से पूरा कर लेने के बाद वह स्थायी रिक्ति पर स्थायी किए जाने की अवधि तक अस्थायी पद पर कार्य करता रहेगा।

(ग) उम्मीदवार को दिल्ली नगर निगम के क्षेत्राधिकार में किसी भी अस्पताल/शोधालय/प्र० एवं शि० क० तथा परिवार कल्याण केन्द्र/प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों आदि में नियुक्त किया जा सकता है।

(घ) किसी भी प्रकार की निजी प्रैक्टिस करना मना है।

(ङ) परीक्षा की अवधि तथा बाद की अस्थायी हैसियत से नियोजन की अवधि में दोनों वर्गों में से किसी भी ओर से नियुक्ति समाप्ति की जा सकती है। दिल्ली नगर निगम को नोटिस के स्वाग पर एक माह का वेतन देने का अधिकार है।

पदोन्नति की संभावनाएं जिसमें ऊंचे ग्रेडों से सम्बद्ध वेतनमान तथा भत्ते सम्मिलित हैं वर्तमान नियमावली के उपबन्धों के अनुसार होंगी।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 22nd July 1981

No. A.32014/4/80-Admn.III.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri R. P. Singh, a permanent Estate Supervisor of this office, to officiate as Estate Manager and Meeting Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on an *ad-hoc* basis for a period of three months with effect from 20-7-81, or until further orders, whichever is earlier.

Y. R. GANDHI
Under Secretary,
for Secy.

New Delhi-110011, the 13th July 1981

No. A.11016/1/76-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri M. C. Khorana, a permanent officer of Grade A of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the C.S.S. cadre of the Union Public Service Commission w.e.f. 5th July, 1981 until further orders, under proviso to Rule 10 of the C.S.S. Rules 1962.

No. A.11016/1/76-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri N. Namasivayam, Section Officer of the C.S.S. cadre of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officer in the Office of Union Public Service Commission with effect from 6th July, 1981 until further orders.

2. Shri N. Namasivayam shall draw special pay @ Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(I), dated 11th December 1975.

Y. R. GANDHI
Under Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 13th August 1981

No. PF/J-62/68-Ad.I.—Shri J. M. Mehta, an officer of Gujarat State Police, on deputation to the CBI as Inspector of Police, is relieved of his duties in the CBI, Ahmedabad Branch on the afternoon of 21-7-81 on repatriation to Gujarat State Police.

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)

DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110022, the 13th August 1981

No. F.2/29/81-Estt.(CRPF).—The President is pleased to confirm the following officers in the rank of Assistant Commandant in the CRPF :—

S/Shri

1. Ravi Kumar
2. G. S. Tiwana
3. S. V. Mohd.
4. B. S. Negi
5. P. S. Sambial
6. Jai Prakash
7. A. K. Anand
8. I. S. Gill
9. K. S. R. Nair
10. M. S. Sandhu
11. Pritam Singh
12. V. M. Karikath
13. Mohinder Vikram Singh
14. Vishva Dev Tokas
15. Puran Singh

S/Shri

16. J. S. Dawson
17. Surender Singh Rawat
18. Kashi Nath Singh
19. Haribans Singh Rai
20. Hukam Singh Negi
21. Umrao Singh
22. Balram Singh Negi
23. Sumer Singh Yadav
24. B. S. Narang
25. Devender Kumar
26. Pushkar Singh
27. Gurcharan Singh
28. Prakash V. Belgamkar
29. Deep Narain Singh Bisht
30. D. V. J. N. Raju
31. J. S. Rana
32. P. Prasad
33. K. S. Rana
34. J. Choudhury
35. J. S. Bisht
36. K. L. Wahi
37. J. L. Kapoor
38. V. N. Roy
39. P. N. Mahajan
40. A. S. Chahal
41. Diwakar Mishra
42. Ganesh Kumar
43. Mangal Singh Gill
44. H. C. Sood
45. M. S. Sethi
46. F. Savarappa
47. U. B. S. Teotia
48. R. N. Sharda
49. J. N. Chetiapatra
50. Richpal Singh
51. Ramesh Chander
52. N. S. Irom
53. B. K. Vohra
54. S. Verma
55. Surendra Nath

The 14th August 1981

No. O.II-1595/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Mohendra Kumar Dwivedi as General Duty Officer Grade-II (Dy. S.P./Coy Commander) in the C. R. P. Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 21st July, 1981 subject to his being Medically fit.

A. K. SURJ
Assistant Director (Estt.)

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF E.A.)
INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th August 1981

No. 852/A.—The Undersigned is pleased to appoint Shri Y. R. K. Murthy, Pay & Accounts Officer, India Security Press, Nasik Road, as Accounts Officer, India Security Press, on deputation with effect from the forenoon of 20th July, 1981 for a period of one year on usual terms and conditions of deputation.

P. S. SHIVARAM
General Manager

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 9th August 1981

F. No. BNP/C/5/81.—The undersigned is pleased to appoint Shri S. K. Shukla, permanent Junior Supervisor

(Intaglio Plate making) as Technical Officer (Printing and Platemaking) in the Bank Note Press, Dewas on *ad-hoc* basis in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 (Group 'B' Gazetted) with effect from 4-8-81 for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

This *ad-hoc* appointment does not confer any prescriptive rights on the appointee for continuing in the post or being appointed thereto on a regular basis and the *ad-hoc* appointment can be discontinued at any time without assigning any reason.

M. V. CHAR
General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF
THE ACCOUNTANT GENERAL, ANDHRA PRADESH
Hyderabad, the 13th August 1981

No. Admn.I/8-132/81-82/197.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri B. Nageswara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 29-7-81 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/197.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri A. Venkateswara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 30-7-81 A.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

No. Admn.I/8-132/81-82/197.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri S. Ramababu a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 31-7-81 F.N. until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors, and also subject to the result of the writ petitions pending in the A.P. High Court/Supreme Court.

R. HARIHARAN
Senior Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL-II,
WEST BENGAL
(LOCAL AUDIT DEPARTMENT)

Calcutta-100001, the 10th July 1981

No. LA/Admn./44.—The condition precedent to the grant of pro-forma promotion under "Next below rule" below F.R. 31(1) having been fulfilled Shri Bibhuti Bhusan Das-I, permanent Section Officer of this office, now on deputation to the Food Corporation of India as Assistant Manager (Accounts), Burdwan, has been granted pro-forma promotion on *ad-hoc* and provisional basis as an Officiating Asstt. Examiner of Local Accounts, West Bengal in the scale of pay of Rs. 840-40-1200 in his parent office with effect from 28-2-81 afternoon, the date from which his immediate junior Shri Manoj Kanta Bhattacharya took over charge in this office and until further orders.

2. It should be clearly understood that the pro-forma promotion is purely provisional during the pendency of the Rule in Calcutta High Court case and will be subject to the final decision of the Court filed against Union of India and others under C.R. Case No. 14818(W) of 1979.

3. This office notification No. LA/Admn./601, dated 9-6-80 in so far as it related to the officiating promotion of Shri B. B. Das-I as an officiating Assistant Examiner of Local Accounts, West Bengal from the date of his taking over charge as Assistant Examiner may be treated as cancelled.

B. N. DUTTA CHOWDHURY
Examiner of Local Accounts
WEST BENGAL

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT
DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 24th July 1981

No. 2251/A.Admn./130/79-81.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint S/Shri J. P. Chadha and M. P. Purushu, substantive members of Subordinate Accounts Service, to officiate as Audit Officers, with effect from 30-5-1981 and 12-6-81 respectively, until further orders.

I. P. SINGH
Joint Director of Audit, D.S.

MINISTRY OF DEFENCE
D.G.O.F. HQRS., CIVIL SERVICE
ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 1st August 1981

No. 15/81/A/E-1.—On attaining the age of superannuation, Shri Satyendra Nath Sarkar, Subst. & Permt. Assistant/Offg. Assistant Staff Officer retired from service with effect from 31-7-81 (A.N.).

D. P. CHAKRAVARTY
ADGOF/Admin.
for Director General
ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 10th August 1981

No. 4/81/A/M.—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers as Senior Medical Officers in Ordnance Factories Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders:—

Sl. No.	Name	Posted at	Date
(1)	Dr. S. K. Biswas	Ordnance Factory, Katni	26-3-81 (FN)
(2)	Dr. (Miss) K. Subaiya	Vehicle Factory, Jabalpur	29-12-8 (FN)
(3)	Dr. N. B. Dasgupta	Ordnance Factory, Bhusawal	29-12-80 (FN)
(4)	Dr. M. K. Dam	Ordnance Factory, Ambajhari	08-12-80 (FN)
(5)	Dr. R. K. Shah	Ordnance Factory, Chanda	23-5-81 (FN)

No. :5/81/A/M.—On attaining the age of Superannuation (i.e. 58 years), the following permanent Assistant Surgeon Gr. I (redesignated as Assistant Medical Officer) retired with effect from the date shown against him:—

Sl. No.	Name & Designation	Factory	Date
1.	Dr. R.K. Paul, Senior Medical Officer	Ordnance Factory Katni	28-2-81 (AN)

No. 6/81/A/M.—The President is pleased to appoint the following Assistant Medical Officers in Ordnance Factories with effect from the dates indicated against each until further orders.

Sl. No.	Name & Post	Posted at	Date
1.	Dr. P. Munnivenkata-ramaiah Asstt. Medical Officer.	Clothing Factory, Avadi	26-11-80 (FN)
2.	Dr. K. Ramesh Babu Asstt. Medical Officer	Ordnance Factory, Varangaon	10-1-81 (FN)
3.	Dr. Krupanidhi Naik Asstt. Medical Officer	Vehicle Factory, Jabalpur	25-1-81 (FN)
4.	Dr. D. R. Waghmare Asstt. Medical Officer	Vehicle Factory, Jabalpur	08-2-81 (FN)
5.	Dr. Dharendra Kumar Sendha Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Varangaon	10-2-81 (FN)
6.	Dr. Saroj Kant Sahoo, Asstt. Medical Officer	Metal & Steel Factory, Ishapore	10-2-81 (FN)
7.	Dr. Jagadananda Mishra, Asstt. Medical Officer.	Gun Carriage Factory, Jabalpur	15-2-81 (FN)
8.	Dr. Madan Lal Kandara Asstt. Medical Officer.	Ordnance Factory, Dehra Dun.	20-5-81 (FN)

R.G. DEOLALIKAR,
Addl. DGO/Member (Per.)

Calcutta, the 6th August 1981

No. 29/81/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) Shri R. Venkatesan, Offg. Asstt. Manager Subst. & Permt. Foreman retired from service w.e.f. 30-6-81 (A.N.).

The 10th August 1981

No. 30/G/81.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob.) with effect from the dates shown against them, until further orders:—

Sl. No.	Name	Date of joining
1.	Shri V. K. Thakral	4-2-1981
2.	Shri K. Pratap	24-2-1981
3.	Shri Rakesh Kumar	12-3-1981
4.	Shri S. Sundaram	1-4-1981
5.	Shri Om Prakash Kushwaha	15-5-1981

V. K. MEHTA
Assistant Director General Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 12th August 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 1/2/81-ADMN(G)/4722.—The President is pleased to appoint Shri J. P. Singhal, CSS Grade I Select List 1980 and Controller of Imports and Exports to officiate in Grade I of the CSS and as Deputy Chief Controller of Imports and

Exports in this office purely on *ad-hoc* and temporary basis for the period from 22nd April, 1981 to 30th June, 1981.

A. N. KAUL

Dy. Chief Controller of Imports and Exports
For Chief Controller of Imports and Exports

(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 31st July 1981

No. CER/1/81.—In exercise of the powers conferred on me by clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968 namely:—

In the said Notification—

1. In paragraph 1, after item (vii) and provisos (i) to (iv) appearing thereafter, the following shall be added as item (VIII), namely:—

“(viii) Notwithstanding anything contained in items (i) to (vii) and provisos (i) to (iv) appearing thereafter, in respect of “controlled dhoty”, “Controlled saree” and “Controlled Longcloth” produced by a producer under the National Textile Corporation (hereinafter called NTC) having a spinning plant and packed on or after the 1st July, 1981—

(a) the maximum ex-factory price shall be NTC cost per sq. metre calculated on the basis of the formula approved by the Government *inter-alia* taking into account actual capacity utilisation, actual interest and zero return in respect of mills participating in the production of controlled cloth, reduced by Rs. 2/- per square metre for controlled dhoty and controlled saree and by Rs. 1.50 per sq. metre for controlled longcloth.

(b) the maximum ex-factory price, of seconds as defined in para VI (4) (e) of the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969 shall be 10% less than that of the maximum ex-factory price as determined in accordance with sub-item (a) above.

(c) the maximum retail price shall be 15% over the ex-factory price as determined in accordance with sub-items (a) or (b) above as the case may be.”

No. CER/3/81.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 22 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated the 19th September, 1969 namely:—

1. In the said notification, in paragraph II—

(a) in the Note (i) below sub-paragraph (2), after the words, “Form ‘C’ or ‘C(P)’ the words, “or Form A” shall be inserted.

(b) Sub paragraphs (3) (4) & (5) shall be deleted.

2. In the said notification, after Note II below paragraph II B thereof, the following shall be added as Note III, namely:—

“Note III: that in respect of controlled dhoty, controlled saree and controlled longcloth produced by a producer under the National Textile Corporation having a spinning plant and packed on or after the 1st July 1981—

(a) Notwithstanding anything contained in paragraphs IIA & IIB of the said notification, the maximum consumer price shall mean the retail price as prescribed under sub-paragraph (VIII) (C) of paragraph I of the Textile Commissioner's notification No. CER/1/68, dated the 2nd May, 1968 plus the Excise Duty payable at the time of clearance. In addition to the markings to be made in accordance with

paragraph II above, the maximum consumer price shall be stamped on the cloth as specified herein below:

(i) In the case of controlled longcloth and controlled saree which is printed and packed in running length, on the face plait and also on every metre at a height not exceeding 2.54 cms. from the selvedge—the words,

"MAXIMUM CONSUMER PRICE PER METRE INCL. EXCISE DUTY" and the amount of such maximum consumer price per metre in figures and the words, "OCTROI EXTRA"

(ii) In the case of controlled dhoty and controlled saree packed in singles, on the face plait, the words, "MAXIMUM CONSUMER PRICE PER PIECE, INCL. EXCISE DUTY" and the amount of such maximum consumer price per piece in figures, and the words, "OCTROI EXTRA".

(iii) In the case of controlled dhoty and controlled saree packed in pairs, on the face plait and also on the other end of the second piece, at a height not exceeding 2.54 cms. from the selvedge, the words, "MAXIMUM CONSUMER PRICE PER PIECE INCL. EXCISE DUTY" and the amount of such maximum consumer price per piece in figures and the words "OCTROI EXTRA".

No. CER/4/81.—In exercise of the powers conferred on me by Sub-clause (2) of Clause 23 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/4/65, dated the 24th April, 1965, namely :-

In the said Notification,

1. After item (3) of paragraph 1, the following proviso shall be added namely :-

"Provided that in respect of 'controlled dhoty', 'controlled saree' and 'controlled long cloth' which is the subject matter of item (viii) of para 1 of the Textile Commissioner's Notification No. CER/1/68 dated 2nd May, 1968 and which is stamped with maximum consumer price as prescribed in Note-III below paragraph 11B of the Textile Commissioner's Notification No. CER/3/69, dated 19th September, 1969, true and accurate information shall be furnished in the manner specified in items (1), (2) (3) above in Form-A annexed hereto after Form-C(P)."

2. After Form-C(P), the following form shall be added namely :-

FORM 'A'

Form of particulars to be furnished to the Textile Commissioner in respect of each quality of mill manufacture

Price Fixation for the quarter _____

Name of Mill _____

Location _____

1. (a) Mill Serial No. as stamped on cloth _____

(b) Code No. with suffix if any _____

2. Full description of cloth (in final finished state) _____

3. (a) Distinguishing mark, if any _____

(b) Trade mark or Trade No. if any _____

4. DIMENSIONS _____

Loom State Calendered and OR Finished

(a) Width in Centimetres _____

(b) Length in Metres _____

(c) Weight in Kilograms _____

5. Reed per inch (2.54cm) _____

6. Picks per inch (2.54cm.) _____

7. Average Count (English Count) _____

8. Reed space in Centimetres _____

9. Tape Length in Metres _____

(a) (b) (c)
Grey Bleached Coloured

10. No. of ends:-

(i) Wrap _____

(ii) Border _____

(iii) Selvedge _____

11. (a) In case of dyed yarn, state whether Sulphur, Vat, Naph- Sulphur/Vat/Naphthol: thol etc. and depth of shade _____
(Light, Medium, Dark and Very Dark and the percentage consumption in case of naphthol dyes).
Depth of shade : _____

11. (b) Actual Weight of Yarn. _____

Description	Counts		Calculation- Weight of yarn (actual without addition for wastage)	Remarks
	In French count	In equiva- lent English count		
1	2	3	4	5

(a) Wrap :

(b) Weft :

(c) Border/Selvedge

Yarn :

(d) Special Yarn, if any used :

12. (a) width of border in Centimetres and inches _____

(b) State whether border is Plain/Dobby/Jacquard _____

13. If the cloth is piece-dyed, state nature of dye _____

(a) Whether Sulphur/Vat/Naphthol/Re-active etc. (including rapid fast and rapidogens) _____

(b) Depth of Shade (Light/ Medium/Dark/Very Dark) _____

(c) The percentage of dye consumption on the weight of the fabric in the case of Naphthol Dyes. _____

14. In case of printed cloth, state:

(i) No. of colours used _____

(ii) The percentage of area of fabric covered by printing _____

15. Type of processing :

Mercerising :

Whether mercerised, if so state the strength of Caustic Soda

and whether bleaching done
before and after mercerising
in done

16. Date of commencement of pack-
ing of the cloth

17. If the variety is not in conformity
with Production Control Order
or if it is reserved for Handloom
Industry

(a) No. and date of permission
granted by Textile Com-
missioner for production

(b) If no permission is granted,
state the reason for produc-
tion and the quantities pro-
duced or expected to be
produced

18. Price calculation as defined in para I(viii) of Textile Com-
missioner's Notification No. CER/1/68 dated 2-5-68 as
amended and Notification No. CER/3/69 dated 19-9-69
as amended.

Sl. No.

Code No.

Description :

(a) Maximum ex-factory price/
Mtr/piece

(b) Retail price/Mtr/piece.

(c) Excise duty per Metre/per
piece

(d) Maximum consumer price
per Mtr/per piece

19. Excise duty calculations

Linear Mtr. Square Mtr

(a) Yarn duty

(b) Handloom Cess

(c) total

20. Yarn duty calculations :

(A) Duty paid at Spindle Point

Weight of yarn per linear Mtr. of cloth for Excise purpose.

(1) Wrap Yarn

(2) Weft Yarn

(3) Border Yarn

B) Duty paid at fabric stage :

weight of yarn in loom-state per linear Mtr. of cloth for
excise purpose.

(1) Wrap yarn

(2) Weft Yarn

(3) Border Yarn

Waste percentage adopted for calculating excise duty.

(C) Interest on yarn duty per linear metre.

I certify that the particulars given above are true and in
accordance with facts and that the fabric referred to in this
form has actually undergone the various treatments/procedures

mentioned in the form and price stamped on the cloth is in
accordance with the declarations made in this form.

Station

Signature of

Date

Mill Manager/Secretary."

SURESH KUMAR
Additional Textile - Commissioner

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 12th August 1981

No. Jute(A)/147/58.—The Jute Commissioner hereby
appoints Shri K. P. Das, Assistant Director (Exports) Group
'B' as Assistant Director (Economic) Group 'A' (Gazetted)
in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1000-50-1300/- in an
ad hoc officiating capacity in this office w.e.f. 1-8-1981 (F/N)
until further orders vice Shri D. N. Sinha proceeded on
leave.

D. K. GOSWAMI,
Administrative Officer
for Jute Commissioner.

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 13th August 1981

No. A-17011/194/81-A 6.—The Director General of Supp-
lies and Disposals has appointed Shri Syed Mahmood Pasha,
Examiner of Stores (Engg.) in the Madras Inspection Circle
to officiate on *ad hoc* basis as Asstt. Inspecting Officer
(Engg.) in the office of Director of Inspection, Bombay with
effect from the forenoon of 8th July, 1981 and until further
orders.

P. D. SETH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 10th August 1981

No. A. 19012(147)/81-Estt.A.—On the recommendation of
the Departmental Promotion Committee Shri Syed Riyaz Ulla
M. Officiating Senior Technical Assistant (Ore Dressing) is
Promoted to officiate as Assistant Research Officer (Ore-
Dressing) in Indian Bureau of Mines with effect from the
forenoon of 8th June, 1981.

S. V. ALLI,
Head of Office
Indian Bureau of Mines

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 13th August 1981

No. 5(13)/68-SI.—The Director General, All India Radio,
hereby appoints Shri B. N. Goyal, Transmission Executive,
All India Radio, Rohtak as Programme Executive, All India
Radio, Rohtak in a temporary capacity on an *ad hoc* basis
with effect from 13th July, 1981 and until further orders.

No. 5(51)/68-SI.—The Director General, All India Radio,
hereby appoints Shri Kirpa Shankar Ram, Transmission
Executive, All India Radio, Darbhanga as Programme Exe-
cutive, All India Radio, Kohima in a temporary capacity on
an *ad hoc* basis with effect from 8th June, 1981 and until
further orders.

H. C. JAYAL,
Dy. Director of Administration.
for Director General.

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 7th August 1981

No. A. 19025/12/81-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Dhanraj Parashram Ukey has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Bangalore with effect from 10-7-1981 (F. N.), until further orders.

The 10th August 1981

No. A-19025/11/81-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Shiv Kumar Motiramji Kolhatkar has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Guntur with effect from 13-7-81 (F.N.), until further orders.

No. A-19025/16/81-A.III.—Shri Dev Kumar, Senior Inspector, has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Jammu, on *ad hoc* basis, with effect from 16-7-1981 (F. N.), until further orders.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

TRACTOR TRAINING CENTRE

Hissar-125001, the 10th July 1981

CORRIGENDUM

No. 2-11/73-PF.—Please read the last line of this office notification of even number dated 28-11-80 as "in a Temporary Capacity until further orders" instead of "in a purely temporary capacity until further orders" as mentioned in the notification in question.

K. S. YADAV,
Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 23th June 1981

No.S-1068/Estt.II/2696.—Consequent on his transfer to Madras Atomic Power Project, Kalpakkam Shri Shrirang Janardan Shenai, a permanent Upper Division Clerk and officiating Assistant Accounts Officer in this Research Centre has relinquished the charge of Assistant Accounts Officer in this Research Centre on the afternoon of April 6, 1981.

The July 10, 1981

No. 5/1/81-Estt. II/2952.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Accounts Officer II/Assistant Accounts Officer for the period shown against their names:-

Sl. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	to
1.	Shri S. J. Shenai Asstt. Accounts Officer	Accounts Officer II	2-3-1981	31-3-1981 AN
2.	Shri G. V. Mandke Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	15-12-1980	17-1-1981 AN
			20-1-1981	21-2-1981 AN
			2-3-1981	31-3-1981 AN
3.	Shri T. K. Ramamoorthy Asstt. Accountant	Asstt. Accounts Officer	3-3-1981	30-4-1981 AN

No. 5/1/81/Estt.II/2953.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Assistant Personnel Officer for the period shown against their names:

Sl. No.	Name and Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To
1.	Shri S. R. Pinge, S.G.C.	APO	9-3-81	24-4-81 AN
2.	Shri P. B. Karandikar, Assistant	APO	16-3-81	24-4-81 AN
3.	Shri A. K. Katre, Assistant	APO	20-4-81	22-5-81 AN
4.	Shri J. V. Naik, Assistant	APO	27-4-81	30-5-81 AN
5.	Shri B. M. Naik, S.G.C.	APO	27-4-81	16-6-81 AN
6.	Shri V. P. Kulkarni, Assistant	APO	4-5-81	6-6-81 AN
7.	Shri J. A. Lasne, Assistant	APO	4-5-81	12-6-81 AN
8.	Shri I.C. Antony Assistant	APO	4-5-81	12-6-81 AN

S. KRISHNAMURTHY
Dy. Establishment Officer

Bombay-400085, the 29th June 1981

No. PA/68(6)/77-R-V.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre extends the appointment of Shri Upadhyay Radhe Shyam as Scientific Officer/Engineer Grade SB in Beryllium Pilot Plant Project of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of June 30, 1981 on fixed term for a period upto the afternoon of September, 30 1980.

V. R. PATGAONKAR,
Dy. Establishment Officer.

Bombay-400085, the 31st July 1981

No. PA/76(2)/80-R-III.—On transfer from Regional Accounts Unit of D.P.S., Kota Shri Prahalad Seshagiri Rao, Accounts Officer-II has assumed charge of Accounts Officer-II in Bhabha Atomic Research Centre with effect from the forenoon of July 15, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON,
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Kota, the, 13 August 1981

No. RAPP/Rect/3(2)/81/S/194.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following Non-Gazetted Technical staff presently serving in the Rajasthan Atomic Power Project to the grade mentioned against each, in the same Project in a temporary capacity with effect from the dates shown against each until further orders :

Sl. No.	Name & Designation	Post to which appointed	Date of which assumed charge
1.	Shri J. N. Verma /F/man	SO/SB	1-2-1981
2.	Shri P.B. Chatterjee, SAC	SO/SB	1-2-1981
3.	Shri S. K. Rastogi, Scientific Asstt. 'C'	SO/SB	1-2-1981

1	2	3	4
4.	Shri K. K. Mehta, Scientific Asstt. 'C'	SO/SB	1-2-1981
5.	Shri T. Joseph, Foreman	SO/SB	1-2-1981

M.D. GADGIL
Administrative Officer (E)
for Chief Project Engineer.

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

Thane-401504, the 11th August 1981

ORDER

No. TAPS/WC/38/71.—WHEREAS Shri N. V. Raut, while working as Tradesman 'A' in TAPS, remained unauthorisedly absent from duty from 10-3-81.

AND WHEREAS a memorandum No. TAPS/2/WC/38/71/7188 dated July 23, 1981, was issued to the said Shri Raut, calling upon him to return to duty immediately, which Memorandum was sent by Registered Post A.D. to the last known address to Shri Raut viz. At Savraipada, PO: Tarapur, Tal. Palghar, District—Thana, Maharashtra.

AND WHEREAS the said Memorandum was returned by the postal authorities with a remark to the effect that the addressee was not found;

AND WHEREAS the said Shri Raut has failed to resume duty but continued to remain unauthorisedly absent without informing TAPS of his whereabouts.

AND WHEREAS the said Shri Raut is guilty of unauthorised by absents from duty and voluntarily abandoning service;

AND WHEREAS because of his abandoning the service without keeping APS informed of his whereabouts, the undersigned is satisfied that is not reasonable practicable to hold an inquiry against Shri Raut as provided in Rule 14 of the CSS (CC&A) Rules 1965.

AND NOW THEREFORE, the undersigned in exercise of the power conferred by Rule 19(ii) of the CCS (CC&A) Rules 1965, hereby removes the said Shri Raut from service with immediate effect.

P. UNNIKRISHNAN,
Chief Administrative Officer

cc : Shri NV Raut,
At Savraipada,
10 : Tarapur,
Tal : Palghar,
Dist. Thana,
Maharashtra.

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 1st August, 1981

No. 4/2/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint the undermentioned persons as Engineer SB in the Civil Engineering Division, Department of Space in a temporary capacity with effect from the date indicated against each and until further orders.

Sl. No.	Name	Date of appointment as Engineer—SB
1.	Shri BS Jagadeesha Chandra	1-4-1981 (FN)
2.	Kum. B.G. Nanda	8-4-1981 (FN)
3.	Kum. G. V. Srilatha	9-7-1981 (FN)
4.	Shri Mukesh Rathore	11-6-1981 (FN)

MPR PANICKER
Administrative Officer-II
for Chief Engineer

INSAT-1 SPACE SEGMENT PROJECT OFFICE

Bangalore-560001, the 4th August 1981

No. 32. 11.—The Project Director, INSAT-1 Space segment Project Office, Department of Space is pleased to appoint Shri D. R. Subbukrishna as a Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the Master Control Facility of INSAT-1, Hassan with effect from the forenoon of June 25, 1981 and until further orders.

R. S. SUBRAMANIAN,
Administrative Officer-II
for Project Director, INSAT-1 SSPO

Bangalore 560001 the 16 July, 1981

No. 020/3 (061)/A/81.—Controller ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the following personnel to the posts mentioned against each with effect from 1-1-80(FN) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960.

Sl. No.	Name	Designation
	S/Shri	
1.	P. N. Rajappa	Asstt. Administrative Officer.
2.	B. Viswanatha Pillai	Asstt. Administrative Officer.
3.	T. Ranganatha Rao	Asstt. Accounts Officer.

S. SUBRAMANYAM
Administrative Officer-II

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION.

New Delhi, the 5th August 1981

No. A. 44013/1/80-EW.—On his reversion from the Shipping Corporation of India Ltd., Bombay, Shri H. S. Rawat, has assumed charge of the post of Asstt. Fire Officer in the Civil Aviation Department on the forenoon of 23rd July, 1981.

Shri H. S. Rawat is posted in the office of the Controller of Aerodrome, Hyderabad Airport, Hyderabad from the same date.

E. L. TRESSLOR,
Assistant Director of Administration.
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 12th August 1981

No. A. 12025/1/79-ES.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Sh. Govind Ballabh Sharma, Aircraft Inspector in the Civil Aviation Department in officiating capacity with effect from 24-7-1981 (A.N.) & until further orders.

J. C. GARG,
Asstt. Director of Administration.

MINISTRY OF ENERGY

DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 7th August 1981

No. Adm/SC/2(1)74.—Dr. L. N. Sadhukhan is confirmed in the post of Dentist (Non-C.H.S. Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from 21st January, 1981.

D. PANDA,
Commissioner.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND
COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Andhra Law Times Private Limited

Hyderabad, the 11th August 1981

No. 533/TA.I/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Andhra Law Times Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sri Lakshmi Ganesh Sugar Factory (Khandasari)
Pvt. Ltd.*

Hyderabad, the 11th August 1981

No. 846/TA./560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Sri Lakshmi Ganesh Sugar Factory (Khandasari) Pvt. Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

V. S. RAJU,
Registrar of Companies,
Andhra Pradesh, Hyderabad.

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81/82/145—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property situated at Chowk Pragdass Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar, on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sq Ldr. J. S. Pannu,
Capt P S Pannu,
Capt. J. S. Pannu
ss/o Gurbachan Singh Pannu,
r/o Nausherha Pannuan,
Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Kuldeep Raj,
s/o Sh. Charan Dass,
c/o M/s. Laxmi Glass House,
Chowk Pragdass Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the under signed knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 1265/V-10 situated in Chowk Pragdass Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2924/I dated 24-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS,
competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, 3, chanderpuri
Tylor road, Amritsar

Date : 10th August 1981
Seal ;

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/146—Whereas, I ANAND SINGH IRS

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.-One property at Pathankot situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

20—226GI/81

- (1) Sh. Kuldip Singh,
s/o Sh. Attar Singh,
r/o Model Town Jullundur. (Transferor)
- (2) Smt. Laxmi Devi,
wd/o Pehalwan Hari Chand Sahni,
c/o M/s. New Jullundur Goods Transport Company,
Pathankot. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
New India Assurance Co. Ltd. Pathankot
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other (Person whom the under signed knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated on main Daldousle Road, Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2507/dated 1-12-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, chanderpuri tylor
road, Amritsar.

Date : 10-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/147—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property [situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Pathankot. on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Jasbir Singh,
s/o Jagat Singh,
r/o Dalhousie Road,
Pathankot
(Transferor)
- (2) Sh. Sham Sahni
s/o Pehalwan Hari Chand Sahni,
c/o M/s. New Jullundur Goods Transport Company,
Pathankot.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. and tenant(s) if any
New India Assurance Co. Ltd. Pathankot.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigne knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated at Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2509 dated 1-12-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, Chanerpuri Tylor
road, Amritsar.

Date : 10th August 1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. SR/81-82/148—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Pathankot situated at Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer SR Pathankot on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt, Surjit Kaur,
wd/o Sh. Swaraj Singh,
r/o 691 Model Town,
Jullundur.

(Transferor)

- (2) Sh. Arjan Kumar Sahni,
s/o Sh. Pehalwan Hari Chand Sahni,
r/o Pathankot.
c/o M/s. New Jullundur Goods Transport Company
Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
New India Assurance Co. Ltd. Pathankot.
(Person in occupation of the property)

- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2508 dated 1-12-1980 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH IRS,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 3, chanderpuri
tylor road, Amritsar.

Date : 10-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/149—Whereas, I ANAND SINGH
IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land in Teh. Gurdaspur situated at Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagdamba Datt,
ss/o Sri Ram,
V & P. O. Awankha,
Teh. Gurdaspur.
(Transferor)
- (2) Shri Joginder Singh
s/o Teja Singh,
r/o Village Dhariwal Bhoja P. O. Sekhwan
Teh. Gurdaspur.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 51K 14 M situated in village Awankha Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 6080/dated 15-12-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, 3, chanderpuri
tylor road, Amritsar.

Date : 10-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 10th August 1981

Ref. No. ASR/81/82/150—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. Land situated in Teh. Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at SR Gurdaspur on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Joginder Singh
s/o Teja Singh,
r/o Dhariwal Bhoja,
Teh. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Sh. Mohinder Singh,
Balwinder Singh
s/o Teja Singh,
r/o Dhariwal Bhojan P. O. Sekhwan,
Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)

(4) Any other
(Person whom the under signed knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 31 kanals 5 marlas situated in village Dhariwal Bhoja, Teh. Gurdaspur as mentioned in the sale deed No. 5802/dated 4-12-80 of the registering authority Gurdaspur.

ANAND SINGH IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, Chanderpuri
Tylor Road, Amritsar

Date : 10th August 1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 14th August 81

Ref. No. ASR/81-82/151—Whereas, I ANAND SINGH IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. one property at Pathankot situated at Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at SR Pathankot on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Shiv Saran Dass Puri,
Gurdaspur Road,
Pathankot near bus stand
(Transferor)
- (2) Sh. Subash Chander Puri,
r/o Gurdaspur Road,
Pathankot near Bus Stand.
(Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 20 marlas situated near General Bus Stand Pathankot as mentioned in the sale deed No. 2776/ dated 30-12-80 of the registering authority Pathankot.

ANAND SINGH (IRS)
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range 3, chanderpuri
tylor road, Amritsar.

Date : 14th August 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG, II NEW DELHI

New Delhi the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/12-80/7240A—Whereas, I
VIMALVASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Prop. No. B-3/16 Model Town, Delhi situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which, is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ajit Singh & Jagjit Singh,
S/o Jug Lal ,
R/o Vill. Siras Pur,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri K. M. Sharma,
s/o D. N. sharma,
R/o F-8/8,
Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. B-3/16, Model Town, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II New Delhi.

Date : 12-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4012—Whereas, I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House on Plot No. J-6/62 situated at Rajouri Garden, Vill. Tatarpur Delhi state, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Maya Devi,
W/o Sh. Faqir Chand,
R/o J-6/62,
Rajouri Garaden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Gurcharan Singh,
R/o A/43,
Vishal Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. J-6/62 mg. 160 sq. yds situated at Rajouri Garden, Vill. Tatarpur Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II New Delhi

Dated : 7-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC-II/Acq.-II/SR-II/12-80/4028—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. Land 21 Bighas 5 Biswas situated at Village Rewla Khanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reductions or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
21—226GI/81

(1) Sh. Tek Chand
S/o Shri Hazari,
R/o Village Rewla Khanpur,
Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh Chawla
S/o Sh. Asa Singh Chawla
R/o J-12/28,
Rajouri Garden, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 21 Bighas 5 Biswas, Mutasil No. 13, Kh. No. s.16 (4-16) 17 (4-16), 18 (4-15) and 19(4-16) Mutasil No. 12 Kh. No 20(2-02) in Village Rewla Khanpur.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi.

Dated : the 7th August 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 169D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI.

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4029—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ag. land 19 Bighas and 18 Biswas situated at Vill. Rewla Khanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi, on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Tek Chand S/o Sh. Hazari
r/o village Rewla Khanpur, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Manjit Singh Chawla
S/o Sh. Asa Singh Chawla,
R/o J-12/28 Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 19 Bighas and 18 Biswas Mutasil No. 13, Kh. No. 12/1(0-14) 11(4-16), Mutasil No. 14, K. Nos. 15(4-16), 14(4-16) and 13(4-16) in Village Rewla Khanpur.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 7th August 1981

Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4024—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land 15 Bighas 1 Biswas situated at Vill. Hulambi Khurad, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Charan Singh,
R/o Hulambi Khurad,
Delhi State, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Devi
R/o Pooth Kalan,
Delhi State, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land 15 Bighas 1 Biswas in Vill. Hulambi Khurad
Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 7th August 1981
Scul :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7243—Whereas, I VIMAL
VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s S. Chand & Co. Ltd.,
Ram Nagar,
N. Delhi,
through their Director Shri Rajendra Kumar Gupta.
(Transferor)
- (2) M/s I. B. H. Educational Books Distributors,
through their partner Shri K. T. Mirchandani,
s/o Sh. Tek Chand Mirchandani.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front Ground floor portion of property No. 19-A, bearing No. 1, No. 4633 mg. about 1592 sq ft. at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12th August 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 6th May 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/Dec. 80/7242-A—Whereas I VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19-A, situated at Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s S. Chand & Co. Ltd.,
Ram Nagar,
New Delhi
through their Director Shri Rajendra Kumar Gupta.
(Transferor)
- (2) M/s I B H Education Books Distributors
through their partner Shri K. T. Mirchandani,
s/o Sh. Tek Chand Mirchandani.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floor portion of property No. 19-A, bearing Mpj No. 4633, measuring 2861 sq. ft. at Ansari Road, Darya Ganj, Delhi.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq. Range II, New Delhi.

Dated : 6th May 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7249—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 64-3 Block A situated at G. T. Karnal Road Ind. Area, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Parmajit Singh & Narinder Pal Singh,
S/o Avtar Singh
R/o A-104,
Gujranwala Town,
Delhi & others

(Transferor)

(2) Sh. Harbans Singh,
S/o Wasakha Singh
R/o II, Dr. Mukerji Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 64/3 Block-A G.T. Karnal Road Ind. Area Delhi

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated : 12th August 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7203—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 29 situated at Block Cottage Road, Adarsh Nagar Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lakhapat Rai & others
S/o Raja Ram,
R/o K-5/36 Model Town,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kuldip Singh,
S/o Kishan Singh & others
R/o E-11, Maharaja Ranjit Singh Road,
Adarsh Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29 Block C Cottage Road Adarsh Nagar, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq. Range II, New Delhi.

Dated : 12th August 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7224—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 17 situated at Road No. 18, Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dwarka Dass Kher,
S/o Lachhman Dass Kher,
H. No. 17 Road No. 18 Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri I. L. Khanna,
S/o L. N. Khanna,
R/o Kothi No. 17,
Rd. No. 18,
Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. H. No. 17, Road No. 18, Punjabi Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated : 12th August 1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7247—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 24, Block D situated at Mansrover Garden Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

22—226GI/81

- (1) Shri Charan Singh Chhikara,
S/o Ram Chand,
R/o 433-A Rampura,
Delhi-35.

(Transferor)

- (2) Smt. Sudarshan Rawla,
W/o Yash Pal Rawla,
R/o 2655 Bank Street Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24 Block D Mansrover Garden Vill. Bassai Darapur
Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Date : 12th August 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4013.—Whereas, I, (Smt.)
VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. B-5 situated at Shanker Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Arjan Dev Marwaha,
S/o Nand Lal Marwaha,
R/o Pakka Bagh,
Opposite Hind Shamachar Printing Press,
Jullundur City, Pb.

(Transferor)

(2) Smt. Kuljit Kaur,
W/o Harbhajan Singh,
R/o C/510 Vikaspuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-5, Killa No. 3/2 & 4 Shankar Garden, New Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated : 12th August 1981
Seal :

FORM ITN**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7197.—Whereas, I, Smt. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 33-B & 34-A situated at Northern City Extension Scheme No. I, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baij Nath Gupta,
S/o Sulhlal Gupta,
R/o 8, U A. Jawahar Nagar,
Delhi & others.

(Transferor)

- (2) Smt. Sheela Devi,
W/o Khushi Ram,
R/o 33-B, 34-A,
Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. S. Plot No. 33-B & 34-A Block No. UA-13, Mpl. No. 6017 Northern City Extension Scheme No. I, Jawahar Nagar, Subzi Mandi, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated : 12th August 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 7th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-II/12-80/4030.—Whereas, I, Smt. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ag. Ld. 23 Bighas & 2 Biswas situated at Vill. Rewla Khanpur.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sh. Tek Chand Spo Sh. Hazari,
R/o Village Rewla Khanpur,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Sh. Manjit Singh Chawla,
S/o Sh. Asa Singh Chawla
R/o J/12/28,
Rajouri Garden,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- Agri. land 23 Bighas and 2 Biswas comprised in Mutasil No. 13, Kh. Nos. 20(4-16) and 28(0-01); and Mutasil No. 14, K. No. 16(4-16) 17(4-16), 18(4-16), and 19(3-17) in Vill. Rewla Khanpur.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated : 7th August 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4071.—Whereas, I, Smt. VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 36 Block B, situated at Krishna Park Vill. Budhela Delh, State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagdish Chander,
S/o Arjan Dass,
R/o B-9, Krishna Park,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh Madan,
S/o Ishar Singh,
R/o C-2/348 Janakpuri,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 36 Block B Krishna Park, Vill. Budhela Delhi State, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated : 12th August 1981
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7260—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 33 situated at G. T. Road, Vill Peepal Thala, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Lala Jai Narain,
s/o Sh. Bishamber Dayal,
r/o No. 1947, Kucha Chelan,
Khari Baoli, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Mittal,
s/o Jain Narain,
r/o No. 1852-53 Khari Baoli,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 33 Rajasthani Udyog Nagar, G. T. Road Vill Peepal Thala 1852-53 Khari Baoli, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax

Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981

Seal :

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7253—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Mpl. No. 4859 situated at Gali Harbans Singh, 24-Darya Ganj, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kamla Devi Thukral,
w/o Sahab Chand,
r/o 4-B/31 Paschim Vihar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Mamla Devi,
w/o Parkash Chand
r/o 4859, Gali Harbans Singh, 24-Darya Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Mpl. No. 4859, Gali Harbans Singh, 24-Darya Ganj, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7227—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 45/6-B situated at The Mall Civil Lines, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sia Ram Aggarwal,
s/o Mathura Pershad,
r/o 4067, Naya Bazar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Chand Gupta,
s/o Krishan Lal,
r/o 1/188, Asaf Ali Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B, The Mall Civil Lines, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-/12-80/4068—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. S-13 situated at Vill. Madipur Abadi Shivaji Park on Rohtak Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—226GI/81

- (1) Shri Ram Karan ,
s/o Beni Ram & Others
r/o C-48, Shivaji Park,
Rohtak Road,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Kapoor Chand,
s/o Chuhar & Others,
r/o C-67, Shivaji Park,
Rohtak Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. S-13 Vill. Madipur Abadi Shivaji Park on Rohtak Road, New Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-1/12-80/4034—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 139 & 140 situated at Block 'C' New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dalip Singh Arshi,
S/o Gian Singh, R/o Q. No. RB-193, RBI Colony,
Sec. 6, Ramakrishnapuram,
N. Delhi. (Transferor)
- (2) Surinder Kumar Dua,
S/o Amar Nath Dua & others,
R/o H. No. 16 Road No. 28 Punjabi Bagh,
N. Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot Nos. 139 & 140 Block 'C' New Multan Nagar, Rohtak Road, Delhi-56.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acq. Range-II, New Delhi.

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7222 --Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property No. B-3/1 situated at Rana Partap Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sibhash Gupta,
S/o Surinder Nath Gupta,
B-3/1, Rana Partap Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Nand Lal Arora,
S/o Moti Ram,
R/o A-143, Ashok Vihar,
Phase-II, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Southern half portion of Property No. B-3/1, Rana Partap Bagh, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7250—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 12 situated at Kamla Nagar, G.T. Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Rishi Kumar,
S/o Jagan Nath
23-G, Maharani Bagh,
New Delhi

(Transferor)

(2) Moti Lal Kunti Devi HOF through as Karta,
Moti Lal Goel,
R/o 79-Prem Nagar,
New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 12-A, Municipal No. 6323, Ward No. 12 Kamla Nagar, G. T. Road, Delhi-7.

SMT. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,

Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi the 12th August, 1981

No. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/4050—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 49, Road No. 43, situated at Punjabi Bagh Vill Madipur Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harwant Kaur,
W/o Inder Singh,
R/o A-2/99, Rajouri Garden,
New Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Dilbag Singh & others
R/o T-355 Ahata Kidara,
Bara Hindu Rao,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49 Road No. 43 Punjabi Bagh area of Vill. Madipur Delhi State, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4017—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 56, situated at Krishna Park Vill. Posangipur & Bhudhela Delhi State (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sant Lal ,
S/o Jaswant Ram & others,
R/o BB/29-C, Janakpuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satya Paul Narang & Smt Narang,
R/o I-24, Kirti Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 56 Block 8, Krishna Park, Vill Posangipur & Budhela Delhi State, Delhi

SMT VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acq. Range-II, Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM IT.N.S. —————

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE NEW DELHI

New Delhi the 12th August, 1981

Ref No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7230—Whereas, I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 45/6-B, 1/5th situated at The Mal Civil Lines, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

(1) Shri Sia Ram Aggarwal,
S/o Mathura Pershad,
R/o 4067, Naya Bazar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Gupta,
S/o Kishan Lal,
R/o 1/188, Asaf Ali Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B, 1/5th at The Mal Civil Lines, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7229—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 45/6-B, situated at The Mall Civil Lines, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi, on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sita Ram Aggarwal,
S/o Mathura Pershad of 4067, Naya Bazar,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Umesh Chand Gupta,
S/o Kishan Chand Chandi wala,
1/18-B, Asaf Ali Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B the Mall Civil Lines Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Harish Chander
S/o Shiv Parshad of 71/21 Prem Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harpal Singh Lamba
S/o Kartar Singh Lamba of
R/759 New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/4065—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. J-10/89 situated at Rajouri Garden, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. S. H. No. J-10/89, Rajouri Garden, New Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

24—226GI/81

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/4078—Whereas I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 7 situated at Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee, for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bhagwanti
W/o Kishan Chand
R/o E-149, Rishi Nagar, Shakurbasti,
Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Kanti Sagar Jain
S/o Salig Ram Jain
R/o No. 23 North Avenue Punjabi Bagh,
Delhi. [(Transferee)]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. WZ-E/194, Plot No. 7, Block-E Kh. No. 384
Rishi Nagar, Shakurbasti, Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range II, New Delhi

Dated : 12/8/81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7276A—Whereas I, VIMAL VASISHT, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D-1/28 situated at Rajouri Garden, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Sant Kaur
W/o Gnan Singh
R/o D-5, Sarabah Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar Pasricha,
S/o Banarsi Lal Pasricha
R/o J-5 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. H. No. D-1/28 , Rajouri Garden, Vill., Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/4032—Whereas I, VIMAL VASISHT,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 39 Block E situated at Mohalla Guru Nanak Pura, Fateh Nagar, Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhagwan Singh,
S/o Jodh Singh,
R/o E-39, Fateh Nagar Mohalla Gurunanakpura,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sant Lal Pruthi,
S/o Kala Ram Pruthi & others,
R/o 30/16 Ashok Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 39, Block E, Mohalla Guru Nanak Pura
Fateh Nagar, Vill. Tihar Delhi.

(SMT.) VIMAL VASISHT,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, II, New Delhi.

Dated : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)
GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7215—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prop. No. 35/10, East Patel Nagar New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on Dec. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gulab Rai Valecha ,
S/o Ghuman Mal Valecha ,
r/o 1-B/92 Ramesh Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Chander Kala,
W/o M. B. Miniche ,
291, Faiz Road, Karol Bagh.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 35/10, East Patel Nagar, New Delhi
(Half share in the undivided property)

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
[Acq. Range-II, New Delhi]

Dated: 12-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/4068A—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 24/43 situated at Punjabi Bagh, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Swaroop Bansiwal,
S/o Roop Ram & others,
R/o 5/44 Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shrimati Nirmal Gupta,
W/o K. L. Gupta,
R/o 24/43, Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 24/43, Panjabi Bagh, Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM FINS — —

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-I/12-80/7265—Whereas, I, VIMAL VASISHT,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 29/7, situated at Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur, Delhi State, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on Dec., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Gangadhar Nangia ,
S/o Atam Parkash Nangia,
R/o H-4/3, Model Town, Delhi now G-57,
Masjid Moth, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Chander Bhan Garg & Sish Pal Garg,
S/o Mani Ram 15/26, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 29/7, Punjabi Bagh, Vill. Bassai Darapur Delhi State Delhi.

SMT. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi.

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7228—Whereas, I, Smt.
VIMAL VASISHT,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as 'the said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. 45/6-B situated at Mall Civil Lines, Delhi.

(and morefully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on Dec., 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C. of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Shri Sia Ram Aggarwala
S/o Mathura Parshad,
R/o 4067 Naya Bazar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Pd. Gupta,
S/o Kishan Lal Chand,
R/o 1/18 B, Asaf Ali Road,
N. Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 45/6-B, Mall Civil Lines, Delhi.

SMT VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acq. Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/12-80/7226.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Prop. No. 45, Plot No. 45/6B situated at The Mall Civil Lines, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

15-226G1/81

(1) Shri Sia Ram Aggarwala
s/o Mathura Pd.
r/o 4067, Naya Bazar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dinesh Chand
s/o Kishan Lal
r/o 1/18B,
Asaf Ali Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 45, Plot No. 45/6B, The Mall Civil Lines, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
New Delhi.

Dated : 12-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref: No. IAC/Acq-II/SR-I/12-80/7211.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Prop. No. 2728 situated at Gali Arya Samaj, Bazar Sita Ram, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Shya, Kishore & Balram Kishore
s/o Kidar Nath
r/o 2728, Gali Arya Samaj,
Bazar Sita Ram,
Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Seema Builders (P) Ltd.
1/18-B,
Asaf Ali Road,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 2728, Gali Arya Samaj, Bazar Sita Ram,
New Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, New Delhi

Dated : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANG, NEW DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref : No. IAC/Acq.-II/SR/I/12-80/4007.—Whereas I, VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 8, Road No. 85 situated at Punjabi Bagh, Vill.

Madipur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Swaran Sethi w/o Munshi Ram Sethi & Anil Kumar Sethi
s/o Munshi Ram
r/o 48/42,
Punjabi Bagh,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Balraj Kapoor
s/o Baij Nath Kapoor & others
r/o 1/7, Timber Market,
WHS Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 8, Road No. 85, Punjabi Bagh, Vill. Madipur,
Delhi State, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax

Acquisition Range-II, New Delhi

Dated : 12-8-81

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, DELHI

New Delhi, the 12th August 1981

Ref. No. IAC/Acq.-II/SR-II/12-80/4039.—Whereas I Smt. VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. GB-5 situated at Hari Nagar, Block 'G'

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sardari Lal Marwah
s/o Ram Chand Marwah of
WZ-222, Mayapuri,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Manohar Lal Chaudhary
s/o Daulat Ram
Hari Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. GB-5, Hari Nagar, Block 'G' Hari Nagar, Delhi.

Smt. VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, New Delhi

Dated : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. KNL/139/80-81.—Whereas I, G. S. Gopala being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 531-L, situated at Model Town, Karnal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Shri Amrit Lal Thakar
s/o Sh. Bhana Lal
r/o Model Town,
Karnal.

(Transferor)

2. (i) Shri Tung Ram Dewan
s/o Shri Karta Ram Dewan
(ii) Sh. Arun Dewan
s/o Sh. Ved Parkas Dewan,
r/o 531-L, Model Town,
Karnal.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 531-L, Model Town, Karnal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4326 dated 26-12-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G. S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated : 12-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. AMB/118/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 319-E, Mahesh Nagar, situated at Ambala Cantt

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Nirmla
w/o Sh. Om Parkash
s/o Shri Kashi Nath, H. No. 5558,
Nikalsan Road,
Ambala Cantt.

(Transferor)

2. Shri Shamsher Singh
s/o Sh. Dalpat Singh
r/o Vill. & P. O. Babyal
Teh. & Distt. Ambala
H. No. 319-E, Mahesh Nagar,
Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 319-E Mahesh Nagar, Ambala Cantt. and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4247 dated 15-12-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Rohtak

Dated : 12-8-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. PNP/72/80-81/—Whereas I, G. S. Gopala being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop Insar Bazar, situated at Panipat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

1. (i) Smt. Avtar Kaur
w/o Sh. Piara Singh,
(ii) Gurcharan Singh,
(iii) Narinder Singh sons of Sh. Piara Singh,
(iv) Harbahajan Kaur
(v) Kuldip Kaur
(vi) Smt. Kukum Kaur alis Kusuk Lata
d/o Piara Singh
r/o H. No. 157 Ward No. 3, Panipat,

(Transferor)

2. (i) Smt. Krishna Wati
w/o Sh. Krishan Lal
(ii) Sh. Sohan Lal Raj Kumar,
Hira Lal,
Panna Lal Dharam Pal
Ss/o Sh. Krishan Lal
r/o H. No. 120 Jawahar Nagar,
Tehsil Camp
Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Shop situated in Insar Bazar, Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4145 dated 16-12-1980 with the Sub Registrar, Panipat.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. GRG/72/80-81/ .—Whereas I, G. S. GOPAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House near Old Anaj Mandi, Situated at Sohna (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Dec. 19 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Babu
s/o Sh. Madan Lal,
r/o Old Anaj Mandi,
Sohna.

(Transferor)

(2) Smt. Shakuntla Devi
d/o Sh. Bansarsi Dass
r/o Near Bus Stand & Anaj Mandi,
Sohna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house situated at Old Anaj Mandi, Sohna and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4147 dated 4-12-1980 with the Sub Registrar, Gurgaon.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. KNL/140/80-81/ —Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land with Poultry Farm Situated at Vill. Saidpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karnal in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—
26—226GI/81

- (1) (1) Rani Devi w/o Sh. Amrit Lal Gupta,
(2) Shri Rajiv Gupta
s/o Dr. Amrit Lal Gupta
(3) Shri Ashok Kumar Gupta
s/o S. Om Parkash Gupta,
all residents of Chaura Bazar, Karnal.
(Transferor)
- (2) (1) Sh. Subhash Chander Bajaj,
s/o Sh. Nihal Chand Bajaj,
554-EWS,
Housing Board Colony,
Karnal (50% share).
(2) Sh. Nand Lal Galyani,
s/o Sh. Chander Bhan Galyani,
r/o 133-A, DDA Flats L.I.C.
Rajori Garden,
New Delhi (50% share).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land & building situated at Village Saidpur and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4272 dated 23-12-1980 with the Sub Registrar, Karnal.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Dated : 12-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. AMB 119/80-81—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 4167-4167-A Durga Charan Road, situated at Ambala Cantt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ambala in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mool Chand,
s/o Vasiya Ram,
s/o Sh. Khem Chand,
r/o Durga Charan Road,
Ambala Cantt.

(Transferor)

(2) Sh. Ram Parkash, s/o Sh. Wazir Chand
House No. 4959 Mohalla Paledaran,
Ambala Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being House No. 4167-4167-A, Durga Charan Road, Ambala Cantt and as more mentioned in the sale deed registered at No. 4265 dated 17-12-1980 with the Sub Registrar, Ambala.

G. S. GOPALA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th Augst 1981

Ref. No. BGR/209/80-81.—Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 1035 Sector-7, Situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh on Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Shakuntla Rani Bhalla,
w/o Shri Dharamvir
r/o 2/52 Kashmiri Mohalla,
P.O. Aknanoor,
Djstt. Jammu (J&K).

(Transferor)

- (2) Smt. Sharda Devi,
w/o Sh. D. C. Aggarwal,
7C/1119,
Faridabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being house No. 1035 sector 7 measuring 250 sq. yards and as more mentioned in the sale deed registered at No. 9611 dated 24-12-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 12-8-81
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 19th August 1981

Ref. No. HNS/5/80-81/—Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 21, Kanals at Hansi situated at Hansi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hansi in Dec. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Sampuran Singh,
s/o Shri Harnam Singh,
Shri Lachhman Singh,
r/o Hansi.

(Transferor)

(2) M/s Jyoti Industries,
Delhi Road,
Hansi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 21 kanals situated at Hansi and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2285 dated 18-12-1980 with the Sub Registrar, Hansi.

G. S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August, 1981

Ref. No. HSR/56/80-81/—Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property No. 222/VIII situated at Hissar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Dec. 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash,
s/o Sh. Gopi Chand,
Rohtak
Smt. Indra Wati Mewa Devi,
Ds/o Sh. Jainti Parshad,
Rohtak.

(Transferor)

- (2) Shri Satya Parkash,
s/o Sh. Mahabir Parshad
c/o Vem Parkash Chander Parkash,
Hissar.

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being No. 222/VIII(1/2 share) situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3630 dated 2-12-80 with the Sub Registrar, Hissar.

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No HSR/57/80-81/ —Whereas I, G S GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Property No 222/VIII situated at Hissar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hissar in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash,
s/o Gopi Chand, Rohtak
Indra Vati, Mewa Devi
Ds/o Jainti Parshad,
Rohtak

(Transferor)

- (2) Shri Satya Parkash,
s/o Sh Mhabir Parashad,
C/o Shri Ved Parkash Chander Parkash,
Hissar

(Transferer)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being No 222/VIII(1/2 share) situated at Hissar and as more mentioned in the sale deed registered at No 36688 dated 5-12-1980 with the Sub Registrar, Hissar

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No AMB/114/80-81/ —Whereas I, G S GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Shops Nos 197, 198, 199 & 200 situated at Ward No 1, Sapatu Road, Ambala City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dev Raj Puri,
s/o Sh Kundan Lal,
R/o Ambala City

(Transferor)

- (2) Smt Anju Mittal,
w/o Sh Suresh Mohan
r/o Shops No 197, 198, 199 & 200,
Sapatu Road,
Ambala City

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being shops Nos 197, 198, 199 & 200 situated in Ward No 1, Sapatu Road, Ambala City and as more mentioned in the sale deed registered at No 4193 dated 10-2-1980

G. S. GOPALA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-8-1971
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No BGR/214/80-81/ —Whereas I, G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Service Industrial plot No 5, situated at Nehru Park, Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Faridabad in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt Ravinder Kaur,
W/o Sh Gurcharan Singh,
R/o W-126,
Greater Kailash-I,
New Delhi,

(Transferor)

(2) (1) Smt Rama,
W/o Sh Bhagat Ram
R/o 585/15-A,
Faridabad.

2 Smt Kanti Devi,
W/o Sh Vijay Kumar
R/o K-24, Naveen Shadra,
Delhi-32.

(Transferee)

3 Smt Sushila Devi,
W/o Sh Lala Ram
R/o Nuh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Big Service Industrial Plot No 5, measuring 150 sq yards, Nehru Park Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No 9751 dated 29-12-1980 with the Sub Registrar, Faridabad

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Rohtak]

Date : 19-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 12th August 1981

Ref. No. GRG/79/80-981/—Whereas, I G. S. GOPALA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3993 situated at Gurgaon (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurgaon in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—226BI/81

(1) Shri Parshotam Parshad Sinha,
S/o Shri Satya Narain Sinha
R/o Samstipur (Bihar)

(Transferor)

(2) M/s Industriano Pvt. Ltd.
Alwar Road,
Gurgaon.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being land measuring 3993 sq yards situated at Alwar Road, Gurgaon and as more mentioned in the sale deed registered at 4264 dated 12-12-1980 with the Sub Registrar, Gurgaon

G.S. GOPALA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak)

Date : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 19th August 1981

Ref No AMB/128/80-81/ —Whereas I, G. S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Banglow No 93 measuring 2.68 acre situated at Durnad Road, Ambala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ambala in Dec 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) ~~facilitating the reduction or evasion of the liability~~ of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) ~~facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);~~

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri William David,
S/o Sh James David,
R/o 93,
Durand Road,
Ambala Cantt.

(Transferor)

2 (1) Mrs Pushpa Rohar,
W/o Sh Arnold Rohar
R/o 93, Durand Road,
Ambala Cantt.

(2) Shri Arnold Rohar,
S/o Sh Isidar Rohar,
R/o 93 Durand Road,
Ambala Cantt.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being Banglow No 93-Durand Road, Ambala Cantt. measuring 2.68 acre and as more mentioned in the sale deed registered at No 4342 dated 19-12-1980 with the Sub Registrar, Ambala

(G.S. GOPALA)

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 131/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. Land Sy. No. 201/3 situated at Saheb Nagar Kalan (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad-East on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Uppaia Sudheer,
S/o Venkat Rao,
R/o Saheb Nagar Kalan,
Hayathnagar Taluk,
R.R.Dt.
(2) M/s V. Pratap Reddy,
Partner Sri V. Pratap Reddy,
S/o Aga Reddy,
R/o 3-3-1002 Kutbiguda,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Kothapet Co-op Housing Society Ltd.,
T. B. No. 380 Hyderabad East
President Sri M. Ganesh pershad
S/o M. Lingaiah
R/o Sankesar Bazar,
Hyderabad-500036.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land portion of Survey No. 201/3 Saheb Nagar Kalan area 4 Acres 35 guntas registered with Sub-Registrar Hyderabad East Vide Doc. No. 10817/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 132/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ag. land Sy 201/3 situated at Saheb-nagar Kalan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri B. Ashok,
S/o B. Chandralah
Saheb-nagar, Kalan Village,
Hayathnagar Taluk,
Rangareddy District.
(2) M/s V. Pratap Reddy By Mg. Partner
V. Pratap Reddy,
3-3-1002 Kutbiguda,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s Kothapet Co-operative Housing Society Ltd.,
T.B. No. 830 Hyderabad East,
By President Sri M. Ganeshpershad
S/o M. Lingaiah,
R/o Sankesar Bazar,
Hyderabad-500036.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land portion of Survey No. 201/3 at Saheb-nagar Kalan area 3 Acres registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11494/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 133/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agl. Land Sy 201/3 situated at Saheb Nagar Kalan, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Smt. B. Sattamma,
W/o B. Chandraiah,
Saheb Nagar Kalan village,
Hayathnagar Taluk, R.R.Dt.
- (2) M/s. V. Pratap Reddy,
Managing partner Sri V. Pratap Reddy,
S/o Aga Reddy,
R/o 3-3-1002, Kutbiguda,
Hyderabad.

(Transferor)

- (2) M/s. Kothapet co-operative Housing Society Ltd.,
T.B. No. 830 Hyderabad East,
President Sri M. Ganesh Pershad,
S/o M. Lingaiah 16-2-805 Sankesar bazar,
Hyderabad-500036.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Survey No. 201/3 Saheb Nagar Kalan Hyderabad area 3 Areas registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11493/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 134/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agl. land Sy. No. 767 situated at Nadergole Hayathnagar, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Kolanu Papi Reddy,
- (2) Sri Kolanu Gopal Reddy,
- (3) Sri Kolanu Venkat Reddy,
- (4) Sri Kolanu Sathi Reddy, all sons of Laxma Reddy,
- (5) Sri K. Shanker Reddy, S/o Pedda Laxma Reddy,
- (6) Sri Samala Siva Reddy,
- (7) Sri Samala Chandra Reddy, both sons of Malla reddy,
- (8) Sri Kolanu Yadi Reddy, S/o Laxma Reddy Nadergole, Hyderabad east Taluk, Ranga Reddy Dt. For all G.P.A. Sri B. Mallesh, S/o Beerappa, R/o Gaddinnaram, Hyderabad-500036.

(Transferor)

- (2) The Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd., (T.A.B. No. 81) Himayatnagar, Hyderabad By President, T. Bal Reddy, S/o Papi Reddy, State Bank of Hyderabad colony, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 Acres 33 guntas Survey No. 767 Nadergole grampanchayat Hayathnagar Taluk Ranga Reddy Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11458/80.

S. GOVINDARAJAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 135/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land Sy. No. 766 situated at Nadergole village, R.R.Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair value, and believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Domakonda Ellaiah,
S/o Durgaiah,
- (2) Sri Doma konda Pedda Ramulu,
S/o Ellaiah,
- (3) Domakonda Jagaiah,
S/o Ellaiah,
- (4) Sri Domakonda Chinna Ellaiah,
S/o Durgaiah,
- (5) Sri Domakonda Kanakaiah,
S/o Late Rajaiah,
- (6) Sri Domakonda Pentaiah,
- (7) Sri Domakonda Anjaiah,
- (8) Sri Domakonda China Ramulu,
S/o Late Seethaiah all residing at Nadergole,
Hayathnagar Taluk Rangareddy,
By G.P.A. Sri B. Mallesh S/o Beerappa
Gaddiannaram, Hyderabad-500036.

(Transferor)

- (2) The Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd.,
(TAB 81) Himayathnagar Hyderabad,
President T. Bal Reddy S/o Papi Reddy,
State Bank of Hyderabad colony Saidabad,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 Acres 33 guntas in Survey No. 766 Nadergole village Nadergole gram panchayat, Hayathnagar Taluk, R.R. Dt. Registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11437/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date : 5-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th August 1981

Ref. No. RAC 136/81-82.—Whereas, I, S. GOVINDA-RAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. Land Sy. No. 767 situated at Nadergole village, RR Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on December 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Sri Kolanu Papi Reddy S/o Laxman Reddy,
 - (2) Sri Kolanu Gopal Reddy S/o Laxma Reddy,
 - (3) Kolanu Venkat Reddy S/o Laxma Reddy,
 - (4) Sri Kolanu Sathi Reddy S/o Laxma Reddy,
 - (5) Sri K. Shankar Reddy S/o Peda Laxma Reddy,
 - (6) Sri Samala Siva Reddy S/o Malla Reddy,
 - (7) Sri Samala Chandra Reddy S/o Malla Reddy,
 - (8) Sri Kolanu Yadi Reddy S/o Laxma Reddy,
- all R/o Nadergole, Hyderabad East Talu Ranga Reddy Dt. For all G.P.A. Sri B. Mallesh S/o Beerappa Gaddiannaram, Hyderabad-500036.
- (Transferor)
- (2) M/s Lokayatha Co-operative Housing Society Ltd. (TAB No 81) Himayatnagar, Hyderabad By President T. Bal Reddy S/o Papi Reddy State Bank of Hyderabad colony, Saidabad, Hyderabad.
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area Acre 8-05 Guntas in Survey No. 767 of Nadergole village, Nadergole Gram panchayat, Hayatnagar Taluk R.R. Dt. registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No. 11436/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date : 5-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 11th August 1981

Ref No AR-I/4524/16/81-82 —Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

CS No 796 of Bhuleshwari Division, situated at Old Hanuman Lane, Kalba Devi Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-12-80 Doc No Bom 2465/78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) (1) Charandas Megji,
(2) Gordhandas Vallabhdas Chaturbhuj,
(3) Khatan Gordhandas Dayal,
(4) Krishnaraj Jairaj, and
(5) Gordhandas Morarji Kapadia

(Transferor)

- (2) Ghanshyamdas Purshottamdas Purohit,

(Transferee)

- (3) Name of persons, if any, in occupation of the property Gr floor
(1) M/s Baliwala & Homi (P) Ltd
(2) Ramkhlavan Dasuram,
(3) Mahadev Gopal
(4) Purshottam Tivabhai Mangrovia
(5) Iabhsankar Gaurishankar & Sitaram Munnilal,

- (6) Shah Umershi Demji
(7) Shah Mandan Dhanji
(8) Shah Govindji Shamji
(9) The Bharat Flour Mill, Prop. Damodar Motilal
(10) Lal Bahadur Niranjan Gupta
(11) Bharatprasad Ramkishan Durlabharam
Under Staircase
(12) Dulabhram Bhanji Jani
(13) Gangaram Bhagwandas
(14) Shah Popatlal Madan
(15) Manohar Ishwarlal Chauria
(16) Bhayaji
(17) Lalitprasad Matabhikh Tiwari & Deviprasad Rambux Dube
1st flr
(18) to (25) Amarchand Tarachand
(26) to (34) and (49) Adarsh Lodge
IInd flr
(35) to (41) Dattatraya Vishwanath Sulakhe
(42) to (48) Adarsh Lodge
(50) Mohanlal Lachhram
IIIrd flr
(51) to (57) Gulraj Babulal & Partners
(58) Taxmichand Kumatrai
(59) to (66) Adarsh Lodge
IVth and Vth floors
(67) to (90) Adarsh Lodge

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No Bom. 2465/78 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 22-12-1980

SUDHAKAR VARMA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date 19-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay the 12th August 1981

Ref No ARI 4510-2/81 82 —Whereas I SUDHAKAR VARMA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No 110 (east) New Survey Nos 607 610 611 & 612 C S No 410/6 of Sion Division (Portion of) situated at Sion Matunga Estate (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8 12 1980 Doc No Bom 3517/62 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely —

- (1) Smt Sonubai K Kabbur (Transferor)
- (2) M/s S K Kabbur (P) Ltd (Transferee)
- (3) M/s S K Kabbur (P) Ltd (Person in occupation of the property)
- (4) M/s S K Kabbur (P) Ltd (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No Bom/ 3517/62 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 8 12 1980

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date 12 8 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) (1) Shri Pratapsinh Shoorji Vallabhdas,
(2) Shri Dilipsinh Shoorji Vallabhdas, and
(3) Smt. Jyotsna Vikramsinh.

(Transferor)

- (2) The New Dholera Shipping & Trading Co. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1981

Ref. No. AR-III/1936/2/2/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 64, 16, 17, 74, 81, 82 & 90, H. No. 13, 19, 22, 26(pts), S. No. 103: B, (pt) 29, H. No. 7, S. No. 15 & 19 (pts), S. No. 103B (pt), 96, H. No. S. No. 103: B (pt), 154, 96, H. No. 1 (pt) S. No. 112 (pt) & 103B (pt) situated at Hariyati Village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 10-12-80 Doc. No. R-5199/72

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. R-5199/72 and registered on 10-12-1980 with the Sub-Registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III
Bombay

Date : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1981

Ref. No. AR.II/3098. 12/Dec. 80.—Whereas I, SANTOSH DATTA,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 16, 15, H. No. 2, S. No. 145, H. No. V, & S. No. 152 sub-divided plot No. 6, situated at Magathane Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration therefor by more than parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Jayantilal L. Parikh,
(2) Champaben L. Parikh,
(3) Darla J. Parikh,
(4) Diveyesh J. Parikh & Chetan J. Parikh.
(Transferor)
(2) Swetdeepmala Co-op. H.S.
(Transferee)
(3) Members of the society.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed S-2502/79 with the Sub-Registrar, Bombay on 20-12-1980.

SANTOSH DATTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date : 12-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 12th August 1981

Ref. No. AR-I/4526-18/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C.S. No. 987 of Dadar Naigaum Division, situated at Sewri Cross Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-12-80 Document No. Bom. 1775/80 which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- | | |
|---|--|
| (1) (1) Madhav Govind Mallaya,
(2) Manorama Madhav Mallaya. | (Transferor) |
| (2) (1) Mulchand Genmal Shah,
(2) Fatehchand Mulchand Shah,
(3) Ashok kumar Dalichand Shah. | (Transferee) |
| (3) Tenants, | (Person in occupation of the property) |
| (4) Owners & tenants, | (Person whom the undersigned knows to be interested in the property) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom./1775/80 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 22-12-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I,
Bombay

Date : 12-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 25th July 1981

Ref. No. 350/81-82.—Whereas I, DR. V. N. LALITHKUMAR RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 125/Sub. Division 1 to 15 situated at Varca, Taluka Salcete, Goa

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Margoa (Goa) Document No. 358/80-81 on 26-12-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Damodar Naik,
(2) Smt. Leelavathi Damodar Naik
Both residing at Comba,
Margoa (Goa).

(Transferor)

- (2) M/s West Coast Hotels Limited,
Rep. by its Director Sri Vasantharao S. Dempo,
Dempo House,
Campal, Panaji (Goa).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 358/80.81 Dated 26-12-1980]

Plot of land with an area of 65,000-00 sq.m. detached from the property known as "Cocanut Grove. First, Second and Third Lanco de Praias, situated at Varca Gram Panchayat, Salcete Taluka & District of Goa under Survey No. 125/1 to 15.

DR. V. N. LALITHKUMAR RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 25-7-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 7th August 1981

Ref No. 9255.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No V Kalathur, situated at Vaikandapuram, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Valikandapuram (Doc. 2580/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Abdul Majid Sahib,
Abdul Jabbar,
V. Kalathur.
- (2) Kulzar Begam,
Rep. by K. A. Abdul High,
North East St.,
Lebbaikudikadu,
Perambalur Tk.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land, Building and machinery at V. Kalathur, Vaikandapuram. (Doc. 2580/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
Madrass-600006

Date . 7-8-1981
Seal .

FORM ITNS

PAR

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-60006, the 7th August 1981

Ref. No 9204.—Whereas I, RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 117, North East, situated at Extension, Thillainagar, Trichy-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Woraiyur (Doc. 666/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M. Sankaran,
60, Chandrasekarapuram,
Woraiyur Salai Road,
Trichy-18.

(Transferor)

(2) Manickammal,
42A, Railway Colony,
Fort Trichy.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

I and at 117, North East Extension, Thillainagar, Trichy-18. (Doc. 666/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II,

Madras-600006

Date : 7-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 11228.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 17, Bashyakarlu Road, situated at RS Puram, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6390/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

29—226GI/81

- (1) D. Jayaram,
17, Bashyakarlu Road, RS puram,
Coimbatore

(Transferor)

- (2) K. Dhanalakshmi,
96, Uppara St.,
Coimbatore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at 17, Bashyakarlu Road, RS puram Coimbatore
(Doc. 6390/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 7-8-81
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 7th August 1981 ..

Ref. No. 9229.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 21, Gandhinagar, situated at Kumbakonam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kumbakonam (Dec. 2419/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) R. J. Murthy,
Gandhinagar,
6th Cross Road,
Bangalore.

(Transferor)

(2) K. Rajalakshmi,
19, Reddi Rao Tank East,
Kumbakonam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 21, Gandhinagar, Kumbakonam.
(Doc. 2419/80).

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-600006.

Date : 7-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 11226.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. S. No. 175 Part Plot No A68 situated at Coimbatore Private Industrial Estate, Kurichi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6476/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Canara Trading Co.
54, Srinivasaraghavan St., RS Puram,
Coimbatore-2.

(Transferor)

(2) M/s. Vimco Rubber Factory,
11, Krishnaswamy Naidu Lay out,
Coimbatore-641011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Plot A 68, Coimbatore Private Industrial Estate Kurichi, Coimbatore.
(Doc. 6476/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 7-8-81
Seal :

FORM NO. LT.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

dras-60 0006, the 7th August 1981

Ref. No. 11227.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 19/93, Big Bazaar St., situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6457/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Bavakunju
Syed Mohammed Navaskan,
Kuthamangalam,
Savakkadu Tk,
Kerala.

(Transferor)

(2) N. Natarajan
N. Ramalingam
N. Krishnamurthy
N. Rajagopal
N. Doraiswamy,
N. Chinnadorai,
N. Sivaraman,
866, Rangai Gowder St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 19/93, Big Bazaar St., Coimbatore
(Doc. 6457/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-600006.

Date : 7-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madrass-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 16076.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. TS 67/2, Aziz Nagar Main, situated at Road, Kodambakkam, Puliur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam (Doc. 5575/80) on December 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) N. D. Kunjappa Rep. by R. Venugopala Iyer
J-5, Salai Road,
Woraiyur,
Trichy-3.

(Transferor)

- (2) N. Ravindran,
190, North Usman Road,
Madrass-600017.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at TS. No. 67/2, Aziz Nagar Main Road Kodambakkam, Puliur.
(Doc. 5575/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-600006.

Date : 7-8-81
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600006, the 7th August 1981

Ref. No. 11224.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52, LIC Colony, Kurichi, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 6342/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Life Insurance Corporation Employees Co-op Building Society,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) Poovalingam Chettiar,
6/185, 6th St., Gandhipuram,
Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 52, L.I.C. Colony Kurichi, Coimbatore.

(Doc. 6342/80)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Madras-600006.

Date : 7-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 10th August 1981

Ref. No. 10/Dec.80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, Spur Tank Road, situated at Madras-31 Banashankari II Stage, Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Periamet (Doc. 1475/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) P. B. Padmanabhan,
66, Spur Tank Road,
Madras-31.

(Transferor)

- (2) Sarojini Shukla,
2, Choudry Colony,
Madras-34.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at No. 66, Spur Tank Road, Madras-31.
(Doc. 1475/80)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madrass-600006.

Date : 10-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madrass-600006, the 14th August 1981

Ref. No. 37/Dec./80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

No. 17/112, 17/112A, 17/112B, 17/109, 110, situated at 111, 113, Kodaikanal

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodaikanal (Doc. 439/80) on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) A. G. Rangamani "Rangamandiram",
8-1-375,
Shivaji Nagar,
Secunderabad (AP).

(Transferor)

- (2) V. S. Sankara Mudaliar,
S/o. V. N. Singara velu Mudaliar,
"Maple Hurst",
Fern Hill Road,
Kodaikanal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 17/112, 17/112A, 17/112B, 17/109, 110, 111, 113, Kodaikanal.
(Doc. 439/80)

R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madrass-600006.

Date : 14-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ASSTT. COMMISSIONER OF
INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras-600006, the 14th August 1981

Ref. No. 20/Dec./80.—Whereas, I R. RAVICHANDRAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 48/1 and 65 situated at Kondappanaickenpatti Salem Tk.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Salem (Doc. 7104/80) on December 1980

for an apparent consideration which is/less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

30—226GI/81

(1) M. A. Palaniappa Chettiar,
S/o. Annamalai Chettiar
"Vasantham",
Suramangalam,
Salem.

(Transferor)

(2) Dr. Maghudeswaran,
S/o. Muthuswamy Gr.
16C, Rajaji Road,
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S.No. 48/1 and 65, Kondappanaickenpatti Salem Tk.
(Doc. 7104/80)

(R. RAVICHANDRAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-600006,

Date : 14-8-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 17th August 1981

Ref. No. 11389.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.

No. Raja St., Coimbatore, situated at Telungupalayam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc 435/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) J. Subramaniam,
S/o V. Jayarama Iyer,
62, Hudco Colony Jatabad,
Coimbatore-641012.

(Transferor)

(2) P. Ilango and Thulasiammal
Pappanaickenpudur
Majara Telungupalayam,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Raja St., Telungupalayam, Coimbatore.
(Doc. 435/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 17-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 17th August, 1981

Ref. No. 11389.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. Raja St., Telungupalayam, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc 436/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P. Ilango and Thulasiammal
Pappanaickenpudur
Majara Telungupalayam
Coimbatore.

(Transferor)

(2) S. Balasubramanian,
S/o. Balaraman,
292, Subri St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Raja St., Telungupalayam, Coimbatore.
(Doc. 436/81)

RADHA BALAKRISHNAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 17-8-1981
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-6, the 17th August 1981

Ref. No. 11389.—Whereas, I RADHA BALAKRISHNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Raja St., Telungu, situated at palayam, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. 437/81) on February 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) P. Ilango,
Thulasiammal,
Pappanaickenpudur,
Majara Telungupalayam,
Coimbatore Tk.

(Transferor)

(2) R. Arumugham,
C/o Rangaswamy,
Thadagam Road,
Coimbatore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Raja St., Telungupalayam, Coimbatore.
(Doc. 437/81)

RADHA BALAKRISHNAN,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Madras-6

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. III-505/Acq/81-82/.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Thana No. 11 Touzi No. 5173, Khata No. 25 and 11 Kheshra No. 830 and 861 (Part) situated at Khajepura Also known as Bailey Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Patna on 10-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Saraswati Devi,
W/o Mr. Jyotindra Nath, I.R.S. Retd. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Resident of Village-Sonaru,
P.O. & P.S. Fatwa, Dist. Patna.
At Present residing at 216 A Srikrishnapuri,
P.S. Srikrishnapuri,
Dist. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Ram Charitar Singh and
Shri Durga Prasad Singh,
Both sons of Late Ram Dayal Singh,
R/o Ram Kumar Bhattacharya Lane,
P.S. Shibpur,
Dist. Howrah (West Bengal)
At Present residing at Bailey Road,
opposite Jagdeo Path,
P.S. Shastri Nagar,
Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of and parcel of land with double storied pucca building including Garage, three servant rooms, hand pump, motor compound wall, court yard with all fittings and fixtures and all other amenities measuring about 9 Kathas 12 dhooors and 4 dhurkies situated at Mouza Khajepura Also known as Bailey Road, Patna (opposite to Jagdeo Path) morefully described in decd No. 8322 dated 10-12-80 registered wth D.S.R. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 17-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. III-506/Acq/81-82—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Holding No. 1496/558, Circle No. 249, Ward No. 34, Trust Plot No. 216, Type A, Thana No. 7 situated at 216 A Srikrishnapuri, Dist. Patna

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 16-12-80

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property fair market value of the aforesaid property and I have as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Ratan Lal Bishnoi,
S/o Sri Haridutta Bishnoi,
(ii) Sri Vijay Bishnoi,
S/o Sri Ratan Lal Bishnoi,
All resident of Kadam Kuan Dist. Patna.
At present residing at New Patliputra Colony,
opposite Alpana Market, Patna.
(Transferor)
- (2) Smt. Saraswati Nath,
W/o Sri J. Nath,
I.R.S. Retd.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Resident of Village Sonaru,
P.O. & P.S. Fatwah,
Dist. Patna.
At present residing at 216 A Srikrishnapuri,
P.S. Srikrishnapuri,
Dist. Patna.
(Transferee)
- (3) Self occupied by transferee.
(Person in occupation of the property)
- (4) Patna Regional Development Authority.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land with double storied pucca building measuring about 692 sq. yards equal to 6228 sq. ft. situated at Shrikrishnapuri, Dist. Sub and Sadar registration office Patna bearing holding No. 1496/558, Circle No. 249, Ward No. 34, Trust Plot No. 216, Type A, Thana No. 7 and morefully described in deed No. 8444 dated 16-12-80 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 17-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. III-507/Acq/81-82/—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Touzi No. 227 (Old) 15d54 (New) situated at Dhakanpura Lodipur Maha-I Niranderpore Khirmunia known as Boring Canal Road, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) (i) Shri Anjani Kumar,
S/o Madan Lal Bishnoi,
Engineer of C 198 Sarvodaya Enclave,
New Delhi,
(ii) Smt. Rupa Rani
W/o Sunil Kumar of C 198 Sarvoday Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s Universal Hydrocarbons Co. Pvt. Ltd.,
Regd. office 204 Annapurna,
12 A Lord Sinha Road,
Calcutta-700071

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that that Chapter

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 1 Bigha 1 Katha dwelling house in mouza Dhakanpura Lodipur Mahal Niranderpore Khirmunia known as Boring Canal Road, Patna morefully described in deed No. I 7027 dated 13-12-80 registered at Registrar of Assurances Calcutta.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 17-8-81
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR

Patna-800001, the 17th August 1981

Ref. No. JI-508/Acq/81-82/—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Khata No. 517, Khesra No. 55 (Part) situated at Dhakanpura, Lodipur Mahal Niranderpore Khirmunia known as Borin Canal Road, Patna.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 13-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Indra Kumar,
S/o Madan Lal Bishnoi
of C-198 Sarvodaya Enclave,
New Delhi, and another

(Transferor)

- (2) M/s Universal Hydro Carbons Company Pvt. Ltd.,
Regd. office 204 Annapurna,
12 A Lord Sinha Road, Calcutta-700071

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided one half share of 1 Bigha 1 Katha together with single storied pucca building in mouza Dhakanpura Lodipur Mahal Niranderpore Khirmunia known as Boring Canal Road Patna morefully described in deed No. I-7028 dated 13-12-80 registered at Registrar of Assurance, Patna.

H. NARAIN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bihar, Patna.

Date : 17-8-81

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR,

Patna 800001, the 18 August 1981

Ref. No. III-509/Acq/81-82—Whereas, I, H. NARAIN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Touzi No. 17/808 and 5174, Plot No. 1634, 1643, 1570, 1572, Khata No. 2040, 2044, 829, 1015 situated at Digha ghat, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna. on 18-12-81

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
31—226GI/81

(1) Patna Polson Private Ltd.
company through its director
Shri Jagdish Jagmohan das Kapadia
son of Jagmohan das
Jekisan das
Kapadi having its registered office at 64/66
Senapati Bapat Marg
Bombay-400019.

(Transferor)

(2) Shri Patna Polson Private Ltd.
Digha ghat,
P.O. Digha,
Dist. Patna having its registered office at Punaichak
Patna-800023 through its
Managing Director Janak Prasad Singh
S/o Late Sorai Singh and
Sri Krishna Kumar Yadav,
Director.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st—Plot No. 1634 Touzi No. 17/808 Khata No. 2040 measuring 0.81 decimals and Plot No. 1643, Touzi No. 17/808 Khata No. 2044 measuring 2 acres and 85 decimals and building thereon.

2nd—Plot No. 1570 and 1572 Touzi No. 5174 Khata No. 829 and 1015 respectively and measuring 1 acre 13.5 decimals and 0.48 decimals respectively vacant land situated on Main Road, (Patna Danapur Road) at Digha Ghat, Patna (Bihar)

The property in question is more fully described in deed No. 8494 dated 18-12-80 registered with the D.S.R., Patna.

H. NARAIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna

Dated : 18-8-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad 380 009, the 6th August, 1981

Ref. No. P. R. No. 1144—Acq. 23-II/81-82— Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 26 paiki situated at Bhalav, Broach (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Broach on 24-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jayatibhai Chhitabhai Patel
Zadeshver

(Transferor)

(2) Shri Ravjibhai Mathurbhai Patel
muktanpur,
C/o. Muktanand Tiles ;
Broach.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Bhalav, S. No. 26, duly registered on 24-12-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Dated : 6-8-1981

Scal :

FORM HNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009 the 7th August, 1981

Ref. No. P. R. No. 1145 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Nondh No. 2707, situated Rani Talav, wd. No. 12, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 1-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Mahrabai Navrojji Hirji Bahedin daughter of Sunabai Ardesar—12,
Nil Ferace,
Fateh Ganj,
Baroda.
- (2) Ratamai Kunvarji Mithawala,
daughter of Sunabai Ardesar,
Worli,
Bombay.

(Transferors)

2. (2) 1. Abdulkarim Abdulrehman Pila ;
- (2) Abdukrehman Abdulkaraim ;
- (3) Momad Iqbal Abdul Karim ;
- (4) Mohamad Bilal Abdul Karim ;
- (5) Mohamad Zuver Abdul Karim ;
- (6) Mohamad Salman Abdul Karim ;
- (7) Zubedabidbi—wife of Abdulkarim Abdul Rehman ;
Rani Talav,
Kamal Ketan,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Rani Talav, Wd. No. 12, Nondh No. 2707, Surat duly registered on 1-12-80.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad.

Date : 7-8-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1146 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I,
G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 1393 paiki land situated at Mugalisara, Turkivad, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 6-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sheth Pestanji Ukudji Dharmshala & Bal Fund; Trustees ;
- (1) Shri Dawar Temuras Kavasji Modi;
The Street,
Nanpura,
Surat.
- (2) Dr. Sham Sarosh Bhacca,
Vanki Bordi,
Surat.
- (3) Sheth Arachgha Ardesor Pandol,
Shahpur,
Surat.
- (4) Sheth Hosang Faramroj Wadia,
Athwa Lines,
Surat.
- (5) Sheth Temuras Ardesar Pandol,
Shahpor,
Surat.
- (6) Smt. Roshan Kavasji Modi,
Nanpura,
Surat.
- (7) Sheth Parviz Keki Harudhwala,
Vanki Bordi,
Surat.

(Transferors)

2. (1) Shri Ishverlal Becharadas;
- (2) Shri Chandrakant Ishvarlal ;
- (3) Shri Narendra Ishverlal;
- (4) Shri Pravinkumar Ishverlal;
- (5) Shri Hareshkumar Ishvarlal;
- Rughnathpura,
Varachha Sheri,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Mugalisara, Nandh No. 1393, Wd. No. 12, Surat duly registered on 6-12-1980.

G.C. GARG,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 10th August, 1980

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1147 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C. GARG, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Wd. No. 1, Tika No. 18, S. No. 60, New 81 S. No. 3932 situated at Near Ambicanagar, Karshap Road, Navsari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navsari 23-12-80/24-12-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manibhai Rambhai Patel;
Shri Mansukhbhai Manibhai Patel;
Rekhaben Vinubhai Patel;
Bipinchandra Maganlal Patel;
Umarnagar,
Lunsikui,
Navsari.

(Transferors)

(2) Shri Krishnakumar Navnitlal Gandhi;
President of Virat Apartment Co-op.
Housing Society Ltd.
H. No. 499/Wd. No. 4,
Dadangvad,
Navsari.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at R. S. No. 18, S. No. 60, New Tika No. 81, S. No. 3932 duly registered on 23-12-80 and 24-12-80.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, AHMEDABAD

Date : 10th August, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

AHMEDABAD-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1148 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I
G.C. GARG,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingNondh No. 2965-A, Dhingli Falia, Surat situated
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Surat on 17-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

- (1) Hanifabibi Jajumiya;
Samsudin Eazludin ;
Husnudin Fazludin;
Nurudin Fazludin.
Mohyadin Fazludin;
Madinabibi Fazludin;
Khatijabibi Fazludin;
Kulsambibi Fazludin;
Badekha Chakla,
Dhangali Falia,
Surat.

Transferors)

2. (1) Shri Mohmad Sidiq Ibrahim Chiniwala;
(2) Shri Abdulkadar Ibrahim ;
Chok, Bazar,
Sidhivad,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Dhinali Falia, Nondh No. 3865-A, Surat du
registered on 17-12-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10th August. 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1149 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C. Garg,,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 3965-B land Dhingali Falia, Badekha Chakla, Surat situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-12-1970

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Miyamohmad Abderehman;
Shri Miyaahmad Abderehman ;
Shri Abdulrahim Abderchman ;
Shri Abdulganu Abderehman ;
Shri Abdulkarim Abderehman;
Ayasabibi Abderehman Nabubanhai;
Badekha Chakla,
Dhingali Falia,
Surat.

(Transferees)

(2) 1. Shri Abdulabhai Abdulkadar Chakiwala;
Chokbazar,
Naz Building,
Wd. No. 1,
Nondh No. 3896,
Surat.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 3965-B, Dhingali Falia, Surat duly registered on 16-12-1980.

G.C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition-Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 10th August, 1981.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 5th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1386 Acq. 23-J/81-82—Whereas, I
G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No S. No. 519 situated at Dudharej

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Wadhwan City on 11-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Nanu Gaga;
2. Shri Rukhad Gaga ;
Dudharej
3. Legal heirs of Amba Gaga;
- (i) Ranbhaben Amba;
- (ii) Labhuben Amba;
- (iii) Minor Surajben Amba;
- Guardian Mana Gaga,
Dudharej.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Mahipatlal Kasturchand Shah;
2. Shri Dinkar Nagindas Shah ;
3. Shri Rajesh Nagindas Shah ;
4. Shri Mahesh Mahipatlal Shah ;
5. Shri Ashok, Mahipatlal Shah ;
6. Shri Hemant Ashok Mahipatlal Shah ;
Surendranagar.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An agricultural land admeasuring 3 Acre 31 1/2 Guntha bearing S. No. 519, on Western side situated at Dudharej and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 3257 dated 11-12-1980.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ahmedabad

Date : 5th August 1981

Seal :

FORM ITNS—

(2) Mahendra Oil Cake Industries Co. Bhaktinagar Station Plot, Rajkot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Mahendra Export Industries; Bhaktinagar Station Plot, Rajkot.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 10th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1388 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I G. C. GARG

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Lekh No. 5268 & 5269, 4733 & 4734, Plot No. 12 to 14 & Plot No. 16 to 18 situated at Arogyanagar, Vankaner, Dist, Rajkot

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Wankaner on 19-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

32—226GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Factory building bearing Lekh No. 5268 & 5269, 4733 & 4734, Plot No. 12 to 14 & 16 to 18, admeasuring 1039-4-6 sq. yd. 1039-4-1- sq. yd. 2079 sq. yd. & 328-6-6 sq. yds. situated at Arogyanagar, Vankaner, duly registered by Registering Authority, Vankaner vide sale-deed No. 1198/19-12-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 10th August 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th August, 1981

Ref. No. P. R. No. 1387 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 477-A Lati Plot paiki & 477-B, situated at Kolki Road, Upleta.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Upleta on 8-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Ramji Khimji & Co.

through :

One of the partners Shri Jamnadas Manjibhai; of Upleta. Dist. Rajkot.

(Transferor)

- (2) Shri Vithaldas Davraj & others ;

Vithaldas Devraj & Co.

Natver Road,

Upleta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Plot No. 477-A & 477-B, Lati Plot paiki, admeasuring 1474-1-6 sq. yds. & 1522-4-6 sq. yds. situated at Kolki Road, Upleta duly registered by Registering Officer Upleta vide sale deed No. 1686/8-12-80 i.e. property as fully described therein.

G. C. GARG,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated : 10th August 1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1150, Acq. 23-II/81-82—Whereas, I G.C. Garg

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Nondh No. 1939 paiki Plot No. 5 land situated at Mahadevnagar, Surat

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :—

1. (1) Shri Kirankumar Lallubhai;
Village UmraKh Tal,
Bardoli
- (2) Shri Vasantbhai Hirabhai Patel;
Village UmraKh Tal,
Bardoli.
- (3) Shri Chandulal Chhaganlal Patel;
85, Sadhana Society,
Varachha Road,
Surat.

(Transferor)(s)

2. (1) Shri Sadhuram Hariprasad Patel ;
(2) Shri Kantilal S.
Vijaykunj Flats Coop.
Housing Socy. Ltd.
2/808, Hira Modi, Sheri,
Sagrampura,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 1939—paiki land situated at Mahadevnagar, Surat duly registered on 5-12-80.

G. C. GARG

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Dated : 11th August, 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1151 Acq. 23-II/81-82— Whereas. I
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 147, and 148 situated at Moje Jetalpur, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Kiranbahi Manilal Patel;
Baroda.

(Transferor) (s)

(2) Shri Dalsukhbhai Patel;
Ashok Coop.
Housing Society Ltd.
Vibhag-4,
(Bhagya Lakshmi Group),
17, Chandan Building;
Near Sardar Bhavan,
Jubilee baug,
Baroda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land admeasuring 2 Acres and 16 gunthas bearing Jetalpur Sur. No. 147/1, 148 situated in Jetalpur area of Baroda City and as fully described as per sale deed No. 6933 registered in the Office of the Sub-Registrar, Baroda on 30-12-80.

G. C. GARG,
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax,
Acquisition Range,
Acquisition Range, II, Ahmedabad.

Dated: 11th August. 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 11th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1389 Acq. 23-1/81-82—Whereas, I,
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 54-2, Memnagar, TP S. No. 1, situated at Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Baldevji Chhaganji Thakor;
Shri Jivaji Chhagnaji Thakor ;
Shri Rameshbhai Chhaganji Thakor;
Thakorvas,
Memnagar,
Ahmedabad.

(Transferor) (s)

(2) Shri Babubhai Hirabhai Bhatt,
Chairman;
New Anjali Copp.
Housing Society Ltd.,
Bhagya Laxmi Society,
Near Picker Factory,
Nawa Wadaj,
Ahmedabad.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Memnagar S. No. 54-2, TP S. No. 1, duly registered in the month of December, 1980.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 11th August, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

AHMEDABAD-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1153 Acq. 23—II/81-82—Whereas, I,
G.C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Baroda Kasba Sur. No. 479-1-A-2 Final Plot No. 331 situated at Gokhale Colony, Nr. Dinesh Mills, Baroda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 30-12-1980

for an apparent consideration which is less than the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Abdul Majid Gulam Hussain Malek; Mayur Apartments Fatehganj, Baroda.

(Transferor) (s)

(2) 1. Puncendrakumar Natverlal Chauhan ;
2. Devprasad Natverlal Chauhan ;
Both staying at 16,
Gokhale Colony,
Near Dinesh Mills,
Baroda.

(Transferee) (s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Baroda Kasba Sur. No. 479-1-A-2 Final Plot No. 331 (16-Gokhale Colony), and as fully described as per sale-deed No. 4420 registered in the office of Sub-Registrar, Baroda on 30-12-1980.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated : 12th August 1981

Seal :

FORM NO. IT.N.S.—

(1) Patel Devabhai Chelabhai alias Gami
Village Gadhi,
Palanpur Taluka.

(Transferor)

(2) Jayantilal Bhikhabhai Gandhi;
Dhanera Village, Banaskantha.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1152 Acq. 23-II/81-82—Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B

of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

R. S. No. 777/2 situated at Western side of S. T. Divisional Office, Palanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Palanpur on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Palanpur Kasba sim R. S. No. 777/2 (Part) and as fully described as per sale-deed No. 2759 registered in the office of Sub Registrar, Palanpur in the 1st fortnight of December, 1980 (as per certificate in Form 37-H).

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, II, Ahmedabad

Dated : 12th August, 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1390 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I
G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land at S. No. 146 situated at Near Income-tax Flat,
Memnagar Road, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ahmedabad on 18-12-1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

- believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Hiralal Dahyabhai Modi;
St. Xavier's High School Road,
Navrangpura,
Ahmedabad.
2. Rameshchandra Dahyabhai Modi;
Madan Gopal Haveli,
Guse-Parekh Pole,
Ahmedabad.

(Transferor)(s)

- (2) Smt. Bhavani Fozmal Chaudhary;
Mahadevanagar,
B. No. 7,
Navrangpura Nr. Stadium,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Memnagar S. No. 146 duly registered on 18-12-1980.

G. C. GARG,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated: 13th August, 1981
Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No P R No 1391 Acq 23-I/81-82—Whereas, I
G. C GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building known as "Ram Basera situated at Station Road Bhid Naka, Bhuj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhuj on 16-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

33—226GI/81

- (1) 1 Smt Taramatiben Pranlal Shah;
- 2 Shri Narendrakumar Pranlal Shah,
3. Shri Rohitkumar Pranlal Shah;
- 4 Shri Bikhilkumar Pranlal Shah,
- 5 Kum Nita Pranlal Shah,
- Janata Ghar,
- Vaniavad,
- Bhuj (Kutch).

(Transferor)

- (2) Vasantkumar Madhavji Karia ,
- Karta of H U F. Shri Prabhat Urfe
- Vasantkumar Madhavji Karia,
- "Shail Sadan"
- Camp Area,
- Bhuj

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building known as 'Ren Basera' standing on land ad-measuring 180000 sq ft situated on Station Road, Bhuj and as fully described in the sale-deed registered vice Regn No. 2193 dated 16-12-1980

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated 12th August. 1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD
Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1392 Acq. 23-1/81-82—Whereas, I
G. C. GARG

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 407-A-B situated at Near Prabhudas Talav, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar on 3-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhirajlal Amritlal Pandya ;
Plot No. 405,
Narmakunj,
Near Prabhudas Talav,
Bhavnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Madhukanta Mangaldas ;
Vasani ;
Kanabiwas,
Vankadiyani Sheri,
Madhav Niwas,
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 1080 sq. yds. bearing Plot No. 407-A-B, of Krishnagar situated near Prabhudas Talav, Bhavnagar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 2387 dated 3-12-80.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated 12th August 1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. No. 1393 Acq. 23-I/81-82—Whereas, I, G.C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Ward No. 7, S. No. 222 & No. 2115 situated at Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 5-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Manjibhai Ravjibhai Patel;
Smt. Samuben Manjibhai Patel;
Shri M. M. Patel;
6-A, Anant Vadi,
Bhavnagar.

(Transferors)

- (2) Shri Nagjibhai Kanjibhai Patel;
Nirmal Nagar,
Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 601.92 sq. yds. bearing City Survey Wd. No. 7, S. No. 222 & 2115 situated at Bhavnagar as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 121 dated 5-12-80.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 12th August, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE 1, AHMEDABAD**

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No. P. R. 1394 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

o F. P. 143 of TPS 22, situated at Paladi, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 18-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Hemuben Devendrabhai;
on behalf of M. P. Corporation ;
3. M. P. Apartment,
Paladi, Ahmedabad.

(Transferor)

- (2) Rajgruhi Apartments Owners Association ;
through Chairman;
Shri S. H. Shah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 650 sq. yds. bearing F.P. No. 148 of TPS 22 situated at Paladi Ahmedabad and as described in the sale deed registered vide Regn. Nos. 16028 & 16029 dated 18-12-1980.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range 1, Ahmedabad

Dated : 12th August, 1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 12th August, 1981

Ref. No. P. R. 1395 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I,
G. C. GARG,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. City Survey No. 8, 11 (Part), 16-E/7, situated at Jamnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 30-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Shamaldas Vasram Mamtara ;
2. Shri Rasikla Shamaldas Mamtara ;
3. Shri Maheshkumar Shamald as Mamtara ;
Nr. Solerium,
Jamnagar.

(Transferors)

- (2) Shri Arihant Apartments Coop.
Housing Society Ltd.
C/o. Mahavir Medical Stores ;
Rajendra Road,
Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 4585'. 11" sq. ft. bearing City Survey No. 8, 11 (Part), 16E/7 and as fully described as per sale-deed No. 3148 registered in the Office of the Sub-Registrar, Jamnagar on 30-12-1980.

G. C. GARG
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 12th August, 1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th August 1981

Ref. No., P. R. 1396 Acq. 23-I/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. Nos. 81, 83, 84, paiki of TP S. 1, situated at Ghatlodia, Ahmedabad

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 29-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability, of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Narendra Ambalal Rami ;
Jivkor Niwas,
Naverang High School Road,
Near Stadium
Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Swapna Siddh Coop.,
Housing Society Ltd.,
Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land adm. 64775 sq. mts. bearing S. No. 81 paiki, 83 paiki, 84 paiki and 88 paiki of TPS. 51 of Ghatlodia Dist. Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 16139 dated 29-12-1980.

G. C. GARG

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, Ahmedabad

Dated : 12th August, 1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE I, AHMEDABAD 380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th August 1981

Ref. No. P. R. 1397 Acq. 23-1/81-82.—Whereas, I, G. C. GARG,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 5564 & 5565, of Sheet No. 481 situated at Shahpur, Mangal Parekhno Khancho, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on December, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhanuprasad Chandulal Patikh;
Lalbahadurni Haveli,
Mehta Pole;
Bank Road,
Baroda.

(Transferors)

(2) M/s. Sheth & Sons;
through partners ;
1. Lilavati Kantilal Sheth ;
2. Kantilal Punjalal Sheth;
3. Dr. Manojkumar Kantilal Sheth ;
4. Dipak Kantilal Sheth ;
5. Hansraj Kantilal Sheth ;
1174, Salvini Pole,
Raikhad,
Ahmedabad.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property standing on land admeasuring 234 sq. yds. bearing S. Nos. 5565 and 5564, M. S. Nos. 3344-4, 3344-5 3344-6 of Sheet No. 48, situated at Shahpur at Shahpur Ward, Lallubbaini Pole, Mangalparekh's Khancho, Ahmedabad and as fully described in the sale-deed registered Nos. 15024 and 15047 dated 19-12-80 & 15-12-80 respectively.

G. C. GARG
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range I, Ahmedabad.

Dated : 14th August, 1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 5th August 1981

Ref. No. A. C-21/R-II/Cal /81-82—Whereas J. K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 279+279/1147 situated at Mouza+P.S.—Behala 24 parganas (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 20-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

- (1) The United Provinces Sugar Co. Ltd., Calcutta.
(Transferor)
- (2) Mrs. Anjali Bose.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 2 Bighas being parts of plot Nos. 279 and 279/1147 of Mouza+P. S. Behala. R. S. No.-83 District 24 parganas More particularly described in deed No. J. 7229 of R. A. Calcutta of 1980.

K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rofi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Acquisition
Range-II, Calcutta-700 016.

Dated 5-8-1981

Seal :

FORM ITNS

1. Smt. Sefali Dutta.

(Transferor)

2. Sri Sukhendu Modok & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th August 1981

Ref. No. AC-24/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 147 situated at Lake Town, Block 'A' Dist.

24-Parganas

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A. Calcutta on 1-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 4 Ks. 6 Chs. 31 sq. ft. at Lake Town, Block 'A' Dist. 24-Parganas vide Dag No. 147. More particularly described in deed No. 6740 of R. A. Calcutta of 1980.

K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

34—226GI/81

Dated 7 8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th August 1981

Ref. No. AC-41/R-IV/Cal/81-82—Whereas I, K. SINHA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 52 situated at Gandhi Road, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta, on 22-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Sri Durga Prasad Mandelia
(2) Sri Tarachand Saboo,
(3) Anandilal Goenka
(4) Srinivas Hada
(5) Murlidhar Dalmia trustees of Birla Officers Health Resort Trust

(Transferor)

2. Manav Utthan Seva Samity
26/96, Shaktinagar,
Delhi-110007.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 2.444 acres situated at 52 Gandhi Road, Darjeeling with building thereon known as SILVER DALE and the out offices, godowns, erections, slopes of the Hill etc. as more fully described in the deed No. 11599 P dt. 22-12-80 of Registrar of Assurances, Calcutta.

K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range No.-IV

54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700016

Date : 7-8-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1981

Ref. No. AC-25/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

13 situated at Harinath Dey Road, P. S. Narikeldanga Calcutta-6

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

D. R. Alipore on 15-12-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Rita Ghosh

(Transferor)

2. Nisith kumar Batobyal

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 1 K. 8ch. at 13, Harinath Dey Road, P. S. Narikeldanga, Calcutta-6,

More particularly described in deed No. 10007 of D. R. Alipore, 24 parganas of 1980.

K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 10-8-81.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 10th August 1981

Ref. No. AC-26/R-II/Cal/81-82—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10/14, situated at Nagendra Nath Road, P. S. Dum-Dum, Calcutta-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Cossipur, Dum-Dum, on 6-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I, have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Deba Prasad Kar of 15E,
Fern Road,
P. S. Ballygung,
Calcutta-19.

(Transferor)

(2) Smt. Ila Bose,
10/14, Nagendra Nath Road,
P. S. Dum-Dum,
Calcutta-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 4k. (Two storied Building) at 10/14, Nagendra Nath Road, P. S. Dum-Dum, Calcutta-28. More particularly described in deed No. 8888 of S. R. Cossipore, Dum-Dum of 1980.

K. SINHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 10-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th August 1981

Ref. No. AC-42/R-IV/Cal/81-82—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 52 situated at Gandhi Road, Darjeeling (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 22-12-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. (1) Shri, Durga Prasad Mandella,
(2) Shri Tarachand Saboo,
(3) Shri Anandilal Goenka
(4) Srinivas Hada
(5) Murlidhar Dalmia,
Trustees of Birla Officers Health Resort Trust
(Transferor)
2. Divine Light Mission
2/12, Panjabi Bagh,
New Delhi-110 026.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that the piece & parcel of land measuring 3.597 acres situated at 52 Gandhi Road, Darjeeling known as 'SILVER DALE' as more fully described in the deed No. 199598 p dated 22-12-1980 of Registrar of Assurances, Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor), Calcutta

Date : 7-8-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-700016

Calcutta-700 016, the 10th August 1981

Ref. No. AC-43/Acq. R-IV/Cal/81-82—Whereas I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land & Building situated at Sahapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 29-12-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Smt. Padma Das of 93, I. R. Belillions Lane, P.S. + Dist. Howrah.

(Transferor)

2. M/s Benoy Electrical Engineering Company, 1/2, Deshpriya Sasmal Road, P. S. Bantra, Dist. Howrah.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 7 Cottahs with building situated at Mouze Sahapur, P. S. Jagacha, Dist. Howrah. Deed No. 4593 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,

54, Rafi Ahmed Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700016

Date : 10-8-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE I,**

Calcutta-700 016, the 10th August

Rer. No AC-44/Acq. R-IV/Cal/81-82—Whereas K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 29/1 situated at Tarak Siddhyanta Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Howrah on 26-12-80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of the such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. Sunil Kumar Mukherjee,
of 57, Peskar Lane,
P. S. Golabari,
Dt. Howrah.
2. Basudeb Chakraborty,
of 68, Tarak siddhyanta Lane,
P. S. Bally,
Dt. Howrah.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3K 2 ch. 11ft. situated at 29/1, Tarak siddhyanta Lane, P. S. Bally,
Dt. Howrah. Deed No. 4573 of 1980

K. SINHA

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, No. IV,
54, Rafi Ahmed. Kidwai Road (2nd floor) Calcutta-700016

Date : 10-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Satyajit Majumder,
(2) Sri, Surajit Majumder of Apear Garden,
Asansol.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Arun Kumar Paul
(2) Sri Chandar K. Paul of Apear Garden, Asansol.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-700016

Calcutta-700 016, the 10th Autus 1981

Rer. No. AC-45/ACQ R-IV/Cal/81-82—Whereas I
K. SINHA,
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76/30 situated at Apear Garden, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 9-12-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1K. 6h. with building situate, at 76/39 Apear Garden, G. T. Road Asansol Deed No. 5863 of 1980

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range-IV
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, (2nd Floor)
Calcutta-700016

Date : 10-8-181
Seal :

FORM I.T.N.S.-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA-700016

Calcutta-700 016, the 10th August 1981

Ref. No. AC-46/Acq. R-IV/Cal/81-82—Where as I K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 76 situated at Apear Garden, G. T. Rd. Asansol (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Asansol on 5-12-80. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—226GI/81

(1) Satyajit Majumder &
(2) Surajit Majumder of Apear Garden, Asansol
(Transferor)

(1) Ajoy Kumar Paul &
(2) Amar Paul of Apear Garden, Asansol.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land lk. 6ch. with building situated at 76/30 Apear Garden, Asansol, Deed No. 1513 of 1980

K. SINHA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, (2nd Floor)
Calcutta-700016

Date 10-8-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 7th August 1981

Ref. No. ASR/81-82/144—Whereas, I ANAND SINGH IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One property at Nimak Mandi situated at Gali Kandharia Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SR Amritsar on December 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S. Mohan Singh S/o S. Surmukh Singh & Smt. Manjit Kaur
w/o S. Mohan Singh,
r/o Nimak Mandi,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Asha. Ran
w/o Sh. Inderjit,
r/o Nimak Mandi,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at sr. No. 2 and tenant(s) if any
(Person in occupation of the Property)
- (4) Any other
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property situated in Nimak Mandi, Gali Kandharia, Amritsar as mentioned in the sale deed No. 2848/I dated 17-12-80 of the registering authority Amritsar.

ANAND SINGH IRS.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 7-8-1981

Seal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION, 1982

New Delhi, the 5th September, 1981

No. F. 14/5/81-E.I(B)—A combined examination for recruitment to the Services & posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission on 21st February 1982 at Agartala, Ahmedabad, Aizawl, Allahabad, Bangalore, Bhopal, Bombay, Calcutta, Chandigarh, Cochin, Cuttack, Delhi, Dispur (Gauhati), Hyderabad, Imphal, Itanagar, Jaipur, Jammu, Jorhat, Kohima, Lucknow, Madras, Nagpur, Panaji (Goa), Patna, Port Blair, Shillong, Srinagar and Trivandrum.

THE CENTRES AND THE DATE OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See para 19(ii) below).

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 21st January, 1982 will not be entertained under any circumstances.

2. The posts/services to which recruitment is to be made and the approximate number of vacancies to be filled are given below:—

- (i) Assistant Divisional Medical Officer in the Railways—approx. 25 vacancies.*
- (ii) Junior Scale posts in Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service—approx.**
- (iii) Junior Scale Posts in Central Health Service—approx. 300 vacancies (including 45 vacancies reserved for Scheduled Castes and 22 reserved for Scheduled Tribes candidates).
- (iv) General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Corporation of Delhi—approx. 100 vacancies.*

The number of vacancies is liable to alteration.

*Vacancies not yet intimated by Government.

*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/Posts mentioned in para 2 above. Candidates will be required to indicate preference for Services/posts at the appropriate time.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will

be required to pay the fee mentioned in Para 5 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the services/posts for which he applies.

4 ELIGIBILITY CONDITIONS:—

(a) Nationality

A candidate must be either:—

- (i) a citizen of India, or
- (ii) a subject of Nepal, or
- (iii) a subject of Bhutan, or
- (iv) a Tibetan refugee who came over to India before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or
- (v) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (ii) iii), (iv) and (v) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(b) Age Limit.—Age below 30 years as on 1st January, 1982.

The age limit is, however, relaxable upto 40 years as on 1-1-1982 for the examination to be held in 1982.

The upper age limit is further relaxable as follows:—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya,

Uganda and the United Republic of Tanzania formerly Tanganyika and Zanzibar or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;

- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda, and the United Republic of Tanzania, (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (ix) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area; and released as a consequence thereof;
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.
- (xiii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin (Indian passport holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July 1975.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMIT PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

The date of birth accepted by the Commission is that entered in the Matriculation or Secondary School Leaving Certificate or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University or in the Higher Secondary or an equivalent examination certificate. These certificates are required to be submitted only after the declaration of the result of the written part of the examination.

No other document relating to age like horoscopes affidavits, birth extracts from Municipal Corporation, service records and the like will be accepted.

The expression Matriculation/Secondary Examination Certificate in this part of the instruction includes the alternative certificates mentioned above.

NOTE 1 :— CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONLY THE DATE OF BIRTH AS RECORDED IN THE MATRICULATION/SECONDARY EXAMINATION CERTIFICATE OR AN EQUIVALENT CERTIFICATE AS ON THE DATE OF SUBMISSION OF APPLICATION WILL BE ACCEPTED BY THE COMMISSION, AND NO SUBSEQUENT REQUEST FOR ITS CHANGE WILL BE CONSIDERED OR GRANTED.

NOTE 2 :— CANDIDATES SHOULD ALSO NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ENTERED IN THE RECORDS OF THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL BE ALLOWED SUBSEQUENTLY OR AT ANY OTHER EXAMINATION OF THE COMMISSION.

(c) Educational Qualification

For admission to the examination, a candidate should have passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination.

NOTE 1.—A candidate who has appeared/or has yet to appear at the final M.B.B.S. Examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the written and practical parts of the final M.B.B.S. Examination as soon as possible and in any case not later than 15th July, 1982.

NOTE 2.—A candidate who has yet to complete the compulsory rotating internship is educationally eligible for admission to the examination but on selection he will be appointed only after he has completed the compulsory rotating internship.

5 Fee :

A candidate seeking admission to the Examination must pay to the Commission a fee of Rs. 28.00 (Rupees twenty eight) Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of SC and ST candidates). Payment must be made through crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi or through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office. Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the Office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051—Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

NOTE :— (i) Candidates should write their name and address on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the postal Orders at the space provided for the purpose.

Note (ii) —If any candidate, who took the "Combined Examination (1981) for recruitment to Medical Posts under the Central Government and in the Municipal Corporation of Delhi" wishes to apply for admission to 1982 examination he must submit his application so as to reach the Commission's Office by the prescribed date without waiting for the results or an offer of appointment. If he is recommended for appointment on the results of the 1981 examination, his candidature for the 1982 examination will be cancelled on request, provided his request for cancellation of his candidature and refund of fee is received in the Commission's Office by 21st January, 1982.

6. How to Apply :

A candidate seeking admission to the Examination must apply to the *Secretary, Union Public Service Commission Dholpur House, New Delhi-110011*, through the application form published in Appendix III below. The candidates may utilise in original the form published in the newspapers or in 'Employment News', filling up the columns with *ball-point pen*. They may also use the application form neatly type-written on white paper (foolscap size) in double space and typed on only one side of the paper. There is no objection to candidates using printed Application Form and Attendance sheet, if available, from private agencies, as long as the format is exactly the same as published in Appendix III of this advertisement. Candidates should note that applications filled in on the format used for the previous examinations will not be considered. The envelope containing the application should be superscribed in bold letters as

"APPLICATION FOR COMBINED MEDICAL SERVICES EXAMINATION 1982."

- (a) A candidate must send the following documents with his application:—
 - (i) Crossed Bank Draft/Indian Postal Orders or Indian Mission Receipt for the prescribed fee.
 - (ii) Attendance Sheet (vide Appendix III below) duly filled in on foolscap size paper.
 - (iii) Two identical copies of recent passport size (5cm × 7cm approx.) photograph of the candidate—one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
 - (iv) One self-addressed post-card.
 - (v) Two self-addressed unstamped envelopes of 11.5 cms. × 27.5 cms. size.
- (b) Candidates should note that only International form of Indian numerals is to be used while filling up the application form. Even if the date of birth in the SSLC or its equivalent certificate has been recorded in Hindi numerals, the candidates should ensure that while entering it in the Application Form he uses International form of Indian numerals only. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.
- (c) All candidates, whether already in Government Service, in Government owned industrial undertakings or other similar organisation or in private employment, should submit their applications direct to the Commission. If any candidate forwards his

application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

Persons already in Government service whether in a permanent or temporary capacity or as work charged employees other than casual or daily rated employees or those serving under the Public Enterprises are, however, required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the Examination.

NOTE : APPLICATIONS NOT ACCOMPANIED BY THE PRESCRIBED FEE OR INCOMPLETE OR DEFECTIVE APPLICATIONS SHALL BE SUMMARILY REJECTED. NO REPRESENTATION OR CORRESPONDENCE REGARDING SUCH REJECTION SHALL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

CANDIDATES ARE NOT REQUIRED TO SUBMIT ALONGWITH THEIR APPLICATIONS ANY CERTIFICATES IN SUPPORT OF THEIR CLAIMS REGARDING AGE, EDUCATIONAL QUALIFICATIONS, SCHEDULED CASTES AND SCHEDULED TRIBES ETC. THEY SHOULD THEREFORE ENSURE THAT THEY FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION. THEIR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL ALSO THEREFORE BE PURELY PROVISIONAL IF ON VERIFICATION AT ANY LATER DATE IT IS FOUND THAT THEY DO NOT FULFIL ALL THE ELIGIBILITY CONDITIONS. THEIR CANDIDATURE WILL BE CANCELLED. CANDIDATES ARE REQUESTED TO KEEP READY THE ATTESTED COPIES OF THE FOLLOWING DOCUMENTS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION.

1. CERTIFICATE OF AGE.
2. CERTIFICATE OF EDUCATIONAL QUALIFICATION.
3. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM TO BELONG TO SCHEDULED CASTE/SCHEDULED TRIBE, WHERE APPLICABLE IN THE FORM AS PRESCRIBED IN APPENDIX I.
4. CERTIFICATE IN SUPPORT OF CLAIM FOR AGE CONCESSION, WHERE APPLICABLE, IMMEDIATELY AFTER THE DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN PART OF THE EXAMINATION SUCCESSFUL CANDIDATES WILL BE SENT A FORM BY THE COMMISSION REQUIRING ADDITIONAL INFORMATION TO BE FURNISHED. THE ATTESTED COPIES OF THE ABOVE MENTIONED CERTIFICATES WILL HAVE TO BE SENT TO THE COMMISSION AT THAT TIME, ORIGINALS WILL HAVE TO BE PRODUCED AT THE TIME OF INTERVIEW. IF ANY OF THEIR CLAIMS IS FOUND TO BE INCORRECT, THEY MAY RENDER THEMSELVES LIABLE TO DISCIPLINARY ACTION

BY THE COMMISSION IN TERMS OF PARA 7 BELOW.

7. A candidate who is or has been declared to the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the Staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses may in addition to rendering himself liable to criminal prosecution be liable—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate, or
 - (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them,
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf, and
- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration

8. LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATIONS

The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 2nd November 1981 (16th November 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 2nd November 1981 and whose applications are received by post from one of the areas mentioned above) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and candidates residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J & K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 2nd November 1981

Note . (i) Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J & K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time

Note : (ii) Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission

NO APPLICATION RECEIVED AFTER THE PRESCRIBED DATE WILL BE CONSIDERED.

9. *Scheme of Examination*—The examination will comprise.—

(A) *Written Examination*.—The candidates will take the examination in one paper (code No 01) of three hours duration containing objective type questions covering the following four subjects and carrying a maximum of 200 marks. The questions in the paper will be so designed as to give the following weightage to the four subjects—

(i) General Medicine including Paediatrics	40%
(ii) Surgery including E N T., Ophthalmology, Traumatology and Orthopaedics	20%
(iii) Preventive Medicine and Community Health including Family Welfare, Maternal and Child Health and other National Programmes	20%
(iv) Obstetrics and Gynaecology	20%

(B) *Personality Test* of candidates who qualify in the written examination. 200 marks

NOTE: The "Candidates' Information Manual" containing details pertaining to objective type Test including sample questions will be supplied to candidates alongwith the Admission Certificate

10. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

The interview for Personality Test will be intended to serve as a supplement to the written examination for testing the General knowledge and ability of the candidates in the fields

of their academic study and also in the nature of a personality test to assess the candidates intellectual curiosity critical powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind ability for social cohesion, integrity of character, initiative and capability for leadership.

11. After the interview, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate in the written examination and the personality test with 50% weightage respectively and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment upto the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

12. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

13. Subject to other provisions contained in this Notice, successful candidates will be considered for appointment on the basis of the order of merit assigned to them by the Commission and the preferences expressed by them for various posts at the time of their application.

14. Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate having regard to his character and antecedent is suitable in all respects for appointment to the service. The appointment will be further subject to the candidate satisfying the appointing authority of his having satisfactorily completed the compulsory rotating internship.

15. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. All candidates who are declared qualified for the Personality Test will be physically examined by the medical board set up by the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health).

16. No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

17. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

18. The Commission have discretion to fix qualifying marks for the examination.

19. CORRESPONDENCE WITH THE COMMISSION

The Commission will not enter into any correspondence with the candidates about their candidature except in the following cases:

- (i) Every application including late ones received in the Commission's Office is acknowledged and Application Registration No. is issued to the candidate in token of receipt of application. The fact that the Application registration No. has been issued to the candidates does not, ipso facto, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.
- (ii) Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result of the application will be communicated. But if a candidate does not receive from the Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.
- (iii) No candidate will be admitted to the Examination unless he holds a certificate of admission to the Examination.

The mere fact that a certificate of admission to the Examination has been issued to a candidate will not imply that his candidature has been finally cleared by the Commission, or that the entries made by the candidate in his application for the Examination have been accepted by the Commission as true and correct. Candidates may note that the Commission takes up the Certification of eligibility conditions of a candidate, with reference to original documents, only after the candidate has qualified for interview for Personality Test on the results of the written Examination. Unless candidature is formally confirmed by the Commission, it continues to be provisional.

The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the Examination shall be final.

Candidates should note that the name, in the Admission Certificate, in some cases, may be abbreviated due to technical reasons.

- (iv) A candidate must see that communications sent to him at the address stated in his application are redirected, if necessary. Change in address should be communicated to the Commission at the earliest opportunity. Although the Commission make every effort to take account of such changes, they cannot accept any responsibility in the matter.

IMPORTANT : ALL COMMUNICATIONS TO THE COMMISSION SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS:

1. NAME OF THE EXAMINATION.

2. APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER (OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE APPLICATION REGISTRATION NO./ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED).
3. NAME OF CANDIDATE IN FULL AND IN BLOCK LETTERS.
4. POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN THE APPLICATION.

N.B. (I):—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N. B. (II):—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

20. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

21. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

VINAY JHA,
Joint Secretary

APPENDIX I

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to post under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari*—
son/daughter* of— of village/
town*—in District/Division*—
of the State/Union Territory*—belongs to the
Caste/Tribe* which is recognised as a
Scheduled Caste/Scheduled Tribe* under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*
the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories)
Order, 1951*
the Constitution (Scheduled Tribes) Union Territories
Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Area (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Caste Order, 1976*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order 1970*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Castes Order, 1978*

the Constitution (Sikkim) Scheduled Tribes Order, 1978*

2. Shri/Shrimati/Kumari* and /or*
his/her* family ordinarily reside(s) in village/town*
of District/Division* of the State/Union
Territory* of

Signature

**Designation
(with seal of office)

Place State/Union Territory*

Date

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "Ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

- (i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate /City Magistrate/+ Sub Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

- (ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

- (iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

- (vi) Sub-divisional Officers of the area where the candidate and/or his family normally resides ;

- (v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, 'Lakshadweep'.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are given below
I. Assistant Divisional Medical Officer in the Railways.—

(a) The post is temporary and in Group A. The scale of the post is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1250—EB—50—1600 (Revised Scale) plus restricted non-practising allowance as per orders in force from time to time. The rates at present are :—

1—5 Stages—Rs. 150/- P.M.

6—10 Stages—Rs. 200/- P.M.

11—15 Stages—Rs. 250/- P.M.

16th stage onwards Rs. 300/- P.M.

The candidate will be bound to observe the orders which the Ministry of Railways or any higher authority may issue from time to time, restricting or prohibiting private practice by him. The candidates in Government service will be given initial pay in the above mentioned scale according to rules; others will be given the minimum of the pay scale mentioned above.

(b) A candidate will be appointed on probation for a period of two years which may be extended by the Government if considered necessary. On satisfactory completion of the probationary period, he will continue in a temporary capacity.

(c) The appointment can be terminated by one month's notice on either side during the period of probation and there after while employed in a temporary capacity. The Government reserve the right to give one month's pay in lieu of notice.

(d) A candidate will have to undergo training as prescribed by the Ministry of Railways and pass all the Departmental Examinations.

(e) A candidate will be governed by the Railway Pension Rules and shall subscribe to the State Railway Provident Fund (Non contributory) under the rules of that Fund as in force from time to time.

(f) A candidate will be eligible for leave in accordance with the leave rules as in force from time to time and applicable to officers of his status.

(g) A candidate will be eligible for free Railway Passes and Privilege Ticket Orders in accordance with the Rules in force from time to time.

(h) A candidate will be required to pass a Hindi test within two years of his appointment.

(i) Under the rules every person appointed to the above post shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any;

Provided that such person—

(a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of such appointment;

(b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of 45 years.

(j) *Reckoning Service*—The persons who are recruited under these rules to posts to which the conditions prescribed in Rule 2423—A (C.S.R. 404-B) of the Indian Railway Establishment Code are applicable, shall be eligible to the benefit of the provisions contained in that rule.

(k) A candidate will be governed in respect of the matters specifically referred to above as well as other matters by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and the extent orders as amended/issued from time to time.

(l) In the first instance a candidate will be posted to the Railway Health Units/Dispensaries at wayside Stations A.D.M.Os. are also liable to transfer to any Railway.

(m) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to higher grades.

(i) Assistant Divisional Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Divisional Medical Officers (Senior

Scale) of Rs. 1100—1800 plus restricted non-practising allowance of Rs. 300 p.m. from 1st to 9 stages and Rs. 350 per month from 10th Stage onwards.

(ii) Divisional Medical Officers/Senior Medical Officers with five years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Medical Superintendents in the scale of Rs. 1500-2000/- plus non-practising allowance of Rs. 500/- per month.

(iii) Depending upon the number of years of service in grade of Rs. 1500-2000/- as prescribed from time to time Medical Superintendents become eligible for promotion to the posts of Addl. Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2250—2500/- with a non-practising allowance of Rs. 500/- p.m.

(iv) Addl. Chief Medical Officers with 2 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis are eligible for promotion to the posts of Chief Medical Officers in the scale of Rs. 2500—2750/- plus non-practising allowance of Rs. 500/- per month.

(n) Duties and Responsibilities—

Assistant Divisional Medical Officers :

(i) He will attend the indoor wards and out-patient department daily and as required.

(ii) He will carry out physical examination of candidates and of employees in service in accordance with the regulations in force.

(iii) He will look after family planning public health and sanitation in his jurisdiction.

(iv) He will carry out examination of vendors.

(v) He will be responsible for discipline and proper discharge of duties of the Hospital Staff.

(vi) He will carry out duties assigned to his speciality, if any, and will prepare returns and indents connected with his speciality.

(vii) He will maintain and upkeep all equipments, in his charge

NOTE (1) : When an ADMO is posted at the Headquarters of a division under the charge of a Divisional Medical Officer, he will assist the Divisional Medical Officer in all his duties, but may be specially assigned with certain duties and responsibilities.

NOTE (2) : ADMOs will also be required to perform such other duties as may be assigned to them from time to time.

II. Posts of Assistant Medical Officer in the Ordnance and Ordnance Equipment Factories Health Service under the Ministry of Defence—

(a) The Post is temporary in Group A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rates at present are—

1—5 stages	Rs. 150/- per month
6—10 stages	Rs. 200/- per month
11 stages onward	Rs. 250/- per month

(b) The candidate will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted anywhere in India in any one of the Ordnance Factory Hospitals or Dispensaries.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited.

(e) The appointment can be terminated on one month's notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Government reserves the right to give one month's pay in lieu of notice.

(f) Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades—

(i) SENIOR SCALE—SENIOR MEDICAL OFFICER/ ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in at least 5 years service in the junior scale will become eligible to senior scale—Senior Medical Officer/Assistant Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1100—50—1600 plus NPA—

1—3 stages	Rs. 250/- per month
4—5 stages	Rs. 300/- per month
6—7 stages	Rs. 350/- per month
8—9 stages	Rs. 400/- per month
10—11 stages	Rs. 450/- per month

(ii) SUPER-TIME GR. II—PRINCIPAL MEDICAL OFFICER/DEPUTY DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Officers who have put in 5 years of service in the senior scale and possess post-graduate qualifications can be considered for promotion to Super-time Gr. II—Principal Medical Officer/Deputy Director of Health Service. The scale of pay is Rs. 1500—60—1800—100—2000 plus Rs. 600/- N.P.A.

(iii) SUPER-TIME GR. I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

Principal Medical Officers and Deputy Director of Health Service, on completion of 6 years of service will be eligible for appointment of Super-time Gr. I—Director of Health Services with the pay scale of Rs. 2250—125/2—2500 per month plus Rs. 600/- NPA.

(g) Nature of duties—(i) ASSISTANT MEDICAL OFFICERS.

- (i) They will attend to indoor patients in wards/departments of hospitals and out patients in dispensaries/out patient departments daily and as required.
- (ii) They will carry out medical examination of employees and candidates for employment in accordance with the regulations in force.
- (iii) They will maintain and upkeep all equipment in their charge.
- (iv) They will look after the Family Welfare, Public Health and Industrial Health of employees in their jurisdiction.
- (v) They will be responsible for training, discipline and proper discharge of duties of the hospital and dispensary staff.

- (vi) They will perform such other duties as are allotted to them by the Medical Officer-in-Charge as per rules.

(2) GDO GR. I—ASSISTANT DIRECTOR OF HEALTH SERVICES AND SENIOR MEDICAL OFFICER.

- (a) ADHS posted at the Hqrs. will assist the DHS/DDHS in the discharge of their duties on all medical matters as directed by them.
- (b) He will assist the DHS/DDHS in the day to day work of the Medical Section as the Section Officer.
- (c) He will perform such other duties as may be assigned to him by the DHS/DDHS from time to time.
- (d) He will assist the DHS in dealing with all questions relating to Medical Stores & equipments.
- (e) SMO—SMOs will be Incharge of any factory hospital with less than 75 beds and Medical Estt. there.
- (f) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (g) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (h) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(3) SUPER-TIME GRADE II—DY. DIRECTOR OF HEALTH SERVICES & PRINCIPAL MEDICAL OFFICER.

- (a) DDHS posted at the Hqrs. will assist the DHS in the discharge of the latter's duties in matters as directed by him.
- (b) He will act as DHS under orders of DGOF in the latter's absence or leave, tour etc.
- (c) PMO—PMO will be M.O. Incharge of any Factory hospital with 75 beds or above and the Medical Estts. there.
- (d) As M.O. Incharge they will be advisers to the GM of Fys. on all medical matters and make recommendation as considered necessary.
- (e) They will arrange medical attention to the employees and their families as per rules.
- (f) They will perform such other duties as may be laid down under any statute or Govt. orders or delegated to him by the DHS.

(4) SUPER-TIME GRADE I—DIRECTOR OF HEALTH SERVICES.

- (a) Medical Adviser to DGOF on all Medical and health matters. Controlling authority of the Medical Establishment in DGOF Organisation on all Professional and Technical matters. He will exercise the administrative powers as delegated to him by the DGOF.
- (b) He will work out the plans for Implementation of the reports/recommendations accepted by Govt.
- (c) As the Controlling authority he will distribute the personnel according to the requirement of Factories.
- (d) He will normally represent the DGOF on the UPSC.
- (e) He will normally once a year make or caused to be made inspection of all factories and report to the DGOF on the working of Medical installation there on all matters connected with Medical Estts.

(f) He will initiate ACR's of DDHS and will review the reports of all PMO's, SMOs and AMS's.

III. Junior Scale posts in the Central Health Service :

(a) Candidates will be appointed to junior Group 'A' scale and they will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. They will be confirmed in Junior Scale (Rs. 700—1300) in their turn after the satisfactory completion of probation.

(b) The candidates can be posted anywhere in India in any dispensary or hospital under any organisation participating in the Central Health Service viz. C.G.H.S. operating at Delhi, Bangalore, Bombay, Meerut etc., Coal Mines/Mica Mines Labour Welfare Organisations, Assam Rifles, Arunachal Pradesh, Lakshadweep, Andaman and Nicobar Islands, P&T department etc. Private Practice of any kind whatsoever including lab. and consultant Practice is prohibited.

(c) The following are the rates of pay admissible :

Junior Group 'A' Scale

Revised Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

	N.P.A.
1 to 5 stages	Rs. 150 per month
6 to 10 stages	Rs. 200 per month
11th stage onwards	Rs. 250 per month

Officers who have put in at least 5 years service in the Junior Scale will become eligible for promotion to Senior Scale.

Senior Scale Group 'A'

Revised Scale Rs. 1100—50—1600.

	N.P.A.
1 to 3 stages	Rs. 250 per month
4 to 5 stages	Rs. 300 per month
6 to 7 stages	Rs. 350 per month
8 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 11 stages	Rs. 450 per month

Officers having 10 years' service in the Senior Scale will be eligible for appointment to Supertime Grade II in the scale of Rs. 1500—2000 provided the candidate possesses the requisite qualifications, including post-graduate qualification where necessary.

Specialists Grade II

Revised Scale : Rs. 1100—50—1500—EB—50—1800.

	N.P.A.
1 to 3 stages	Rs. 300 per month
4 to 6 stages	Rs. 350 per month
7 to 9 stages	Rs. 400 per month
10 to 12 stages	Rs. 450 per month
13 to 14 stages	Rs. 500 per month

Officers having 8 years' service in Specialist Grade II and possessing the requisite qualification may be considered for promotion to Specialist Grade I against 50% of vacancies to be filled through promotion.

Specialist Grade I

Revised Scale : Rs. 1800—100—2000—125/2—2250—Rs. 600 per month.

Supertime Grade II

Revised Scale : Rs. 1500—60—1800—100—2000—Rs. 600 per month.

Officers holding posts in Specialist Grade I or Supertime Grade II who have rendered 6 years' service in the either grade on a regular basis may be considered for promotion to Supertime Grade I Level II.

Supertime Grade I Level II

Revised Scale : Rs. 2250—125/2—2500—Rs. 600 per month.

Supertime Grade I level I

Revised Scale : Rs. 2500—125/2—2750—Rs. 600 per month.

Vacancies in Supertime Grade I Level I shall be filled from amongst officers in Supertime Grade I Level II with 2 years' service in the grade, failing which with 8 years' combined service in Supertime Grade I Level II and Specialist Grade I/ Supertime Grade II combined together, and failing both officers in Specialist Grade I and Supertime Grade II with 8 years' service in either grade.

IV. General Duty Medical Officers, Grade II in the Municipal Corporation of Delhi :

(a) The post is temporary in Category A but likely to be made permanent in due course. The scale of pay is Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300 plus restricted non-practising allowance (NPA) as per orders in force from time to time. The rate at present are :

1-5 stages	Rs. 150/- P.M.
6-10 stages	Rs. 200/- P.M.
11 stages and onwards	Rs. 250/- P.M.

(b) The candidates will be on probation for a period of 2 years from the date of appointment which may be curtailed or extended at the discretion of the competent authority. On satisfactory completion of the probation period, he will continue in the temporary post till confirmed against the permanent vacancy.

(c) The candidate can be posted any where within the jurisdiction of the Municipal Corporation of Delhi in any one of the hospitals/Dispensaries/M&CW and Family Welfare Centres/Primary Health Centres etc. etc.

(d) Private practice of any kind whatsoever is prohibited

(e) The appointment can be terminated on one months notice on either side during the period of probation and thereafter while employed in temporary capacity. The Municipal Corporation of Delhi reserves the right to pay one months' pay in lieu of notice.

Prospects of promotion including pay scales and allowances attached to the higher grades shall be according to the provisions of the Recruitment Regulations.

